https://archive.org/details/bk310/page/n0/mode/1up

2012-11 -Dashabdi Mahotsav -Sant Sammelan & Nanakdas Maharaj (Kaka) -Smruti Granth (310)

All Items on https://archive.org/details/realpatidar

Full Library on https://realpatidar.com/library



realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n1/mode/1up

Real Patidar Library

https://www.realpatidar.com/library

Real Patidar
Unravel Truth

This book/literature/article/material may be used for research, teaching, and private study purposes. Any substantial or systematic reproduction, redistribution, reselling, loan, sub-licensing, systematic supply, or distribution in any form to anyone is expressly forbidden.

The library does not give any warranty express or implied or make any representation that the contents will be complete or accurate or up to date. The library shall not be liable for any loss, actions, claims, proceedings, demand, or costs or damages whatsoever or howsoever caused arising directly or indirectly in connection with or arising out of the use of this material.

Full terms and conditions of use: http://www.realpatidar.com

About Real Patidar books

Real Patidar's mission is to organize the information on Satpanth religion, which is a Nizari Ismaili sect of Shia branch of Islam, and to make it universally accessible and useful. Real Patidar Books helps readers discover the material on Satpanth online while helping authors and researchers in their studies. You can know more by visiting http://www.realpatidar.com

You can resize and move this box in any PDF Application like Adobe Acrobat Reader.

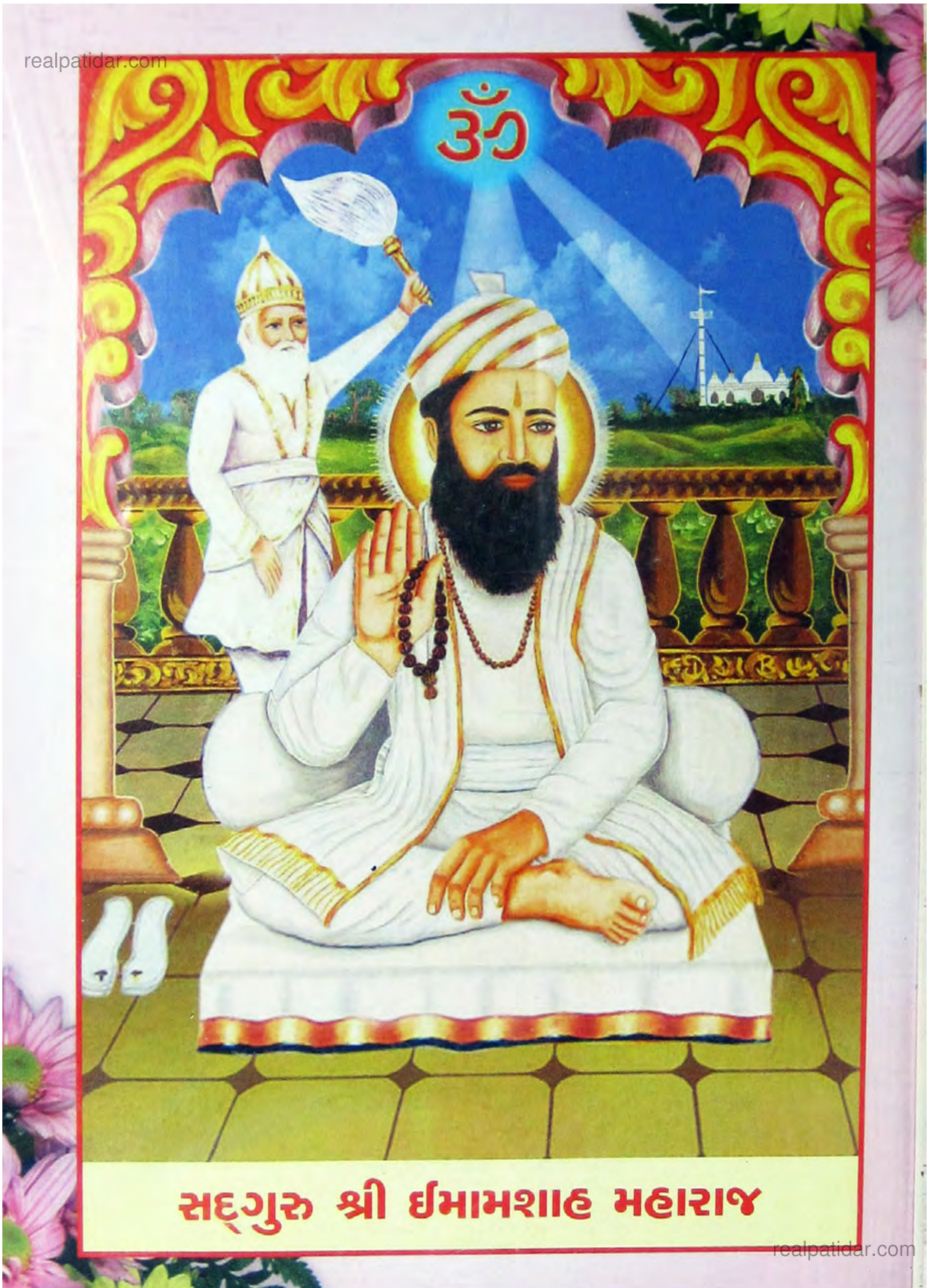
No specific pages. See whole book.
References by: RealPatidar.com - Created using: {script_name}

https://archive.org/details/bk310/page/n2/mode/1up

Digitally signed by realpatidar.com
DN: cn=realpatidar.com, c=IN,
o=realpatidar.com,
email=mail@realpatidar.com
Reason: I have reviewed this
document
Date: 2026.02.18 15:13:06 +05'30'



https://archive.org/details/bk310/page/n3/mode/1up



realpatidar.com
realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n4/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥

પ.પૂ. જગદ્‌ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજ દશાબ્દિ મહોત્સવ



સ્મૃતિ ગ્રંથ

અખિલ ભારતીય સંત સમિતિનું ૨૩મુ રાષ્ટ્રીય મહા અધિવેશન
એવં
પ્રેરણાપીઠ ચતુર્વિધ મહોત્સવ

સં. ૨૦૬૯, કારતક સુદ - ૪-૫-૬, શનિવાર - રવિવાર - સોમવાર
તા. ૧૭-૧૮-૧૯ નવેમ્બર - ૨૦૧૨

પ્રકાશક : અખિલ ભારતીય સનાતન સત્પંથ સેવા મંડળ
સંકલન : શ્રી સત્પંથ પ્રકાશન સમિતિ - પ્રેરણાપીઠ, પીરાણા, જી. અમદાવાદ.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n5/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥

પ્રકાશક : **શ્રી સત્પંથ પ્રકાશન સમિતિ**
પ્રેરણાપીઠ - પીરાણા, તા. દસક્રોઈ
જિ. અમદાવાદ - ૩૮૨૪૨૫
ટે.નં.: ૦૨૭૧૮ - ૨૮૮૮૮૨

પુસ્તકનું નામ : **સ્મૃતિ ગ્રંથ**

પ્રથમ આવૃત્તિ : સં. ૨૦૬૯, કારતક સુદ-૪-૫-૬,
શનિવાર - રવિવાર - સોમવાર
તા. ૧૭-૧૮-૧૯ નવેમ્બર ૨૦૧૨

પ્રત : ૩૫૦૦

પ્રાપ્તિ સ્થાન : **સત્પંથ પ્રકાશન સમિતિ**
સત્પંથ પ્રેરણાપીઠ,
પીરાણા, તા. દ્સક્રોઈ, જી. અમદાવાદ - ૩૮૨૪૨૫

મુદ્રક : સ્મૃતિ ઓફસેટ - અમદાવાદ.

ડીઝાઈન અને
ટાઈપ સેટીંગ : અતુલ એસ. રાણા - ખંભાત.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n6/mode/1up

realpatidar.com

ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ

પ્રકાશક

સત્પંથ સનાતન ધર્મની મુખ્ય ગુરુગાદી ગુજરાતના ઐતિહાસિક મહાનગર અમદાવાદ શહેરથી માત્ર ૧૬ કી.મી.ના અંતરે આવેલા સત્પંથ પ્રેરણાપીઠધામ પીરાણા તા. દસક્રોઈ, જિ. અમદાવાદ ખાતે આવેલ છે.

છેલ્લા વીસ વર્ષ ઉપરાંતથી સત્પંથ પ્રેરણાપીઠધામ પીરાણાએ ભારતવર્ષમાં અને વિશ્વમાં આગવું સ્થાન પ્રાપ્ત કર્યું છે. આ સંસ્થાની પ્રેરણાથી અનેકવિધ સ્થળોએથી આ સ્થાનકમાં અનેક નાના-મોટા ગંગાજળ સમાન ભવ્ય કાર્યક્રમો થયા છે. તારીખ ૩-૪-૫, મે - ૧૯૯૭ના રોજ અખિલ ભારતીય સંત સમિતિનું તેરમુ અધિવેશન શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણધામ નખત્રાણા ખાતે યોજાયું. આ પ્રસંગની સ્મૃતિ કાયમ માટે સંભારણું બની રહે તે માટે તે સમયના પરમ પૂજ્ય જગદ્ગુરુ શ્રી કરસનદાસજી મહારાજના સુવર્ણકાળને આલેખતો સ્મૃતિગ્રંથ બહાર પાડ્યો હતો.

તેવી જ રીતે પ્રેરણાપીઠ - પીરાણાના ૨૩મા ગાદીપતિ પરમ પૂજ્ય જગદ્ગુરુ સત્પંથાચાર્યશ્રી નાનકદાસજી મહારાજ ચાલુ વર્ષે ગાદીપતિ તરીકેનાં ૧૦ વર્ષ પૂર્ણ કરી રહ્યા છે. આ નિમિત્તે પણ એક સુંદર મઝાનો દશાબ્દી ઉત્સવનો સ્મૃતિ ગ્રંથ બહાર પાડવાનું આયોજન કરવામાં આવ્યું. તેના અનુસંધાને અખિલ ભારતીય સનાતન સત્પંથ સમાજ સેવા મંડળના ઉપક્રમે વિરાટ રાષ્ટ્રીય વૈદિક ધર્મ સંમેલન પણ આ પૂણ્યશાળી પવિત્ર ધરા ઉપર યોજાનાર છે. આ મંગલકારી પર્વે ચતુર્વિધ કાર્યક્રમો પણ યોજાશે. આ દશાબ્દી ગ્રંથમાં વર્તમાન ગાદીપતિના સુવાસમય કાર્યોની ઝલક પણ દર્શાવવામાં આવી છે. સનાતન સત્પંથ ધર્મના હરિભક્તો અને માનવ સમાજ માટે આ ગ્રંથ કાયમી સંભારણુ બની રહેશે. તેમાં મહાન વિભૂતિઓના શુભ સંદેશ અને ધાર્મિક ઘટેલી ઘટનાઓને વાચા આપેલી છે. આશા રાખુ કે અમારો આ નમ્ર પ્રયાસ એક દીવાદાંડી સમાન બની રહે તેવી અપેક્ષા.

આ દશાબ્દિ ગ્રંથ પ્રકાશનના સહયોગમાં અને સમગ્ર કાર્યક્રમની સફળતામાં સૌનો અનન્ય ફાળો રહ્યો છે. બિંદુઓનો સરવાળો જેમ સરોવરનું રૂપ ધારણ કરે છે. તેમ દશાબ્દી મહોત્સવ કાર્યક્રમમાં આપ સહુના સાથ સહયોગ માટે આપના આભારી છીએ.

શ્રી શામજીભાઈ કાનજીભાઈ પટેલ
દશાબ્દી મહોત્સવ આયોજન સમિતિ
અખિલ ભારતીય સનાતન સત્પંથ સમાજ સેવા મંડળ
પ્રેરણાપીઠ – પીરાણા, અમદાવાદ. (ગુજરાત)

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n7/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥

वेद धर्मका मूल सत्य है

सभी धार्मिक संप्रदाय और मतोका मूल वेद धर्म है। उसमें दो मत नहीं है। इसे दो मत नहीं हो शकता है। वैदिक धर्मकी मानव जीवनमें आवश्यकता क्यों है ! इस विषय पर हमारे महापुरुषोने प्रकाश डाला है। धर्मका सीधा सा अर्थ है - धारण करना, स्वीकार करना। किसीको धारण करना, किसीको स्वीकार करना।

जो वेद भगवानका सत्य है, शास्त्र वाणीका सत्य है, संत वाणीका सत्य है, गुरु वाणीका सत्य है, मानव जीवनका सत्य है। उस सत्यको धारण करना। सत्यसे ओर महान दूसरा कोई धर्म नहीं है। गोस्वामी संत तुलसीदासजीने स्पष्ट शब्दोमें कहा है की; "धर्म दूसर न सत्य समाना, आगम-निगम पुराण बसाना''। वेदोमें, पुराणोमें, शास्त्रोमें जगह जगह पर यह बात आई है की सत्यसे बडा दूसरा धर्म कोई नहीं है। इस प्रकारके सत्यको धारण करनेका संदेश वेद भगवान देते है।

सद्गुरु श्री इमामशाह महाराजने जब भारतकी पावन धरती पर अपने कदम रखें, और उन्होने भारतीय वांगमें मूल भगवान वेदका दर्शन किया, वेदका अध्ययन किया। तो वेद प्रतिपादित, वेद प्रतिप्रणालित जो धर्म था, उस धर्मको उन्होने स्वीकार किया। ऐसा नहि है की सद्गुरु श्री इमामशाह महाराजने कीसी नया धर्मका निर्माण कीया हो। नये धर्मकी प्रतिष्ठा की हो। ऐसा नहीं है, बल्के अनादिकालसे वैदिक धर्म चला आ रहा था, उस अनादिकाल से चले आ रहे वैदिक धर्मको सद्गुरु श्री इमामशाह महाराजने स्वीकार कीया। श्री इमामशाह महाराजने जब देखाकी भारतकी पावन धरती पर रहनेवालें करोडो करोडो हिन्दु अपने अपने अनादिकालिन वैदिक धर्मको भूल रहे है और अनादिकालिन वैदिक धर्मको भूलनेके कारण वह दुःख और बडी विपत्तिके शिकार हो रहे है। तो वही इमानदारीसे इस करोडो करोडो आर्यवर्तमें रहनेवाले आर्य हिन्दुओकों वैदिक धर्मका संदेश देनेका उत्तरदायित्व सद्गुरु श्री इमामशाह महाराजने कीया और वैदिक धर्मका संदेश देनेके कारण करोडो करोडो आर्य हिन्दुओने सद्गुरु श्री इमामशाह महाराजको अपना पूज्य माना, अपना प्रणेता माना। अपने प्रणेता इस लिये माना की, उसके उपदेशसे, उनके संदेशसे हम सबका कल्याण हुआ।

हम जो आर्यवर्तके रहनेवाले आर्य हिन्दु है। हमने वैदिक सद्विचारोकी पूजा की है, सत्यकी पूजा की है, वैदिक सत्योकी पूजा की है। ऐसे सद्विचार एवं वैदिक सत्योंको जिसने स्वीकार किया है उसकी हमने पूजा की है। हम कहते है कि एक कीसीभी महान व्यक्तित्वमेंसे सद्विचार, सदाचार और सत्यको निकाल दिया जाय तो महानताके नाम पर वहाँ कुछ भी शेष नहीं रह जाता। महानके नाम पर भी कुछ बच नहीं जाता। अतः हम सदाचारके, सद्विचारके और सत्यके पूजारी रहे है। हमारी जो वैदिक प्रणाली रही है, वैदिक धर्म रहा है, वैदिक धर्मके प्रकाशमें सद्विचार और सत्यको मूल दिया

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n8/mode/1up

realpatidar.com

गया है और ऐसे सत्योको जिसने स्वीकार किया, उसको हमने महान कहा, उसको हमने सन्मानित किया। इसी शृंखलामें सद्गुरु श्री इमामशाह महाराजने जब यही वैदिक सदाचार प्रणालीको, वैदिक सद्विचारकी प्रणालीको और वेद भगवान प्रतिपादित सत्यको स्वीकार किया, तो हमने भी उनको महान कहा।

गत समयकालिन सत्पंथ प्रेरणापीठ द्वारा आयोजित वैदिक भारतीय धर्म संमेलनका आयोजन कीया था। यदी उसको उन्मुख दृष्टिसे देखु तो मैं कह शकता हुं की यह भारतीय वैदिक धर्म संमेलन सागरकी भूमिका, समुद्रकी भूमिका निर्वाह कर रहा था। यह बात अतिशयोक्तिसे रूपमें नहीं है, क्योकि समुद्र ही सभी नदीयोंकी गति है। इसी प्रकार सभी संप्रदायकी गति है एक मात्र वेद। और उस वेद प्रतिपादित यह जो धर्म है वैदिक धर्म - सनातन सत्पंथ।

वैदिक सनातन सत्पंथका जो सत्य कहला संदेश है की अपने जीवनमें उदारताको प्रतिष्ठित करें। उदारताको प्रतिष्ठित करनेकी भूमिका है आत्मीयता अर्थात् अपनापन। यदी अपनापन नहीं होगा तो उदारताकी प्रतिष्ठा नहीं हो शकती है। उदारताकी अभिव्यक्ति नहीं हो शकती है। अतः कीसी न कीसी नाते सब एक है। इसी सत्यको हमे पहले स्वीकार करना होगा। जब करोडो करोडो आर्य हिन्दुओंका वेद भगवान एक है। तो वेद भगवानके नाते, हम सब एक है। इस सत्यको स्वीकार करना होगा। इसमें कोई गैर नहीं है, कोई और नहीं है, कोई पराया नहीं है, कोई दूसरा नहीं है, कोई तीसरा नहीं है। सभी हमारे है, सभी अपने है, सभी हमारे अपने इस लीये है की अपना आराध्य-साध्य वेद भगवान है। जब हम इस एकताको स्वीकार करतें है तो आत्मियताका विकास होता है। सब हमारे अपने लगते है। यह सिध्धांत है। जो हमे अपना लगता है, उसका सुख हमारा सुख है। उसका दुःख हमारा दुःख होता है।

वर्तमान परिक्षेप्तमें जो सबसे बडी समस्या दीखाई दे रही है, वह समाजमे वर्गीकरणका है, समाजमें विखरावका है, समाजमें टुटावका है और यह टुटाव जब आता है तब व्यक्ति स्वयं भीतरसे टुटना शुरु होता है। उसके हृदयका विकास नहीं हो रहा है। आज व्यक्ति उदारतासे दूर हो गया है, उदारताको दो शब्दोमें परिभाषित करे तो उदारताका सीधा अर्थ हमारी समजमे यह आता है की कीसी सुखी प्राणीको देखो या किसी सुखीयाको देखो तो उस सुखी प्राणीको देखकर इर्षा मत करो, बल्के प्रसंन्नता व्यक्त करों। कीसी दुःखी प्राणीको देखो तो उस दुःखी प्राणीको देखकर धृणा मत करो। उसकी दुर्दशाको देखकर उस पर करूणा करो। दुःखी प्राणी करूणाका पात्र है। सुखी प्राणी प्रसंन्नता पात्र है। आज समाजमें जो अपनेको सुखी और श्रीमान मानकरके चल रहा है, वो दुःखीको और गरीबोको धृणा करता है। जो अपने को दुखी और गरीब मानकरके चल रहा है, वह सुखीके सुखकी इर्षा करता है, धृणा करता है। इस लीये समाजमें आया व्यक्तिमें उसका हृदय परिप्रेरित नहीं हुआ है। और वह उदारतासे परिप्रेरित नहीं है। उसका हृदय परिप्रेरित इस लीये नहीं है की उसके जीवनमें आत्मियताकी प्रतिष्ठा नहीं हुई है। वह कई इकाईओमें विभाषित होकर समाजसे दूर करके जी रहा है। लोगोंको अपना शेषको पराया मान रहा है। उसकी यह जो वर्गीकृत मान्यता है, अपने और परायाकी, वह उसके जीवनको अखंड नहीं बनने दे रही है।

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n9/mode/1up

2012-11 -Dashabdi Mahotsav -Sant Sammelan & Nanakdas Maharaj (Kaka) -Smruti Granth (310)

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥

अतः इस वैदिक धर्मके नाते हम सभीका आराध्य भगवान वेद एक है। वेद भगवानके नाते हम सब एक है। अतः आजसे गेरीयत मान्यता, परायापन मान्यता अपने जीवन से निकाल दी जाय।

जब वेद भगवानने हमे ब्रह्म ज्योति और प्रणव जो ब्रह्मका ही साक्षात् स्वरूप है, प्रणव ॐ की उपासनाकी बात कही तो ॐ भी हमारा एक है। तो उपास्यके नाते हम सब एक है। उपास्यके नाते इस एकताको स्वीकार करो तो जीवनमें आत्मियताका विकास होगा। सभी अपने लगेगे। कोई पराया नहीं लगेगा। और जब कोई पराया नहीं लगेगा तब ईर्षाका कई स्थान नहीं रहेगा। धृणाका कोई स्थान जीवनमें नहीं रहेगा और धृणाके स्थान पर करूणा और ईर्षाके स्थान पर प्रसंन्नता आकरके बिराजमान होगी। जो जीवनमें करूणा और प्रसंन्नता भरेगा वह सच्चा वेद भगवानका उपासक होगा। वह सच्चा वेद भगवानकी भक्ति करनेवाला होगा।

यह संदेश जीस परंपरासे मील रहा है, वह परंपरा है सत्पंथ। सत्पंथ प्रेरणापीठकी परंपरा। हम सब कहते है की हमारे ब्रह्मलीन प.पू. जगत्गुरु श्री करसनदासजी महाराज इस परंपरामें अर्थात् सत्पंथ प्रेरणापीठकी परंपरामें एक क्रांतिकारी संत हुए है। और यह क्रांतिकारी शब्दका प्रयोग हम इस लीये करते है की कीसी व्यवस्थाको परिवर्तन करनेका नाम ही क्रांतिकारी है और यह क्रांतिकारी कदम उठानेके लीये कीतना बडा साहस कीया होगा। यह साहस सत्यको स्वीकार करनेकी दिशामें था। वह सत्यको स्वीकार करनेकी जो दिशा है, वह क्रांतिकारी पथ है, वह क्रांतिकारी दिशा है। क्रांतिकारीओंके पथ पर हमारे ब्रह्मलीन प.पू. जगत्गुरु श्री करसनदासजी महाराज चल पडे थे और इनके इस सत्य निष्ठाको, इस वेद निष्ठाको, इस धर्म निष्ठाको देखकर पूरे भारतके संत आज सत्पंथ प्रेरणापीठके साथ है, और प्रेरणापीठ अपनी गौरव अनुभव कर रहे है।

॥ सनातन सत्पंथ ॥

realpatidar.com

Link: http://www.realpatidar.com/library
email: mail@realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n10/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥

सतपंथ का स्वरुप

(१) दृढनिश्चय (२) प्रतिज्ञा (३) नियम

(१) दृढनिश्चय : सत्य, पुरुषार्थ, प्रेम, समानभाव, अहिंसा, परोपकार, क्षमा. यह सभी तत्त्वों का दृढतापूर्वक पालन क रें।

(अ) सत्य : वाणी और आचरण में हरहंमेश सत्य निष्कपट वृत्ति और मृदुभाषी बने।

(आ) पुरुषार्थ : धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष।

धर्म : वेदोक्त मार्ग का यथाशक्ति आचरण करें।

अर्थ : स्वाश्रय और प्रमाणिक ता से धनोपार्जन करें। यह सात्त्विक संपत्ति है। अन्याय, जुल्म और अन्य बुरे कार्य से प्राप्त की हुई संपत्ति का उपभोग करनेवाला व्यक्ति हीन होता है।

इसलिये न्याय और नीति से धन प्राप्त करना चाहिये।

काम : विषय वासना और क्षणिक उपभोगमें प्रवृत्त न रहे। वासनाओं पर संयम रखें। इन्द्रियों को काबूमें रखें।

मोक्ष : वेदोक्त मुक्ति मार्ग की साधनानुसार आचरण करके, मुक्ति का अंतिम ध्येय प्राप्त करने में प्रयत्नशील रहें।

ऐसा व्यवहार करने से ही मानव जन्म की सार्थकता होगी। अन्यथा मानवी और पशुमें कोई अंतर न होगा।

(इ) प्रेम : यह संसार में मानव मात्र समान है। इस लिये हरेक के साथ मन, वचन और कर्म से विनम्र होकर प्रेम-स्नेह से व्यवहार करना चाहिये। प्रेम से करुणा जागृत होती है और करुणा ही दया का पर्यायी भाव है। जो धर्म का मूल तत्त्व भी है।

(उ) समानभाव : मानव मात्र के अंतरमें एक ही आत्मा है। ऐसा आत्मौपज्य भाव रखना चाहिये। हम सब एक ही ईश्वर के संतान है। कोई छोटा नहीं, कोई बडा नहीं। ऐसी विशाल दृष्टि रखकर सबके साथ बंधुत्व भाव से रहना चाहिये।

(ऊ) अहिंसा : सत्पंथ मार्ग में अहिंसा एक महान तत्त्व है। पशु-पक्षी और अन्य प्राणीको मारने से हिंसा होती है। इतना ही नहीं, 'मार' कहने से या किसी की भावनाओं का खंडन करने पर भी हिंसा होती है। और नैतिक अधःपतन होता है।

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n11/mode/1up

realpatidar.com

(ए) परोपकार : सन्मार्ग पर चलनेवाले प्रत्येक व्यक्ति को सहाय करने के लिये हंमेश तत्पर रहना चाहिए। शुद्ध भावना और निष्काम वृत्ति से दुःखीजनो की सेवा करना और मानव कल्याण की भावना रखनी चाहिये। सत्पुरुषो की सेवा करना अपना परम कर्तव्य समझना।

(ऐ) क्षमा : क्षमा वीर भूषणम् : यह उक्ति स्मरण में रखते हुए शत्रु हो या कष्ट पीडा पहुचाने वाले को भी क्षमा करना शुभ लक्षण है।

(२) प्रतिज्ञा :

(अ) सतपंथ में निर्देश की गई सभी प्रतिज्ञा का अक्षरशः पालन करना। सद्गुरु श्री इमामशाहने व्यवहार में कर्तव्यपालन और धर्म कार्य में कैसा आचरण रखना चाहिये, इस संबंध में जो नियम-पालन का निर्देश किया है, उसका अनुसरण करना।

(आ) बालकों को सतपंथ की शिखवण एवं उपदेश से ज्ञात रखकर अपने संतानो को धर्म का शिक्षण देना अति आवश्यक है। जिससे धार्मिक संस्कृति संरक्षित रहेगी।

(इ) धार्मिक बातो में चमत्कार या अंधश्रद्धा को दूर करके ज्ञान दृष्टि का ही अवलंबन करना चाहिये। जिससे अज्ञानता का भय दूर होगा। वेद, उपनिषदो, सत्शास्रो और गुरुवचन पर दृढ श्रद्धा एवं विश्वास रखना परम कर्तव्य है।

(३) नियम :

(अ) शरीरशुद्धि (आ) अंतरशुद्धि (इ) व्रत (ई) उपासना (उ) ध्येय

(अ) **शरीरशुद्धि :** लाइ सुतक याने स्पर्शा-स्पर्श (वृद्धिजनन शौच) स्त्री को प्रसूता होने के बाद सवा मास याने ४० दिन और गोत्र जनोको ११ दिन तक सूतक याने स्पर्शा-स्पर्श का पालन करना चाहिये। रजस्वला स्त्री ४ दिन तक किसी भी चीज का स्पर्श न करें। मृत्यु-सूतक गोत्र जनो को ७ दिन तक रखना चाहिए।

स्नान शौचादि विषयमें शास्त्रा-नुसार आचरण करें। सद्गुरु वचना-नुसार तीर्थ मंत्रोपचारादि से शुद्ध बने।

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n12/mode/1up

realpatidar.com

(आ) **अंतरशुद्धि :** मादक एवं नशीले पदार्थ याने लहसुण, प्याज, हिंग, तम्बाकु, अफीण, भांग, गांजा, ताडी, मांस-मदिरा जैसी निषेधचीजों का सेवन न करें। क्योंकि ऐसे पदार्थो का सेवन करने से शरीर को हानी पहुंचती है। प्रभु भजन करने से परावृत हो सकते है।

सुद, सवाई सुद और परस्त्री गमन-चिंतन से भी मनुष्य में हीनता आती है, आत्मा की शक्ति लुप्त हो जाती है और आसुरी वृत्ति बढती है। यह महापाप से मनुष्य का अधःपतन होता है। इस लिये शास्रो में निषेधमाने गये पदार्थो का त्याग करके सात्त्विक अन्न पदार्थों का सेवन करें। इसके एक स्वरूप आत्मा एवं हृदय की शुद्धि होती है। मन-अंतःकरण प्रभु स्मरण में तल्लीन रहता है और दैवी संपत्ति का आविर्भाव होता है।

(इ) **व्रत :** युगधर्मानुसार प्रत्येक मासकी शुक्ल द्वितिया और शुक्रवार के दिन जो दुज आती है, (जिसको थावर दूज का महाव्रत कहते हैं,) उस दिन व्रत रखें।

दशवंत, सुक्रित, पुण्यतिथि, श्राद्ध, उत्तरकार्य, पिंडश्राद्ध आदि सतपंथ की पूजाविधि अनुसार करें।

महाशिवरात्रि, रामनवमी, गोकुलाष्टमी, गुरुपूर्णिमा, दुर्गापूजा (नवरात्री), गणेशचतुर्थी, दिपावली, एकादशी, चौदश, अमावास्या आदि तिथि-त्योहारों का व्रत रखे।

(ई) **उपासना :** प्रतिदिन चतुष्ट संध्या अवश्य करें।
(१) प्रातः सूर्योदयसे पहले, (२) मध्याह्न बारह बजे,
(३) सूर्यास्त समय, (४) मध्यरात्री.

ॐ प्रणव मंत्र का ध्यान-चिंतन करना और सतूपंथ के वचनानुसार वरूणदेव, वारियज्ञ घटपाट पूजा करें।

(उ) **ध्येय :** कलियुग के अंत में प्रगट होनेवाले दशमा अवतार आद्य विष्णु श्री निष्कलंकी नारायण और आद्यशक्ति माता और प्रणवमंत्र "ॐ" आराध्य देव मानना।

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n13/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥

श्री मत्स्यावतार

भूतलातल मध्यस्थो शंखासुरं निहत्यच ।
उद्धता येन वै वेदाः तस्मैमत्स्यात्मने नमः ॥१॥

श्री कुर्मावतार

ससागरवनान् बिभ्रत् सप्तद्वीपां वसुंधराम् ।
योधारयति पृष्टेन तस्मै कुर्मात्मने नमः ॥२॥

श्री वाराहावतार

महार्णवे निमग्रांगां वाराहंरूपमास्थितः ।
यउज्जहार दंष्ट्राभ्याम् तस्मै कोलात्मने नमः ॥३॥

श्री नरसिंहावतार

नारसिंहः वयुः कृत्वा य स्त्रैलोक्य भयंकरम् ।
हिण्यकशिपुं जघ्ने तस्मै दिव्यात्मने नमः ॥४॥

श्री वामानावतार

वामनं रूपमास्थाय बलिं संयम्य मायया
येन क्रान्ता स्त्रयोलोकः तस्मैखर्वात्मने नमः ॥५॥

श्री परशुरामवतार

जमगग्नि सुतो भूत्वा रामः परशुधुग्विभुः ।
सहस्त्रार्जुनं हन्तायः तस्मैउग्रात्मने नमः ॥६॥

श्री रामावतार

रामो दशरथिर्भूत्वा पौलस्त्यकुल लांछनम् ।
जद्यान रावणं संख्य तस्मै क्षत्रात्मने नमः ॥७॥

श्री कृष्णावतार

वसुदेव सुतः श्रीमान वासुदेवो जगत्यतिः ।
जहार वसुधा भारं तस्मे कृष्णात्मने नमः ॥८॥

श्री बुद्धावतार

बुद्धरुपं समासाद्य सर्वरूप परायणः ।
मोहयन् सर्व भूतानि तस्मै मोहात्मने नमः ॥९॥

श्री निष्कलंकी अवतार

हनिष्यति कलोर्मध्ये म्लेच्छान्स्तुरगवहिनः ।
धर्म संस्थापनार्थाय तस्मै कल्क्यात्मने नमः ॥१०॥

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n14/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥












यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत।
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदाऽऽत्मानं सृजाम्यहम॥



हनिर्ष्यंति कले रंते म्लेच्छो तुरंग वाहन :।
धर्म संस्यापनार्थाय तस्मै कलकयात्मने नम :॥

પંચરત્ન ગીતા -૧૦

ભાવાર્થ : ધર્મ થયેલી હાની પછી ધર્મની પુનઃ સ્થાપના માટે કલીયુગને અંતે અશ્વા રૂઢ થઈને જે અવતાર ધારણ કરશે તે કલ્કી ભગવાનને હું નમસ્કાર કરૂં છું.

સતપંથ પ્રકાશન સમિતિ : પ્રેરણાપીઠ પીરાણા, જી. અમદાવાદ.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n15/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



त्रयः सुपर्णास्त्रिवृता यदायन्ने काक्षरमभि-संभूय शक्ताः।
प्रत्यौहन्मृत्युममृतेन साकमन्तर्दधाना दुरितानि विश्वा॥
(२८/८, अथर्व.)

जब समर्थ तीन सुवर्ण तिहरे होकर एक अक्षर में सब प्रकार मिलकर रह रहे हैं। वे अमृत के साथ सब अनिष्टों को मिटाकर मृत्यु को दूर करते है।

तीन बडी शक्तियों है जो एक अक्षर (ॐ) में रहती हैं। उस अमृत से सब अनिष्ट दूर होते हैं और मृत्यु का भी भय नहीं रहता है। एकअक्षर 'ओ' में अ - उ - म् - रुपी तीन महा शक्तियाँ निहित है। ये अकार, उकार व मकार रुपी तीन शक्तियाँ हैं जो तीन अक्षर यज्ञोपवीत के तीन सूत्र समझने चाहिये। इन तीनों के संयोग से ओंकार रुपी महानाद उत्पन्न होता है। ये तीन अक्षर तीन अवस्थाओं जाग्रत स्वप्न व सुषुप्ति के प्रतिक है जो मानव जीवन में व्याप्त है। ओंमकार नाद से आनन्द की अनुभूति करनी चाहिए और मन की एकाग्रता बढानी चाहिए। स्थिर बुद्धि से किये गये पुरुषार्थ अनिष्ट से बचातें हैं और मृत्यु भय नहीं होने देते हैं।

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n16/mode/1up

realpatidar.com

ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ



પ.પૂ. જગદ્‌ગુરુ સત્‌પંથાચાર્ય શ્રી નાનકદાસજી મહારાજ

પ્રેરણાપીઠ – પીરાણા, અમદાવાદ.

૬૦૦ વર્ષથી ચાલી આવતી સત્‌પંથની પરંપરાના ૨૨મા ગાદીપતિ તરીકે અને જેમના સંકલ્પ અને અથાગ પ્રયત્નોથી પ્રેરણાપીઠ - પીરાણાને આજે વિશ્વભરમાં પ્રસિધ્ધ કરનારા સદ્‌ગુરુની કૃપા, ભક્તિ, શક્તિ અને આશીર્વાદ જેમના પર હતા એવા આદ્ય જગદ્‌ગુરુ શ્રી કરસનદાસજી મહારાજના અંતેવાશી અને અનુગામી સતત તેમની સાથે રહી જીવનનો સાચો મર્મ પામનાર પ્રેરણાપીઠના ૨૩મા ગાદીપતિ જગદ્‌ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજના જીવનનો સંક્ષિપ્ત પરિચય લખવાનો પ્રયાસ નમ્રભાવે કરેલ છે.

અવિરત પોતાના ગુરુની સેવામાં રત રહી અને જેમના આદર્શોને જીવનમાં ઉતારી ગુરુના સંકલ્પોને પૂર્ણ કરતા કરતા એક દાયકો પૂરો થવા આવ્યો છે. તો આવો આપણે સૌ આ ધર્મયોગી, નિર્મળ, પવિત્ર અને પ્રેમવાત્સલ્યના સાગર સમા પૂ. મહારાજશ્રીના જીવન વ્યક્તિત્વનું આચમન કરીએ.

કચ્છની ધીંગી ધરાના અંજાર તાલુકાના ખેડોઈ ગામે વિક્રમ સંવત ૧૯૯૨ના મહા સુદ - ૫ ને બુધવાર, સને ૧૯૩૫-૩૬ના રોજ સવારના ૬-૦૦ કલાકે શ્રી હીરજીભાઈ સીવજીભાઈ ભોજાણીને ત્યાં માતા ભાણીબેનના કૂખે પુત્રરત્નનો જન્મ થયો. પુત્રના જન્મથી જ પરિવારમાં આનંદ છવાયો અને આજકાલ કરતાં પુત્ર મોટો થયો. તે પુત્રનું નામ રાખવામાં આવ્યું નાનજી. ઈ.સ. ૧૯૩૯-૪૦ના વિક્રમ સંવત ૧૯૯૬મા બાળક નાનજીને પાંચ વર્ષની ઉંમરે શાળામાં અભ્યાસ કરવા મોકલ્યા.

શાળાના શિક્ષક શ્રી શંભુલાલ વાણીયા પાસે ધો. ૧ થી ૩નો અભ્યાસ કર્યો. ભણવામાં નાનજી ખૂબ હોંશિયાર હતા હંમેશા પ્રથમ ક્રમે પાસ થતા.

પિતાજીની સામાન્ય પરિસ્થિતિ અને કુટુંબનું ગુજરાન ચલાવવા માત્ર પાંચ એકર જમીન

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n17/mode/1up

realpatidar.com

હોવાથી સંવત ૨૦૦૪ સને ૧૯૪૭-૪૮માં સાબરકાંઠા જિલ્લામાં પિતાશ્રી હીરજીબાપાના બે પુત્ર તેમાં મોટાભાઈ અરજણભાઈ અને નાનાપુત્ર નાનજીભાઈ. ખેડબ્રહ્મા તાલુકાના ગાડુકંપા ગામે જે જમીન વેચાણ રાખી તેને સંભાળવા માટે મોટાભાઈ અરજણભાઈ ગુજરાત ગયા અને કચ્છ ખેડોઈની જમીનની જવાબદારી નાનજીભાઈએ સંભાળી. સમયને જતાં વાર નથી લાગતી હવે નાનજીભાઈ ઉંમરલાયક થયા અને સાબરકાંઠાના બાયડ તાલુકાના લક્ષ્મીપુરાકંપામાં વસવાટ કરનાર મુખીશ્રી પ્રેમજીભાઈ સોમજીભાઈની સુપુત્રી જશોદાબેન સાથે પ્રભુતામાં પગલાં માંડી ગૃહસ્થાશ્રમમાં પ્રવેશ કર્યો. સમય જતાં સાંસારીક જીવનમાં સંસ્કારી પુત્ર ગંગારામભાઈ તથા ત્રણ પુત્રીઓનો જન્મ થયો.

સંવત ૨૦૧૩ ઈ.સ. ૧૯૫૬-૫૭માં નાનજીભાઈ પરિવાર સાથે કચ્છની જન્મભૂમિ છોડી અને ગુજરાત સાબરકાંઠાના ખેડબ્રહ્મા નગરમાં આવેલા પવિત્ર યાત્રાધામ અંબાજીમાતાના મંદિરથી ૪ કી.મી. દૂર આવેલ ગાડુકંપાને પોતાની કર્મભૂમિ બનાવી.

આ પવિત્ર ભૂમિના પ્રતાપ તથા પરિવારના સંસ્કારની ઉંડી છાપ નાનજીભાઈ પર પડી સત્પંથ ધર્મના ક્રિયાકાંડમાં મહત્ત્વનું સ્થાન ધરાવતા વારિયજ્ઞના મંત્રો કંઠસ્થ કરી પિતાના આશીર્વાદથી મુખી મહારાજ બન્યા. નાનપણમાં રહેલા ઉચ્ચ વિચાર આચાર અને સંસ્કારો તથા ભક્તિની લગની અને શાસ્ત્રોનું વાંચન, અધ્યયન અને ચિંતનથી ભક્તિમાં આગળ વધ્યા અને પછી તો ભક્તિના રંગમાં એવા રંગાયા કે જ્યાં પૂજા કે સત્સંગ ભજન હોય ત્યાં અચૂક હાજર જ હોય.

સમયાંતરે એક પછી એક કૌટુંબિક અને વ્યવહારીક જવાબદારીઓ નિભાવતા રહ્યા છતાં અંતરથી ભક્તિરસનો આનંદ માણતા રહ્યા. પુત્ર ગંગારામભાઈ તથા ત્રણેય દીકરીઓના લગ્ન પ્રસંગો પૂરા કરી પરિવારની જવાબદારી પુત્ર ગંગારામભાઈને સોંપી પોતે નિવૃત્ત થયા.

સામાજિક વ્યવહારિક બાબતોમાંથી નિવૃત્તિ થયા ત્યારથી જ એક સંકલ્પ કર્યો કે દરરોજ સવારે વહેલા ઊઠી સ્નાનાદિક કાર્ય પૂરા કરી ઘરમાં જ ધર્મપત્ની જશોદાબેન પ્રસાદ બનાવે તે પ્રસાદ ભગવાનને ધરાવી મહાપૂજા પૂર્ણ કરી ભગવાનનું ચરણામૃત પ્રસાદ લઈને જ પછી ચા-પાણી કરવાં જે સંકલ્પ સાંસારીક જીવન પૂર્ણ થયા બાદ આજદિન સુધી ચાલુ છે.

શ્રી નાનજીભાઈની ભક્તિ આરાધના નિરંતર ચાલુ હતી જ તે દરમ્યાન માતાજી ભાણીમા ૯૮ વર્ષની વયે દેવલોક પામ્યા. ત્યાર પછી એક વર્ષ બાદ તેમના ધર્મપત્ની પણ દેવલોક પામ્યા. આ ઘટનાથી તેમના મનમાં વૈરાગ્ય પેદા થયો. એમના આત્માને એવું થયું કે જશોદા ગયાં અને એક દિવસ મારે પણ જવું પડશે હવે હું માયાથી મુક્ત થઈ જાઉં તો આત્માનું કલ્યાણ થાય. જેમ નરસિંહ મહેતાએ ગાયું છે કે "ભલું થયું ભાંગી જંજાળ - સુખેથી ભજીસુ શ્રીગોપાળ" પ્રભુએ માયા લઈ લીધી તેથી ભક્તિનો માર્ગ મોકળો થઈ ગયો. તેમના આત્માને ભક્તિમાં વધારે રસ લાગ્યો.

પિતાજીની સેવામાં જીવન ગાળતાં ગાળતાં શાસ્ત્રોનો અભ્યાસ ચાલુ રહ્યો. ઈ.સ. ૧૯૮૭માં પિતાજીની સેવા કરતાં કરતાં પિતાજી ૧૦૦ વર્ષની ઉંમરે સ્વર્ગવાસ થયા. પિતાજીનું ધામધૂમથી ક્રિયાકર્મ કર્યું અને પિતાજી હિરજીબાપાના નામથી ખેડબ્રહ્મા કન્યા છાત્રાલયમાં બાલિકાઓને બ્રહ્મભોજનની તિથીના રૂા. ૧૧,૧૧૧/- આપ્યા પિતાજીના નામ નિમિત્તે ચાલીસો વ્રત પૂર્ણ કરી ઈ.સ. ૧૯૮૮મા પ્રેરણાપીઠ પીરાણાના આચાર્ય ગાદીપતિ પ.પૂ. આચાર્યશ્રી કરસનદાસજી મહારાજની સાથે સંસ્થાની સેવામાં જોડાયા.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n18/mode/1up

realpatidar.com

પ્રેરણાપીઠમાં સેવામાં જોડાયા અહીં આચાર્યશ્રીની સેવાનો ખૂબ લાભ મળ્યો. આચાર્યશ્રી કરસનદાસજી મહારાજે તેમને કારભારી તરીકે નિયુક્ત કર્યા. આ સેવાકાળ દરમ્યાન તેમણે અતિથિ માટે આવાસ તથા ભોજનની વ્યવસ્થા ઉપરાંત તમામ પ્રકારની વ્યવસ્થા સંભાળી અને સતત આઠ વર્ષ સુધી એક સાચા સેવક તરીકે સેવા બજાવી ઈ.સ. ૧૯૯૫માં સંઘમેળા (અમૃત મહોત્સવ) ચૈત્ર સુદ-૧ના સવારે શુભ ચોઘડીયે બેડી પહેરીને પહેલાં જ પગલે બેડી ઉઘડી જવાથી આચાર્યશ્રી કરસનદાસજી મહારાજે મુખશ્રી નાનજીભાઈને ભગવું ધારણ કરાવી આશીર્વાદ આપી પટ્ટશિષ્ય બનાવ્યા અને પ.પૂ. મહંતશ્રી નાનકદાસજી મહારાજ નામ ધારણ કર્યું.

પ.પૂ. આચાર્યશ્રીના આશીર્વાદ લઈ ગામડે ગામડે ભક્તિફેરીની શરૂઆત કરી સાધુ તરીકેનું ભગવું ધારણ કર્યા બાદ અમેરિકા નિવાસી પ.પૂ. પ્રેમદાસબાપુ સાથે સંસ્કાર - સંસ્કૃતિ અને વ્યસનમુક્તિ અભિયાન આચાર્યશ્રી કરસનદાસજી મહારાજના આદેશથી કર્યું.

સમગ્ર ગુજરાતમાં ફર્યા બાદ કચ્છમાં ૪૨ દિવસમાં ૪૨ ગામમાં અભિયાન ચલાવ્યું. દરેક ગામમાં ૨૪ કલાકનો કાર્યક્રમ ગોઠવવામાં આવ્યો. કચ્છના પ્રવાસ બાદ દક્ષિણ ભારતમાં મુંબઈ, નાસિક, કોલ્હાપુર, હુબલી, કન્યાકુમારી, રામેશ્વર સુધી સમગ્ર દક્ષિણ ભારતમાં બત્રીસ દિવસ સત્સંગ ભક્તિ ફેરી કરી સંસ્કાર સંસ્કૃતિ અને વ્યસનમુક્તિનું અભિયાન ચલાવી હજારોની સંખ્યામાં નવયુવાનો તથા વડીલોને વ્યસન મુક્ત કર્યા અને તેમનું જીવન ધન્ય બનાવ્યું.

પ્રેરણાપીઠ પીરાણામાં લગ્નવિધિમાં વરકન્યાને ધર્મ, અર્થ, કામ અને મોક્ષની સમજ આપીને તેમની સપ્તપદીની પ્રતિજ્ઞાઓની સમજ આપતા અને દાંપત્ય જીવન કેવી રીતે જીવવું, પરિવાર સાથે કેવી રીતે રહેવું તેની સમજ આપી આશીર્વાદ આપતા. ભગવાન શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણના મંદિરોની પ્રાણ પ્રતિષ્ઠામાં વિષ્ણુયાગ યજ્ઞના કાર્યો પણ તેમને સફળ બનાવ્યાં.

તા. ૧૯-૧૦-૨૦૦૨ના સંવત ૨૦૫૮ના આસો સુદ-૧૩ને શનિવારના વહેલી સવારે પ.પૂ. જગદ્‌ગુરુ શ્રી કરસનદાસજી મહારાજ બ્રહ્મલીન થયાં તેમનો શ્રધ્ધાંજલિ કાર્યક્રમ તા. ૧-૧૧-૨૦૦૨ના દિવસે રાખેલ જેમાં ભારતભરના સાધુ સંતો, જગદ્‌ગુરુશ્રીઓ તથા ગુજરાતભરમાંથી સાધુ સંતોની હાજરીમાં તેમજ સત્‌પંથી ભક્તજનો હજારોની સંખ્યામાં ઉપસ્થિત રહીને ભાવભીની હૃદયપૂર્વક શ્રધ્ધાંજલિ અર્પિત કરી હતી.

સંસ્થાના ૨૨મા ગાદીપતિ પ.પૂ. જગદ્‌ગુરુ શ્રી કરસનદાસજી મહારાજના બ્રહ્મલીન થવાથી સંસ્થાના ૨૩મા ગાદીપતિ તરીકે આચાર્યશ્રી નાનકદાસજી ગુરુ કરસનદાસજી મહારાજને સર્વે સત્‌પંથીજનોએ સંયુક્ત મિટીંગમાં સહુની લાગણી અને માગણીથી આશીર્વાદસહ તા. ૧૭-૧૧-૨૦૦૨ના સવારના ૯-૧૫ કલાકે ૫૫૦ વર્ષ પહેલાં સદ્‌ગુરુ શ્રી ઈમામશાહ મહારાજે પ્રથમ ગાદીપતિ શ્રી શાણાકાકા મહારાજને પહેરાવેલ તે જ પાઘડી તથા હાર સાથે પ.પૂ. નાનકદાસજી મહારાજને પહેરાવી ચંદન-તિલક કરી ચાદર ઓઢાડી ગાદીપતિ તરીકેના જગદ્‌ગુરુના સિંહાસન ઉપર બિરાજમાન કરેલ અને જગદ્‌ગુરુનું પદ પ્રાપ્ત કરેલ.

ઉપરોક્ત પ્રસંગે અખિલ ભારતીય કચ્છ કડવા પાટીદાર સમાજના પ્રમુખશ્રી વિરજીબાપા, પ.પૂ. યોગ તપોનિષ્ઠશ્રી પ્રેમદાસબાપુ, ટ્રસ્ટીશ્રી ભીમજીભાઈ કે. પટેલ, શ્રી શામજીદાદા, શ્રી જીવરાજ મુખી તેમજ સમાજના અગ્રગણ્ય આગેવાનો, ટ્રસ્ટીઓ તથા કાર્યકરો વગેરેએ ફૂલહારથી સ્વાગત કર્યા.

realpatidar.com

realpatidar.com

ત્યારબાદ જગદ્‌ગુરુ સત્પંથાચાર્ય તરીકે પ્રતિષ્ઠિત થયેલ પ.પૂ. જગદ્‌ગુરુશ્રી નાનકદાસજી મહારાજે હજારોની સંખ્યામાં ઉપસ્થિત હરિભક્તો, વડીલો, માતાઓ, બહેનોને શુભ આશીર્વાદ પાઠવ્યા હતા અને પ.પૂ. જગદ્‌ગુરુ શ્રી કરસનદાસજી મહારાજનાં અધૂરાં કાર્યો પૂરાં કરવાનું વચન આપ્યું હતું. ઈ.સ. ૨૦૦૨માં પ.પૂ. સત્પંથાચાર્યશ્રી નાનકદાસજી મહારાજે સત્પંથ પ્રકાશન સમિતિના શ્રી છગનભાઈ એસ. પટેલ -વડોદરાવાળાને વિષ્ણુયાગના કાર્યની જવાબદારી માટે આશીર્વાદસહ નિમણૂંક કરી હતી.

એપ્રિલ - ૨૦૦૪ના ભારતીય સંસ્કૃતિની શ્રધ્ધા અને આસ્થાની ચરમસીમા સમાન મધ્યપ્રદેશના ઉજ્જૈન પ્રાંતમાં યોજાયેલ સિંહસ્થ કુંભમેળા પર્વમાં તા. ૨-૫-૨૦૦૪ના પ.પૂ. જગદ્‌ગુરુશ્રી નાનકદાસજી મહારાજના અખિલ ભારતીય સંત સમિતિ દ્વારા તિલક ચાદર વિધિથી સન્માન કરવામાં આવ્યું હતું. આ પ્રસંગે ભારતભરમાંથી મોટી સંખ્યામાં સંતો-મહંતો, મંડલેશ્વરશ્રીઓ, મહામંડલેશ્વરશ્રીઓ, જગદ્‌ગુરુશ્રીઓ, જગદ્‌ગુરુ શંકરાચાર્યશ્રીઓ, જગદ્‌ગુરુ રામાનંદાચાર્યશ્રીઓ, જગદ્‌ગુરુ રામાનુજાચાર્યશ્રીઓ ઉપસ્થિત રહી શુભેચ્છા અને આશીર્વાદ પાઠવી પ.પૂ. જગદ્‌ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજને અખિલ ભારતીય સંત સમિતિના પશ્ચિમાચલ વિભાગના સંરક્ષક જાહેર કર્યા હતા.

પ.પૂ. જગદ્‌ગુરુશ્રી નાનકદાસજી મહારાજના આ સેવાકાળ દરમ્યાન અનેક નાના-મોટા સામાજિક, ધાર્મિક, આધ્યાત્મિક તથા લોકહીતના કાર્યો થયા છે. જેમકે અત્યાર સુધીમાં પચાસ જેટલા મહાપ્રભુજી શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણના મંદિરોની પ્રાણ પ્રતિષ્ઠા તેમના હસ્તે કરવામાં આવી છે. અનેક અન્ય મંદિરોની પ્રાણ પ્રતિષ્ઠા, સામાજિક તથા શૈક્ષણિક સંકુલોના શિલાન્યાસ તથા ઉદ્‌ઘાટન વ્યક્તિ વિકાસની શિબિરો, ભાગવદ્‌કથાઓ તથા અખિલ ભારતીય સંત સમિતિ દ્વારા આયોજિત નાનામોટા અનેક પ્રસંગોમાં પૂ. મહારાજશ્રી ઉપસ્થિત રહ્યા છે. વિશ્વ હિન્દુ પરિષદ અને આર.એસ.એસ. જેવાં રાષ્ટ્રીય સંગઠનોની શિબિર અને સેમિનાર વગેરેમાં તેમની ઉપસ્થિતિ રહી છે.

પ.પૂ. જગદ્‌ગુરુ શ્રી કરસનદાસજી મહારાજના અધૂરાં કાર્યો અને સંકલ્પોને પૂર્ણ કરવા સદાય તત્પર એવા પ.પૂ. જગદ્‌ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજ દ્વારા કચ્છ નખત્રાણા ખાતે નિષ્કલંકીધામ બનાવ્યું. પ્રેરણાપીઠ - પીરાણા ખાતે પ્રાથમિક આરોગ્ય કેન્દ્રની શરૂઆત કરી જ્યાં માત્ર ટોકન ચાર્જ લઈને દર્દીને અદ્યતન સેવા પૂરી પાંડવામાં આવી રહી છે. શિક્ષણમાં પૂ. મહારાજશ્રીના માર્ગદર્શન હેઠળ સંસ્કારનું સિંચન કરતું ગુરુકુળ દિનપ્રતિદિન વિકાસ પામી રહ્યું છે. જેમાં ૧૨૦૦ ઉપરાંત વિદ્યાર્થીઓ અભ્યાસ કરે છે. પૂ. મહારાજશ્રીની દેખરેખ હેઠળ એક ગૌશાળા પણ ચાલે છે. જ્યાં ૧૫૦ ઉપરાંત ગાયો સંવર્ધન કરવામાં આવે છે.

સદૈવ સેવાકાર્યમાં રત એવા પ.પૂ. જગદ્‌ગુરુશ્રી નાનકદાસજી મહારાજનું જીવન અન્યને સંદેશ આપનારું છે. જીવનમાં કોઈપણ પ્રકારની અપેક્ષા કે સ્વાર્થ વગર લોકોપયોગી કાર્યોમાં તત્પર ધૂપસળીની જેમ અન્ય જીવોના ઉધ્ધારની સુવાસ ફેલાવી રહ્યા છે. તા. ૧૭-૧૮-૧૯ નવેમ્બર, ૨૦૧૨ના પૂ. મહારાજશ્રીનો દશાબ્દિ મહોત્સવ ઉજવાઈ રહ્યો છે ત્યારે આવો આપણે સૌ નતમસ્તકે તેમના ચરણોમાં વંદન કરીએ તેમના દિર્ઘાયુ માટે પ્રાર્થના કરીએ. તેમની છત્રછાયા તેમના આશીર્વાદ સમગ્ર સત્પંથ સંપ્રદાય જ નહીં પરંતુ સમસ્ત માનવ સમુદાયને પ્રેરણા આપતા રહે એજ આરાધના.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n20/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

श्री महंत ज्ञानदेवसिंहजी महाराज,
राष्ट्रीय मुख्य निर्देशक :
अ.भा. संत समिति
पंचायती अखाडा निर्मला (रजि.)
सतीघाट रोड, कनखल - २४९४०८
जिला - हरिद्वार (उत्तराखण्ड)

श्री जगद्गुरु प्रेरणापीठाधीश्वर परम पूज्य आचार्य श्री नानकदासजी महाराज वर्तमानमें वैदिक धर्म का सम्पूर्ण विश्व में प्रचार कर रहे है। वैदिक धर्म के प्रचार हेतु अखिल भारतीय संत समिति का राष्ट्रीय महा अधिवेशन आयोजित कर रहे है तथा सनातन धर्म का सतत कार्य कर रहें है। इस वर्ष १७-१८-१९ नवम्बर - २०१२ को महाराजजी का दशाब्दि महोत्सव प्रेरणापीठ (पीराणा) बडे भव्यता के साथ मनाया जा रहा है। और साथ ही एक स्मृति ग्रन्थ का प्रकाशन भी किया जा रहा है।

अखिल भारतीय संत समिति का मुख्य निर्देशक होने के नाते में इनके कार्यो की प्रशंसा करते हुए कार्य निर्विघ्न पूर्ण हो तथा महाराजजी को हार्दिक शुभ कामनाऐ देता हूँ।

realpatidar.com

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

पू. श्रीमद् जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी श्री हंसदेवाचार्यजी महाराज

निर्देशक : अखिल भारतीय संत समिति
स्वामी जगन्नाथ धाम ट्रस्ट
भीमगोडा, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)

श्रीमद् जगद्गुरु सतुपंथाचार्य प्रेरणापीठाधिश्वर श्री नानकदासजी महाराज के प्रेरणापीठ पीराणा गुरुगादी पर दस वर्ष पूर्ण होने पर दशाब्दि महोत्सव एवं अ.भा.संत समिति के २३वें राष्ट्रीय महा अधिवेशन के साथ आद्य जगद्गुरु सतुपंथाचार्य श्री करसनदासजी महाराज - प्रेरणापीठाधिश्वर की दशम पुण्यतिथि ज्योति पर्व एवं १०८ कुण्डीय श्री निष्कलंकी नारायण महायज्ञ सहित चतुर्विध महोत्सव के अवसर पर दशाब्दि स्मृति ग्रन्थ प्रकाशित होने जा रहा है।

श्री निष्कलंकी नारायण भगवान एवं सद्गुरु श्री इमामशाहजी महाराज की कृपा से यह सम्प्रदाय पुरे विश्व में सेवा के क्षेत्र में, शिक्षा के क्षेत्र में, गौ-सेवा में, आरोग्य केन्द्र निःशुल्क औषधालय, अन्नक्षेत्र, दीन दीन सेवा, साधु सेवा के क्षेत्र में निरन्तर मानव जाति के उत्थान में लगा हुआ है।

यह सम्प्रदाय वैदिक सनातन सतुपंथ सम्प्रदाय है। हिन्दू धर्म के लिए यह सम्प्रदाय दिन-रात कार्य कर रहा है। इस सम्प्रदाय के अनुयायी किसी प्रकार का नशा, व्यसन नहीं करते । इस सम्प्रदाय में दहेज प्रथा भी नहीं है। सामाजिक कुरितियों को दुर करने के सांथ साथ धर्म का प्रचार, आध्यात्मिक जागरण के द्वारा पुरे विश्व में कार्य कर रहा हैं।

अ. भा. सन्त समिति के साथ यहां के आचार्य श्री पिछले बीस वर्षोसे राष्ट्ररक्षा, गौरक्षा, धर्मरक्षा, गंगारक्षा का कार्य कर रहे है। समय समय पर हिन्दु धर्म के उत्थान के लिए अनेक वैदिक सनातन सतुपंथ धर्म सम्मेलन, जैसे मुंबई, सुरत, कोलकाता, पीराणा, फैजपुर - महाराष्ट्र नखत्राणा, एवं हरिद्वार, उज्जैन, नासिक , प्रयागराज, जैसे पावन तीर्थ पर महान सन्त सम्मलेन किए है। जिससे हिन्दु धर्म का महान कार्य हुआ है।

दि. १७-१८-१९ नबम्बर २०१२ को होनेवाले चतुर्विध महोत्सव प्रेरणापीठ पीराणा के लिए भगवान से प्रार्थना करते है। यह आयोजन सफल हो।

श्रीमद् जगद्गुरु सतुपंथाचार्य श्री नानकदासजी महाराज - प्रेरणापीठाधीश्वर २३वें गादीपति को कार्य कर रहे है। दिर्घायु स्वास्थ्य हो कर राष्ट्र, धर्म एवं हिन्दू धर्म के विकास के लिए कार्य करते रहे। ईन्ही शुभकामनाओ के साथ दशाब्दि स्मृति ग्रन्थ के प्रकाशन पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते है।

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n22/mode/1up

realpatidar.com

॥ ॐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥





પ.પૂ. કૈવલજ્ઞાનપીઠાધિશ્વર આચાર્ય શ્રી અવિચલદાસજી મહારાજ

રાષ્ટ્રીય અધ્યક્ષશ્રી : અ.ભા.સંત સમિતિ
ગુરુગાદી સારસાપુરી.
તા. જિ. આણંદ. (ગુજરાત)

असतो मा सद् गमय । तमसो मा ज्योतिर्गमय ।

સત્પંથ પ્રેરણાપીઠ પીરાણાના આંગણે અખિલ ભારતીય સનાતન સત્પંથ સમાજ સેવા મંડળ દ્વારા असतो मा सद् गमय મહોત્સવ અંતર્ગત અખિલ ભારતીય સંત સમિતિનું ૨૩મું રાષ્ટ્રીય મહા અધિવેશન તથા પ્રેરણાપીઠ દ્વારા ચતુર્વિધ મહોત્સવનું આયોજન ૧૭-૧૮-૧૯ નવેમ્બર - ૨૦૧૨ સં. ૨૦૬૯ કારતક સુદ ચોથ, પાંચમ, છઠ એમ ત્રણ દિવસનું થયું.

અખિલ ભારતીય સંત સમિતિ જે ગૌરક્ષા, રાષ્ટ્રક્ષા, ધર્મરક્ષા હેતુને વરેલી છે. સાથે સાથે હિન્દુ સમાજની એકતા તથા સંસ્કાર અને સંસ્કૃતિની રક્ષા કાજે ભારત વર્ષના તમામ સમ્પ્રદાયના સંત મહાપુરુષો એક મંચ ઉપર આવે અને માનવ સમાજના ઉત્થાન માટે તથા જીવ માત્રના કલ્યાણ માટે સમાજને ક્રિયાત્મક માર્ગદર્શન આપે તેવા પુરુષાર્થ અખિલ ભારતીય સંત સમિતિ કરે છે.

સમગ્ર વિશ્વના કલ્યાણ અર્થે ચિંતા અને ચિંતન કરનાર ભારતના પૂ. સંતોના વિશાળ અને સક્રિય સંગઠન "અખિલ ભારતીય સંત સમિતિ"ના રાષ્ટ્રીય અધ્યક્ષનું ગૌરવવંતુ પદ શોભાવવાનું મને જે સૌભાગ્ય મળ્યું છે; તેના માટે સંત સમિતિનું ૨૩મું રાષ્ટ્રીય મહા અધિવેશન મારા માતૃક રાજ્ય ગુજરાતમાં સત્પંથ પ્રેરણાપીઠના યજમાન પદે થઈ રહ્યું છે તે માટે અખિલ ભારતીય સંત સમિતિના રાષ્ટ્રીય અધ્યક્ષ તરીકે વ્યક્તિગત હું આ સંસ્થાનો હાર્દિક આભાર માનું છું. સાથે સાધુવાદ આપું છું.

સત્પંથના પરિચયમાં હું છેલ્લા ૨૦ વર્ષથી છું. મારી (સાબરકાંઠા) જન્મભૂમિની આજુબાજુના કંપાઓમાં સત્પંથમાં માનનાર ઘણા કચ્છી પટેલ પરિવાર રહે છે. એટલે કોઈ "સત્પંથ" છે ! તેવી જાણકારી મને બાળપણથી હતી. પરંતુ તે વખતે આડી, અવળી ભ્રામક વાતોથી સત્પંથ વિશે હું ભ્રમણાગ્રસ્ત હતો. પરંતુ ગુરુગાદી સારસાપુરીમાં જ્ઞાન સમ્પ્રદાયના મુખ્ય દેવાલયની ૧૯૯૩માં શતાબ્દી પ્રાણપ્રતિષ્ઠા મહોત્સવની ઉજવણી થઈ. જ્ઞાન સમ્પ્રદાયના મોટા મોટા મહોત્સવમાં હિન્દુ સમાજના મહાપુરુષોને અમે આમંત્રણ આપીએ છીએ. વિશ્વ હિન્દુ પરિષદના માધ્યમથી હિન્દુ સમાજની એકતા માટે જ્યારથી મેદાનમાં આવવાનું થયું ત્યારથી આ બાબતમાં હું સક્રિય રહ્યો છું. જ્ઞાન સમ્પ્રદાય ગુરુગાદીના આ શતાબ્દી પ્રાણપ્રતિષ્ઠા મહોત્સવમાં સત્પંથ

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n23/mode/1up

realpatidar.com

પીરાણાના તત્કાલીન ગાદીપતિ પૂ. કરશનદાસજી મહારાજ અમારા આમંત્રણથી પધાર્યા. પછી હું આ સંસ્થાના ગાઢ પરિચયમાં આવ્યો. મેં તેમનાં સાહિત્યનો, તેમની ઉપાસના પદ્ધતિનો, તેમના કર્મકાંડનો, બારીકાઈથી અભ્યાસ કર્યો. મારી અગાઉની ગેરસમજ દૂર થઈ અને મેં નિર્ણય કર્યો કે; આ સત્પંથ હિન્દુ સમાજનું જ એક અંગ છે. માટે એક હિન્દુ ધર્માચાર્ય તરીકે મારી ફરજ છે કે; "મારે લોકોને સાથે રાખીને ચાલવું જોઈએ." એટલે મેં હિન્દુ ધર્મ જગતના અન્ય ધર્માચાર્યો સાથે સત્પંથ અંગે ચર્ચા કરી. યોગાનુયોગ જયપુર ખાતે અખિલ ભારતીય સંત સમિતિનું નવમું રાષ્ટ્રીય મહા અધિવેશન આવ્યું. સત્પંથ પીરાણાના તત્કાલીન ગાદીપતિ પૂ. કરશનદાસજી મહારાજશ્રી તથા સત્પંથ પીરાણા સંસ્થાના અન્ય મહાનુભાવો જયપુર અખિલ ભારતીય સંત સમિતિના રાષ્ટ્રીય મહા અધિવેશનમાં પધાર્યા. સત્પંથ સાહિત્ય અને તેના આદ્ય સ્થાપક સદ્ગુરુ શ્રી ઈમામશાહ મહારાજ વિશે મહા અધિવેશનમાં આવેલ પૂ. ધર્માચાર્યોએ માહિતી મેળવી અને સર્વ સંમતિથી સૌ પૂ. સંતોએ "સર્વ સત્પંથીઓ આપણા જ છે, ઈમામશાહ મહારાજ એક સુફી સંત છે." તેવું સ્વીકારવામાં આવ્યું. ત્યારબાદ અખિલ ભારતીય સંત સમિતિનું દસમું રાષ્ટ્રીય મહા અધિવેશન ગુજરાતમાં સત્પંથના યજમાન પદે પ્રેરણાપીઠ પીરાણામાં યોજવામાં આવ્યું. ત્યારબાદ સત્પંથ પ્રેરણાપીઠ દ્વારા અલગ અલગ જગ્યાએ સંમેલનમાં લગભગ હિન્દુધર્મના મોટાભાગના પૂ. જગદ્ગુરુ શંકરાચાર્યો, પૂ. જગદ્ગુરુ રામાનંદાચાર્યો, પૂ. જગદ્ગુરુ રામાનુજાચાર્યો, પૂ. જગદ્ગુરુ વૈષ્ણવાચાર્યો તથા અખાડાના પૂ. આચાર્ય મહામંડલેશ્વરો, પૂ. મહંતો તથા ખ્યાતનામ કથાકારો વગેરે...પૂ. સંતોએ મારા મતને સમર્થન આપ્યું અને સનાતન સત્પંથ અંગે ચાલતી કે; કોઈ દ્વારા ચલાવતી ભ્રમણાનો છેદ ઉડાડી દીધો. આજે સત્પંથ તથા તેમના આદ્ય સ્થાપક ઈમામશાહ મહારાજ તથા સત્પંથના વર્તમાન આચાર્ય એ માત્ર સત્પંથ પુરતા નહીં પણ સમસ્ત હિન્દુ સમાજમાં આદરણીય સ્થાન પ્રાપ્ત કર્યું. સત્પંથ દ્વારા આરોગ્ય અને શૈક્ષણિક સેવાકીય પ્રવૃત્તિઓ તથા બાળકોમાં અને યુવાનોમાં ધર્મ સંસ્કાર પ્રેરવાની સત્સંગ પ્રવૃત્તિઓએ પણ સત્પંથની એક આગવી ઓળખ પ્રસ્થાપિત કરી છે. તેથી વિશેષ બધા જ સંતો જે જે સત્પંથી પરિવારોના સંપર્કમાં આવ્યા તેમણે અનુભવ્યું કે; "આ પંથમાં જોડાયેલ સૌ ભક્તોમાં એક વિશેષ પ્રકારના સંસ્કાર છે. સંત સેવા, નિયમિત પૂજા-ઉપાસના, વ્યસનમુક્તિ, વડીલોની સેવા અને સન્માનની ભાવના બધામાં જોવા મળે છે. નવી પેઢીમાં પણ આ સંસ્કાર દૃઢ જોવા મળે છે. જે હાલ અન્ય હિન્દુ પરિવારમાં ચિંતાનો વિષય છે."

આજે સનાતન સત્પંથ પ્રેરણાપીઠ-પીરાણાની પાવન ધરા ઉપર યોજાનાર મહાન વૈદિક ધર્મ સંમેલનમાં અખિલ ભારતીય સંત સમિતિના ૨૩મા રાષ્ટ્રીય મહા અધિવેશન સાથે, સંત સંમેલન, બ્રહ્મલીન જગદ્ગુરુ પૂ. કરશનદાસજી મહારાજશ્રીનો નિર્વાણ દશાબ્દી મહોત્સવ, જગદ્ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજનો ગાદી અભિષેક દશાબ્દિ મહોત્સવ અને તે નિમિત્તે રજતતુલા; આવા ચતુર્વિધ મહોત્સવનું પણ આયોજન થયું છે. ભારતવર્ષના મુર્ધન્ય પૂ. સંતો પધારે છે. આવા દિવ્ય પ્રસંગે હું મારા સંદેશમાં સૌને એટલું જ કહેવા માગું છું કે; "આપણે સૌ મહોત્સવનું (લોગો) પ્રતિક જ્યોત છે અને મહોત્સવનું નામ છે; "અસતો મા સદ્ ગમય।". જે ગુજરાતીમાં ગવાયું છે; 'અસત્યોમાંથી પ્રભુ પરમ સત્યે તું લઈ જા.' એટલે જે લોકો અસત્યમાં કે અસત્યના આધારે જીવે છે તેમને આ મહોત્સવ સત્યના માર્ગે પ્રેરે ! અસત્ય અને ભ્રમણામાં રાચનાર માનવો ભ્રમણા મુક્ત થઈ સત્યને સ્વીકારે, સત્ના પંથે ચાલે, તેવો સંદેશ અને બળ આ મહોત્સવમાંથી માનવ માત્રને પ્રાપ્ત થાય, તે જ અભ્યર્થના સાથે આ મહા સંમેલનની સફળતા માટે સકર્તા સત્ કૈવલ તથા દિવ્ય પરમગુરુ શ્રીમત્ કરુણાસાગરને હાર્દિક પ્રાર્થના...સત્પંથ પ્રેરણાપીઠ તથા તેની સંલગ્ન સૌ સંસ્થાઓ અને સત્પંથના સૌ સેવકોના ભૌતિક અને આધ્યાત્મિક ઉન્નતિ માટે મંગલ આશીર્વાદ સહ...સત્ કૈવલ સાહેબ.

•

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n24/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

अनन्त श्री विभूषित जगद्गुरु शंकराचार्य ज्योतिष्पीठाधिश्वर स्वामी श्री माधवाश्रमजी महाराज

बदरिकाश्रम - हिमालय

श्री सत्पंथाचार्य श्री नानकदासजी महाराजका दशाब्दी महोत्सव एवं अखिल भारतीय सन्त समिति का राष्ट्रीय महाअधिवेशन जगद्गुरु सत्पंथाचार्य श्री कृष्णदासजी महाराजकी दशम पुण्यतिथि एवं विशाल यज्ञ सहित चतुर्विध महोत्सव दि. १७-१८-१९ - नवम्बर - २०१२ सम्पन्न हो रहा है। इस अवसर पर दशाब्दि महोत्सव ग्रन्थ प्रकाशित हो रहा है, उसे हार्दिक प्रकाशित हो रहा है।

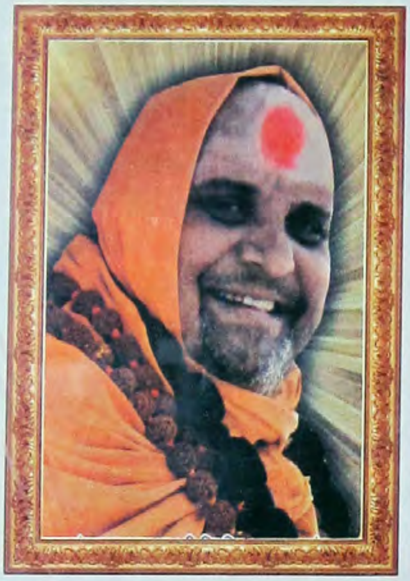
सत्पंथ सम्प्रदाय एक वैदिक सनातन सत्पंथ संप्रदाय जो शुध्धरुपसे वैष्णव है। इस सम्प्रदाय में कि सी भी प्रसार का अलग नहि है। अथर्ववेद के आधार पर चलते ही श्री नानकदासजी महाराज प्रेरणापीठ के माध्यम से पूरे विश्व के लिये कार्य भी कर रहे है. जगद्गुरु सत्पंथाचार्य श्री नानकदासजी महाराज को मेरी अनन्य शुभकामना।

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n25/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

परम श्रद्धेय गुरुवर
अनन्त श्री विभूषित जगद्गुरु शंकराचार्य
स्वामी दिव्यानन्दतीर्थजी महाराज

ज्योतिर्मठ अवान्तर भानपुरा पीठ,
भानपुरा,
जनपद मन्दसौर (म. प्र.)

एकं सद्विप्रा बहुदा वदन्ति

सत्पंथ वैदिक सनातन धर्म के अथर्ववेदीय परम्परा का एक दिव्य पंथ है। भगवान् विष्णु के दशावतार की उपासना सत्पंथ है। भगवान् विष्णु के दशावतार की उपासना सत्पंथ के अनुयायी करते है।

श्री जगद्गुरु प्रेरणापीठाधीश्वर सत्पंथाचार्य श्री नानकदासजी महाराज भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार में दशवर्षीय कार्यकाल पूर्ण कर रहे है। इस दशाब्दि महोत्सव पर अखिल भारतीय संत समिति के राष्ट्रीय महाअधिवेशन के साथ हो अनेक धार्मिक आयोजन भी किये जा रहे है। जिसमें भारत के विशिष्ट धर्मचार्यो का पावन सानिध्य भी रात हो रहा है।

सत्पंथाचार्य जगद्गुरु श्री नानकदासजी महाराज के दीर्घायु हेतु भगवान् काशी विश्वनाथजी से मंगल कामना करते है।

•

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n26/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

अनंत विभूषित श्री
काशी सुमेरु पीठाधिश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य
स्वामी नरेन्द्रानन्द सरस्वतीजी महाराज
बी-१/१२८-ए-२, डुमराँव बाग कालोनी,
अस्सी,
वाराणसी (उ. प्र.)

जगद्गुरु सत्पंथाचार्य प्रेरणा पीठाधिश्वर जी महाराज पिराणा अहमदाबाद।

सप्रेम नारायण स्मरणः

सत्पंथ सम्प्रदाय अथर्ववेद के आधार पर संचालित सनातन मूल्यो मान्यताओ, आदर्शो को दिशा-दशा-गति देने में तत्पर है, १० वी गद्दी नशीन होने के उपलक्ष्य में अखिल भारतीय संत समिति का महाधिवेशन त्रिदिवसीय आयोजित है। जिसके अन्तर्गत १०८ कुण्डीय महायज्ञ भी अनुष्ठीत है।

अनादि जगद्गुरु श्री करसनदासजी महाराज के १० वी पुण्य तिथि पर सत्पंथ सम्प्रदाय वैदिक सनातन धर्म के सिद्धान्तो के आधार पर व्यसन मुक्ति के तहत लाखो अनुयाइयो ने जीवन को क्षति पहुँचाने वाले मादक-नशीले पदार्थो का त्यागकर राष्ट्रको मुख्य धारा से जुडकर पूर्ण मानवता के लिए आदर्श एवं प्रेरणा श्रोत है। जगद्गुरु सत्पंथाचार्यजी प्रेरणा पीठाधीश्वर स्वामी जी महाराज के अधूरे कार्यो को पूर्ण करे एवं सनातन धर्म को विश्व पटल पर पुनः स्थापित करने की शक्ति सामर्थ भगवान विश्वेश्वर पराम्बा आदि शक्ति राजराजेश्वरी त्रिपुर सुन्दरी एवं दण्डाध्यक्ष बाबा भैरव सदैव उत्कर्षको और अपनी शक्ति दे, एवं मानव, हिन्दू संस्कृति मे व्याप्त अविद्या अंधकार को मिटाकर सहसा ज्ञानको ज्योति से पूरा विश्व आलोकित हो।

•

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n27/mode/1up

realpatidar.com

॥ ॐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

पू. स्वामी सत्यमित्रानंदगिरिजी महाराज

निवर्तमान जगद्गुरु शंकराचार्य,
ज्योतिर्मठ शाखा, भारतमाता मंदिर
समन्वय कुटीर, सप्त सरोवर,
हरिद्वार (उत्तराखण्ड)

अ.भा. संत समिति के अधिवेशन हेतु आपका आमंत्रण मिला है।

संमेलनका महान कार्य समाज को संस्कारी बनाने में समर्थ हो यह मेरी भगवान से प्रार्थना है।

महान उत्सव में पधारे हुवे आचार्यो, सन्तों, महात्माओ को मेरा सादर अभिवादन धन्यवाद।

जगद्गुरु श्री नानकदासजी महाराजके दशाब्दि अवसर पर मेरी शुभ कामना है। प्रेरणापीठने ये उत्सव का आयोजन किया, प्रेरणापीठ के ये उत्सवके आयोजको को मेरी ओर से धन्यवाद प्रदान करता हुँ।

•

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n28/mode/1up

realpatidar.com

ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ



શુભ સંદેશ

पू. म.मं. स्वामी देवेन्द्रानन्दगिरिजी महाराज

राष्ट्रीय महामंत्री : अ.भा.सन्त समिति
वेदान्त आश्रम बहादुर गढ,
हरियाणा.

सा प्रथमा संस्कृतिर्विश्ववारा (वेद)

भारत की संस्कृति विश्व वरण - कल्याण करनेवाली प्रथम संस्कृति है । हमें गर्व है कि भारतको अन्तर्दष्टिप्रद संस्कृति संघर्ष की न होकर समन्वय युक्त है । "उर्ध्व मूलं अधः शाखा" वाली संवदध्वं गौरवशाली संस्कृतिमें "सत्यं परं धीमहि" से संपूर्ण परमयोगी, ज्ञानी, तपस्वी, युगदृष्टा संत इमामशाहजी आविर्भूत हुए । पूज्यश्री गुरुदेवने रहस्यपूर्ण अथर्ववेदका अनुवाद जन साधारण के लिए उनकी ही भाषामें 'मूलबन्ध' लिखकर महान कार्य किया । ओर "ज्योतिषामपि तद्‌ज्योतिः ज्योतिर्मयोऽयं पुरुषः" की साधना तट घटपाटविधि(कलशपूजा) का सरल साधन मानवोंको देकर 'सतुपंथ' की स्थापना कर, सांस्कृतिक एकता के लिए इश्वरीय कार्य किया । वर्तमान २३वां अ.भा.सन्त समिति के राष्ट्रीय अधिवेशन पर विष्णु यज्ञ, जगद्‌गुरु पदप्रतिष्ठा महोत्सव एवं दशाब्दि गादीपति महोत्सव के पावन त्रिवेणी पर वर्तमान २३ वे गादीपति जगद्‌गुरु श्री नानकदासजी महाराज चिरंजीवी हो यही भारत के सभी सन्तो की ओर से शुभ कामनाओं के साथ विशाल वटवृक्षवत् सतुपंथ का विकास हो यही प्रभु से प्रार्थना करते है ।

वर्तमान गादीपति जगद्‌गुरु श्री नानकदासजी महाराजश्री में जीवन की पारदर्शिता के साथ गुरुभक्ति में निपुणता, आत्मा में दृढता, वाणी में मधुरता, व्यवहार में सत्यता, सेवा में नम्रता, दृष्टि में पवित्रता, कर्म में प्रविणता, मन में सन्तुष्टता, संस्कार में श्रेष्ठता, अनुभूति में निःशब्दता, उपासना में समरसता, सहिष्णुता, विचार में तात्विकता, सहजता, सभी दिव्य गुण आप में सहज बिराजमान हैं । हम सभी सन्त अ. भा. सन्त समिति की ओर से 'जीवेत् शरदः शतम्' की प्रभु से प्रार्थना करते हुए आपके स्वास्थ्यकी शुभ मंगल कामना करते है ।

सभी सतपंथीय भाईयों को जय गुरुदेवके साथ शुभ मंगल कामना देते है ।

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n29/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પૂ. મહામંડલેશ્વર શ્રી શ્રી શ્રી ૧૦૦૮
સ્વામી અલખગીરીજી મહારાજ
વિશ્વ ગાયત્રી પ્રગટ પીઠ – કાસોર

પ.પૂ. જગદ્‌ગુરુ સત્‌પંથાચાર્ય શ્રી નાનકદાસજી મહારાજ,
આપના ચરણોમાં કોટિ કોટિ વંદન.

આપના ચતુર્વિધ મહોત્સવ તથા અ.ભા.સંત સમિતિના ૨૩મા રાષ્ટ્રિય મહાઅધિવેશન પ્રસંગે અંતઃકરણપૂર્વક કોટિ કોટિ શુભકામનાઓ તથા અભિનંદન.

આજથી આશરે ૬૦૦ વર્ષ પહેલાં મહાન તપસ્વી સદ્‌ગુરુ શ્રી ઈમામશાહ મહારાજે વિશ્વના આર્ત-દયનીય, કરૂણાપાત્ર ધર્મનીતિ માટે તડપતા સર્વ જીવોને વૈદિક ધર્મનો આધાર લઈ દિવ્ય પ્રેરણાઓ આપીને સત્‌પંથની સ્થાપના કરી. લાખો દુઃખી, રોગી અને વ્યસની જીવોનો ઉદ્ધાર કર્યો. વિશ્વમાં એક વિશાળ આધ્યાત્મિક દિવ્ય મહાજ્યોત પ્રગટાવી અથર્વવેદને પ્રસ્થાપિત કર્યો. ભક્તોને સુખ, શાંતિ, સમૃદ્ધિ, સત્સંગ, સ્વાધ્યાય અને સાધના માર્ગે આધ્યાત્મિક અને ધાર્મિક જીવન જીવવાનો બોધ આપી સર્વને મોક્ષગામી બનાવ્યા.

ત્યાર બાદ ૫૮૦ વર્ષે પરંપરા પ્રમાણે ૨૨મા ગાદીપતિ તરીકે જગદ્‌ગુરુ શ્રી કરસનદાસજી મહારાજ બિરાજમાન થયા. તેઓ ક્રાંતિકારી માનસ ધરાવતા હતા. તેઓએ ગુજરાતના મહાન સત્‌કૈવલ પીઠાધીશ્વર આચાર્ય શ્રી અવિચલદાસજી મહારાજ, હરદ્વારના મહાન રામાનંદાચાર્ય જગદ્‌ગુરુ સ્વામી હંસદેવાચાર્યશ્રી મહારાજ તથા અખિલ ભારતીય સંત સમિતિના સંત શિરોમણી સ્વામી શ્રી વામદેવજી મહારાજ તથા અનેક શંકરાચાર્યો, મહામંડલેશ્વરો તથા ધર્માચાર્યોના પ્રચંડ પુરુષાર્થ અને શુભ પ્રયાસોથી અનેકવિધ આધ્યાત્મિક સામાજીક પ્રવૃત્તિઓનો પ્રારંભ કર્યો. એટલું જ નહિ પરંતુ સત્‌કૈવલ સંપ્રદાયના

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n30/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥

"મહાન યુગપુરુષ બ્રહ્મર્ષિ" આચાર્ય અવિચલદાસજી મહારાજના સતત સહયોગ અને મહર્ષિ રામાનંદાચાર્યનાં સદ્‌પ્રયત્નોથી અ.ભા. સંત સમિતિના ૨૩મા અધિવેશન અને પ્રેરણાપીઠના ૨૩મા ગાદીપતિ જગદ્‌ગુરુ સત્‌પંથાચાર્યશ્રી નાનકદાસજી મહારાજનો દિવ્ય અને ભવ્ય દશાબ્દિ મહોત્સવ ઉજવાઈ રહેલ છે.

વસુધૈવ કુટુમ્બકમની નૈષ્ઠિક ભાવનાવાળા અને સદાય પ્રભુમય જીવનમાં નિરંજન મસ્તીમાં રાચતા પ.પૂ. કરસનદાસજી મહારાજની સેવાઓ તથા સર્વ ક્ષેત્રે આપેલા પ્રદાનોથી પ્રભાવિત થઈ અનેક મહાન સંસ્થાઓ અને વ્યક્તિઓએ પૂજ્યશ્રીને "રાષ્ટ્રીય યુગપુરુષ", "રાષ્ટ્રીય સંત", "દેવર્ષિ", "શુભકામના એવોર્ડ", "પરિવર્તન યુગપુરુષ" અને પ્રશસ્તિપત્રો "મહાન વીરવર" અને વિશ્વ વંદ્ય "આદિ જગદ્‌ગુરુ" નાં વિવિધ સન્માનોથી નવાજવામાં આવ્યા હતા. એમના મહાન સુપાત્ર અને સુશિષ્ય ધર્મયોગી સંત જગદ્‌ગુરુ પ્રેરણા પીઠાધીશ્વર પ.પૂ. નાનકદાસજી મહારાજે છેલ્લા દસ વર્ષથી ધર્મધ્વજા ધારણ કરીને સત્‌પંથને વિશ્વના સીમાડાઓથી પર અનેક દિવ્યલોકોમાં પ્રસરાવી છે.

પૂજ્ય શ્રી નાનકદાસજી મહારાજશ્રીએ ગુજરાત, કચ્છ તથા આદિવાસી વિસ્તારોમાં નૂતન નવા "હિન્દુ ધર્મના પ્રભાવવાળા" અનેક મંદિરોનું નિર્માણ કરી સત્‌પંથીઓના ભક્તોનો વિસ્તાર કર્યો છે. અનેકવિધ શિક્ષણ, સાંસ્કૃતિક તથા સેવાકીય પ્રવૃત્તિઓ ચલાવી રહેલ છે. અનેકવિધ ધાર્મિક સંમેલનો, શિબિરો, અધિવેશનો કરીને "સત્‌પંથ"ને દૃઢ બનાવી પ્રસ્થાપિત કર્યો છે. વિશ્વના મહાન સંતો તથા ગુજરાતના નાના-મોટા સર્વે સંતોનાં સમાન સમાદર કરીને સહુના પ્રીતિ પાત્ર બન્યા છે.

આવા અ.ભા.સંત સમિતિના ૨૩મા અધિવેશનનું દિવ્ય આયોજન પ્રેરણાપીઠના ૨૩મા ગાદીપતિ જગદ્‌ગુરુ સત્‌પંથાચાર્યશ્રી નાનકદાસજી મહારાજ કરે એમાં કોઈ દિવ્ય સંકેત અને પરમાત્માની પવિત્ર પ્રેરણા હશે એમ માની લઈએ તો અયોગ્ય નથી. પુનઃ આવા મહાન જગદ્‌ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી ૭૮ વર્ષ પૂર્ણ કરીને ૧૦૮ વર્ષ સુધી સર્વની સેવા કરી આશીર્વાદ વરસાવતા રહે એવી શુભકામના સહ.

•

realpatidar.com

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પૂ. સંતશ્રી મોરારીબાપુ
ચિત્રકૂટધામ- તલગાજરડા
તા. ૧૦-૦૯-૨૦૧૨

॥ રામ॥

પીરાણા ધામમાં પૂજ્ય મહંતશ્રી નાનકદાસજી મહારાજના દશાબ્દિ ઉત્સવ તથા સાથે અખિલ ભારતીય સંત સંમેલન માટે મારી પ્રસન્નતા અને પ્રભુ પ્રાર્થના ! સૌને મારા પ્રણામ ! રામસ્મરણ સાથે.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n32/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

पू. महामंडलेश्वर
स्वामी हरिचेतनानन्दजी महाराज
हरि सेवा आश्रम ट्रस्ट
हरिपुर (वाया रायवाला)
जि. देहरादून (हरिद्वार)

सतूपंथाचार्य जगद्गुरु नानकदासजी महाराज महान कर्मयोगी सन्त है, सनातन वैदिक संस्कृति का प्रचार प्रसार कर रहे है। भारत जैसे देश में सिर्फ शिक्षा से ही काम नहीं चलेगा। शिक्षा के साथ विद्या की भी आवश्यकता है। शिक्षा मात्र साक्षरता बनकर रह गयी है। ऐसे समय में जगद्गुरु नानकदासजी महाराज जैसे सन्त ही आध्यात्म विद्या को जन जन तक पहुँचा रहे है। हमारी ओर से महाराजश्री को अनन्त शुभकामनायें।

सन्तों की खुश्बु रहती है,
सन्त बदलते रहते है।
दरबार लगा ही रहता है,
दरवान बदलते रहते है ॥

•

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n33/mode/1up

|| ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ||

realpatidar.com



શુભ સંદેશ

પૂ. મહામંડલેશ્વરશ્રી દિલીપદાસજી
ગુરુ રામેશ્વરદાસજી મહારાજ
શ્રી જગન્નાથજી મંદિર,
જમાલપુર દરવાજા બહાર,
અમદાવાદ.

આદરણીય સંત પૂ. નાનકદાસજી મહારાજ
પ્રેરણાપીઠાધીશ્વર -પીરાણા.
નમસ્કાર!

અખિલ ભારતીય સનાતન સત્પંથ સેવા મંડળ દ્વારા સત્પંથાચાર્ય જગદ્ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજનો દશાબ્દી મહોત્સવ અને અખિલ ભારતીય સંત સમિતિનું રાષ્ટ્રીય મહા અધિવેશન આપણા ગુજરાતમાં અને આપણા સાનિધ્યમાં થઈ રહ્યું છે જે આપણ સૌના માટે સદ્ભાગ્ય છે જે ભક્તજનોને સંત દર્શન અને સંતવાણીનો લહાવો મળશે.

સનાતન સત્પંથ સેવા મંડળ આ ભગીરથ કાર્ય કરી રહ્યું છે હું મારી શુભેચ્છા પાઠવું છું અને આ મંગલમય પ્રસંગ આપણા સૌનો છે અને સાથે મળીને પ્રસંગે માણીયે. પૂ.નાનકદાસજી મહારાજને મારી શુભકામના અને આપનું તંદુરસ્ત દિર્ધાયુ પ્રાપ્ત થાય તેવી ભગવાન શ્રી જગન્નાજીને પ્રાર્થના.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n34/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પૂ. મહંતશ્રી રામદાસજી મહારાજ

શ્રી સંતરામમંદિર,
નડીયાદ. (ગુજરાત)

યોગીરાજ અવધૂત શ્રી સંતરામ મહારાજની દિવ્ય અખંડ જ્યોતિના શુભાશીર્વાદ.

સત્પંથ પ્રેરણાપીઠ - પીરાણાના દિવ્ય પવિત્ર તીર્થધામમાં, શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણ ભગવાનના સાનિધ્યમાં, ચતુર્વિધ મહોત્સવ, જગદ્ગુરુ પદ પ્રતિષ્ઠા મહોત્સવ, પ.પૂ. બ્રહ્મલીન આદ્ય જગદ્ગુરુ શ્રી કરસનદાસજી મહારાજ પરમજ્યોતિ વિલિન પર્વ, પ.પૂ. જગદ્ગુરુ સત્પંથાચાર્ય શ્રી નાનકદાસજી મહારાજ દશાબ્દિ મહોત્સવ, વિશ્વશાંતિ મહાયજ્ઞ એવં શ્રી અખિલ ભારતીય સંત સમિતિનું રાષ્ટ્રીય વૈદિક ધર્મ મહાઅધિવેશન કારતક સુદ ૪-૫-૬ના શુભ દિવસોમાં સંપન્ન થાય છે, તેના પ્રેમભર્યા નિમંત્રણથી અત્યંત આનંદ થયો.

ધર્મરક્ષા, ગૌરક્ષા, રાષ્ટ્રરક્ષાને વરેલા આપણી ધર્મ - સંસ્કૃતિ - અધ્યાત્મના શ્રી શંકરાચાર્યો, શ્રી મહામંડલેશ્વરો, વીતરાગી, તપસ્વી સંતો - મહંતો આ મહોત્સવ પર્વમાં ઉપસ્થિત રહી, કુંભના દર્શન કરાવશે, શુભ પ્રેરણા આપી શાસ્ત્ર દર્શન કરાવશે.

યોજક સંસ્થા, એમના મહાપુરુષ ટ્રસ્ટીઓ, ભક્તવૃંદ આવા વિશાળ ભવ્ય આયોજનથી આપણી ભાવિક ધર્મપ્રેમી જનતાને લાભાન્વિત કરશે, એ અવસર રૂડો બનશે.

સમયે સમયે આવા વિશાળ ધર્મ સંમેલનો, મહાયજ્ઞો, આપણી દિવ્ય વિભૂતિઓ, સંતવર્યોનાં દર્શન દુર્લભ બનતાં જાય છે, ત્યારે આ વિરાટ અધિવેશન આપણી દિવ્ય ચિંતન, વિચારધારાનું દર્શન કરાવશે.

વ્યક્તિ, સમાજ, રાષ્ટ્ર એના પાયામાં ધર્મ, ધર્મપુરુષોનું મહત્ત્વ છે. આવા સંતો સાચા અર્થમાં પ્રેરક છે. શુધ્ધ નિર્મળ અંતઃકરણવાળા પધારનાર સંતોનું આ મંગલકાર્ય લોકહિતનું વિશ્વકલ્યાણનું છે.

સ્મરણ કરવા જેવું સંતનામ ભગવન્નામ છે. આવા દિવ્ય નામની ઉપાસના સહુને માટે કલ્યાણકારી બનો.

સહુનું શુભ અને કલ્યાણ થાઓ.

॥ જય મહારાજ ॥

realpatidar.com

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

શ્રી માઈ ધર્મ આદ્ય પીઠાધિશ્વર
શ્રીમાઈ ધર્માચાર્ય
પ.પૂ. ૧૦૦૮ શ્રીમાઈ જગદ્‌ગુરુ
શ્રી ભગવતી કેશવભવાની મહારાજ
માઈ મંદિર,
નડીયાદ, જિ. ખેડા.

શ્રી પીરાણા પ્રેરણાપીઠના વર્તમાન જગદ્‌ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજના દશાબ્દિ મહોત્સવ પ્રસંગે એ પીઠની જળહળતી જ્યોતને કોટિ વંદન.

જગતમાં માનવ માત્રમાં પરમાત્માનું દર્શન કરવાની પ્રેરણા જેમણે વર્ષો પહેલા આપી એ આદ્યપુરુષ સદ્‌ગુરુ શ્રી ઈમામશાહ મહારાજ બ્રહ્મલીન થઈ જ્યોતિ રૂપે પીરાણાધામમાં બિરાજમાન થયા છે. એમના પછી ગાદીપતિ તરીકે આવનાર વ્યક્તિ હૃદયથી સંપૂર્ણ શરણાગત બક્ષી અને જ્યોતિ સ્વરૂપ એનો સ્વીકાર કરે, ત્યારે હાથમાં નાખેલી બેડી સ્વયં તૂટે છે. આ ઘટના કોઈ કલ્પના નથી. પણ સનાતન સત્ય છે.

જ્યોતનું પ્રતિક સૌને પોતાના જીવનની આધ્યાત્મિક અને આધિભૌતિક બન્ને ઉર્ધ્વગતિ કરવાની પ્રેરણાની દિક્ષા સ્વયં જ્યોતિ સ્વરૂપે બિરાજેલા મૂળ પુરુષની કૃપાનું ફળ છે.

મારા જીવનમાં ૬૦ વર્ષનો આ પીઠ સાથેનો આધ્યાત્મિક સંબંધ છે.

જ્યોતિ સ્વરૂપ જગદંબા એ જ જ્યોતિ સ્વરૂપ બ્રહ્મ છે અને એ જ બ્રહ્મ મહાપુરુષમાં જ્ઞાન જ્યોતિ રૂપે પ્રગટે છે. જ્ઞાનની જ્યોત અનંતકાલ પર્યંત અજર અમર રહેશે અને જગતના જીવમાત્રનું કલ્યાણ કરશે.

પ.પૂ. નાનકદાસજી મહારાજશ્રીના દશાબ્દિ મહોત્સવ પ્રસંગે ઝળહળતી જ્યોતિ પીરાણાના આદ્ય ધર્મસ્થાનમાં બિરાજેલી જ્યોતને તથા પૂ. મહારાજશ્રીને વંદન.

•

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n36/mode/1up

realpatidar.com

॥ ॐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પૂ. વેદાન્તાચાર્ય મહંત શ્રી
દેવપ્રસાદજી મહારાજશ્રી
અધ્યક્ષશ્રી, શ્રી આણદાબાવા સેવા સંસ્થા
ગોપાલ ભુવન, લીમડાલેન,
જામનગર - ૩૬૧ ૦૦૧ (ગુજરાત)

પરમાદરણીય, જગદ્‌ગુરુ સત્‌પંથાચાર્ય શ્રી નાનકદાસજી મહારાજશ્રી....
પ્રેરણાપીઠ - પીરાણા (ગુજરાત)

પ્રતિ ઘણા જ આદર સાથે નિવેદન જે શ્રી અખિલ ભારતીય સંત સમિતિનું રાષ્ટ્રીય વૈદિક ધર્મ મહાઅધિવેશન એવં ચતુર્વિધ મહોત્સવ આપશ્રીની પ્રેરણા અને માર્ગદર્શન હેઠળ તેમજ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણ મહાપ્રભુજીની અસીમકૃપા સાથે યોજાઈ રહ્યું છે. જેની નિમંત્રણ પત્રિકા આપશ્રીના પ્રતિનિધિ સંતો દ્વારા રૂબરૂ મળી જેની વિગત જાણીને અત્યંત મને આનંદ થયો છે.

ઉપરોક્ત મંગલમય અવસરે આપણી પ્રાચીન ભારતીય સંસ્કૃતિની પ્રતિનિધિ - સ્વરુપ એવી દિવ્ય વિભૂતિઓ ઉપસ્થિત રહીને તેમનાં દર્શન અને દિવ્ય અમૃતવાણીનો ધર્મલાભ જાહેર જનતા-જનાર્દનને આપશે આથી વિશેષ આ અલૌકિક આનંદ બીજો કયો હોઈ શકે?

આપશ્રીના તેમજ દિવ્ય વિભૂતિ સમાન મહાન સંતોના આશીર્વાદ સાથે આયોજિત આ પરમ પવિત્ર મહા અવસરે શ્રી આણદાબાવા સેવા સંસ્થા તરફથી ખૂબ ખૂબ શુભેચ્છા સાથે મારા હાર્દિક શુભાશીર્વાદ પાઠવું છું.

વિરાટ રાષ્ટ્રીય વૈદિક ધર્મ-સંમેલન પ્રેરણાપીઠને જામનગરની શ્રી આણદાબાવા સેવા સંસ્થાના વેદાન્તાચાર્ય પ.પૂ. મહંત શ્રી દેવપ્રસાદજી મહારાજશ્રીના શુભાશીર્વાદ.

•

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n37/mode/1up

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥

realpatidar.com



શુભ સંદેશ

પૂ. સંતશ્રી મુકુંદાનંદજી બાપુ
શ્રી બ્રહ્માનંદધામ
મુ. ચાંપરડા, તા.વિસાવદર, જી. જુનાગઢ.

હરિ ૐ

સહર્ષ આપના તરફથી શ્રી અખિલ ભારતીય સંત સમિતિનું રાષ્ટ્રીય વૈદિક ધર્મ મહાઅધિવેશન એવં ચતુર્વિધ મહોત્સવની શુભ નિમંત્રણ પત્રિકા અમોને મળેલ છે. નિમંત્રણ બદલ ખૂબ ખૂબ આભાર.

તા. ૧૭-૧૮-૧૯ નવેમ્બર ૨૦૧૨ના શુભ દિવસો દરમ્યાન આયોજીત, શુભ પ્રસંગો દરમ્યાન અમો અન્ય અનિવાર્ય રોકાણોમાં વ્યસ્ત હોવાને ઉપસ્થિત રહી શકીએ તેમ નથી. આથી આ શુભેચ્છા પત્ર દ્વારા અમો અંતરની લાગણીથી શુભકામનાઓ પાઠવીએ છીએ.

પરમકૃપાળુ પરમાત્મા આપે પ્રયોજીત પ્રસંગો નિર્વિઘ્ને, શાંતિપૂર્ણ સંપન્ન કરે એ જ અભ્યર્થના.

ફરીને ખૂબ ખૂબ શુભેચ્છા..

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n38/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પૂ. આચાર્યશ્રી ૧૦૮ કૃષ્ણમણિજી મહારાજ

શ્રી ૫ નવતનપુરીધામ, ખીજડા મંદિર ટ્રસ્ટ,
ખંભાળીયા ગેટ પાસે,
જામનગર.

અખિલ ભારતીય સનાતન સત્પંથ સેવા મંડળ

માનનીયશ્રી,

સનાતન સત્પંથ સમાજ સેવા મંડળ પ્રેરિત, ચતુર્વિધ મહોત્સવનું આયોજન તા. ૧૭-૧૮-૧૯ નવેમ્બર ૨૦૧૨ના શુભ દિવસોમાં ઉજવવાનું ભવ્ય આયોજન કરવામાં આવેલ છે. આ વાંચી આનંદનો અનુભવ થયો છે.

ઉપરોક્ત ધર્મમય મંગલ પ્રસંગે પધારેલા સંતો દ્વારા સમાજને તેઓશ્રીની દિવ્ય વાણીનો ધર્મલાભ મળશે.

આ શુભ અણમોલ સોનેરી પ્રસંગે મારી શુભકામના પાઠવું છું. આપણી વૈદિક સંસ્કૃતિક પરંપરાની જાળવણી પણ આવા મહોત્સવો દ્વારા થઈ શકે છે. સમગ્ર આયોજકોને પણ ધન્યવાદ.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n39/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પૂ. મહંત રામેશ્વરદાસજી મહારાજ સાહેબ
શ્રી સત્ય કબીર સાહેબની ગાદી
શ્રી કબીર આશ્રમ, કિસાન ચોક,
જામનગર – ૩૬૧ ૦૦૫ ગુજરાત.

સત્યનામ

પરમવંદનીય પ્રેરણા પીઠાધિશ્વર સત્પંથાચાર્ય શ્રી નાનકદાસજી મહારાજશ્રીને શ્રી ચરણોમાં વંદન સાથે મહાન કાર્ય એટલે કે વૈદિક પ્રાચ્ય સંસ્કૃતિને આગળ વધારવા માટે ખૂબ ખૂબ મંગલ કામના. સત્પંથ સંપ્રદાય અને સમાજ જે લોકપાવની વૈદિક સંસ્કૃતિ સંવર્ધક સંરક્ષણ અને પ્રચાર પ્રસાર સારી રહ્યા છે તે ખરેખર આવકાર યોગ્ય છે.

આપ સૌને અમારી અપીલ પણ છે, આ સુંદર અને વૈદિક ઉત્થાન કાર્યને આગળ વધારવા માટે જે પ્રયાસ થઈ રહ્યો છે તેને સહકાર સાથે હૃદયથી સ્વીકાર કરવું જોઈએ. આગળ જે સત્સંગ સાથે સંત મંડળીને ભેગા કરીને જે એક અને અખંડ ભારતને વૈશ્વિક દુષ્પ્રભાવથી જે સંરક્ષણ અમને આપે છે તે પણ એક અદ્‌ભૂત કાર્ય છે. રાષ્ટ્રીય સ્તર પર સર્વધર્મ સંમેલન અને સૌને એકમંચ ઉપર લાવીને અનેકતામાં એકતાનું પ્રતિક બની ચુક્યા છે. હું હૃદયથી પરમ પૂજ્ય મહારાજશ્રીને આ પુનિત કાર્ય માટે વિરદુ છું.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n40/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પૂ. મહામંડલેશ્વરશ્રી
મહંત મોહનદાસજી મહારાજ

સાંઈધામ મંદિર,
સાલ હોસ્પીટલની સામે,
દૂરદર્શન પાસે, થલતેજ
અમદાવાદ – ૫૪

પ્રેરણાપીઠ પીરાણાના ૨૩મા ગાદીપતિ પ.પૂ. શ્રી સત્‌પંથાચાર્ય શ્રી નાનકદાસજી મહારાજને ગાદીપતિ તરીકે દસ વર્ષ પૂર્ણ થયાં તે નિમિત્તે અખિલ ભારતીય સંત સમિતિ રાષ્ટ્રીય અધિવેશન રાખેલ છે તે જાણી ઘણો આનંદ અનુભવું છું.

પ.પૂ. સત્‌પંથાચાર્ય શ્રી નાનકદાસજી મહારાજના દશાબ્દિ મહોત્સવ પ્રસંગે અમારી અનંત શુભેચ્છા પાઠવું છું. પરમાત્માને પ્રાર્થના કરીએ કે આચાર્યશ્રીને દિર્ઘાયુષ્ય બક્ષે અને માનવ સમાજ સત્ય ધર્મની રાહે અનંત આત્માઓના જીવનનું કલ્યાણ કરે. સાથે સાથે સત્‌પંથ સમાજના અનુયાયીઓને હું ખૂબ ખૂબ અભિનંદન પાઠવું છું.

શ્રીમવાંતમોદનવાચ

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n41/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પૂ. શ્રી શ્રી ૧૦૦૮ મહામંડલેશ્વર
મહંત શ્રી કેશવદાસજી મહારાજ

રામમહેલ મંદિર, ધોળીપોળ,
વઢવાણ. જી. સુરેન્દ્રનગર.

પૂ. જગદ્‌ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજને મારા પ્રણામ.

આપની છત્રછાયામાં અખિલ ભારતીય સનાતન સત્‌પંથ સેવા મંડળ દ્વારા જે સંત સંમેલન અને આપના ગાદી ગ્રહણના દશાબ્દિ મહોત્સવ પ્રસંગે મારી શુભ કામના. ભારતનો સમગ્ર સાધુ સમાજ એક મંચ પર બિરાજશે ત્યારે ભક્તજનોને સંતદર્શન, સંતવાણી અને એકતાનાં દર્શન થશે જે ભવ્ય કાર્યક્રમની સફળતા ચાહું છું અને આપને તંદુરસ્ત દિર્ઘાયુ પ્રાપ્ત થાય તેવી પરમાત્માને પ્રાર્થના.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n42/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

श्री अध्यक्ष बाबा हठयोगीजी महाराज

मालवा सेवा संस्थान (ट्रस्ट)
सचिव : श्री दिगम्बर अणि अखाडा,
हरिद्वार (उत्तराखण्ड)
श्री गरुड आश्रम, श्रवणनाथ नगर,
हरिद्वार

श्री जगद्गुरु सत्पंथाचार्य श्री नानकदासजी महाराज का ''श्री जगद्गुरु दशाब्दि पद प्रतिष्ठा समारोह'' के पावन शुभ अवसर पर हम हार्दिक शुभ कामनाए प्रेषित करते है। इस पंथ की उन्नति हेतु भगवान श्री रावेन्द्र सरकार से प्रार्थना करते है कि चहुमुखि पंथ का प्रकाश हो।

अखिल भारतीय संत समिति के २३वें विशाल महाअधिवेशन पर भारत का गौरवमयी संत समाज नयी दिशा, नये पथ एवं नूतन अध्यात्म मार्ग का दिग्दर्शन करायेगा।

•

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n43/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

प.पू. श्री महन्त रविन्द्रपुरीजी महाराज

श्री पंचायती अखाडा महानिर्वाणी
कनखल (हरिद्वार)
उत्तराखण्ड

प्रेरणापीठाधीश्वर सत्पंथाचार्य जगद्गुरु श्री नानकदासजी महाराज का दशाब्दी पद प्रतिष्ठा समारोह के अवसर पर श्री पंचायती अखाडा महानिर्माणी की ओर से आपको बहुत बहुत शुभकामनाए।

भगवान श्री दक्षेश्वर महादेवजी का आशीर्वाद सदा आप पर बना रहे।

मैं भगवान् से शुभ मंगल कामना करता हूँ कि आप स्वस्थ व दिर्घजीवी रहे तथा समाज का मार्गदर्शन करते रहे।

इति शुभम्

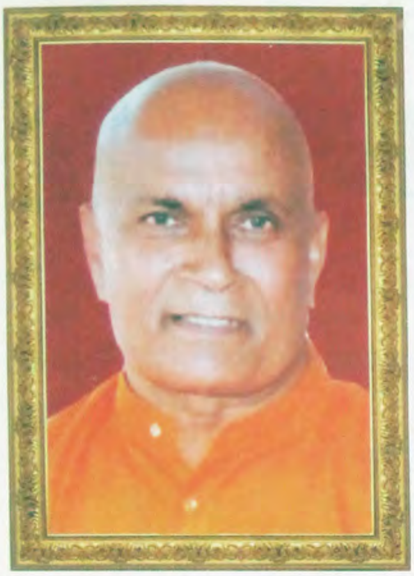
ॐ नमो नारायणाय

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n44/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

प.पू. आचार्य स्वामी स्वधर्मानन्द सरस्वती महाराज
म.मं. गीता पीठाधीश्वर - गीता आश्रम
ऋषिकेश - उत्तराखण्ड

प. पू. जगद्गुरु सत्पंथाचार्य श्री नानकदासजी महाराजके पुनित दशाब्दि महोत्सव पर हिमालय व सर्वत्र भारत के अध्यात्म विद्या के परम सत्य के साधकों, सिद्धान्तों सभी ज्ञात अज्ञात महापुरुषोंकी ओर से आपके स्तुत्य प्रयास को कोटिशः साधुवाद, हृदयसे नमन।

सत्पंथ प्रेरणापीठ - पीराणा अहमदाबाद गुजरात के आद्य सद्गुरु अनन्तश्री विभूषित श्री इमामशाह महाराज से आपके पूर्व जगद्गुरु सत्पंथ प्रेरणा पीठासीन जगद्गुरु श्री करसनदासजी महाराज तक विश्वमें सात्त्विकता प्रवाह हेतु उत्थान का मार्ग प्रसस्त हुआ है। भारतीय हिन्दू समाज में भारतीय सनातन वैदिक पद्धति का प्रचार-प्रसार का आपका स्थान प्रेरणा स्रोत सिद्ध हो रहा है। अथर्ववेद कुम्भ प्रधानता से लाभ ही लाभ है।

सनातन धर्म संस्थापनार्थ स्वयं परम प्रकाशक परम सत् स्वरुप सत्ता अपना अवतार भी समय-समय पर भारत में लेती रही है। उन्हीं परम्परा में ॐ श्री निष्कलंकी नारायणजी जिन्हे हम लोग श्री कल्कि भगवान कहेगें। उनकी भाव-भुमिका में आराधना, साधना, सत्पंथ प्रेरणापीठ क्रियान्वयन में सतत् प्रयासरत रहा है। सन्तों में विशेषकर अ.भा. सन्त समिति के माध्यम से प्रकाश में आ रहा है। आगे भी परमेश्वर की कृपा से आता रहे इन्ही शुभकामनाओं सहित।

•

आपका अपना सन्त
स्वधर्मानन्द

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n45/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

प.पू. महंत श्री ईश्वरदासजी महाराज

श्री - ईश्वर आश्रम,
शीशम झाडी, मुनिकी रेती,
ऋषिकेश, टिहरी गढवाल (उत्तराखण्ड)

प्रेरणा पीठाधीश्वर परम पूज्य जगद्गुरु सत्पंथाचार्य श्री नानक दासजी महाराज का दशाब्दि पद प्रतिष्ठा समारोह की एवं अखिल भारतीय संत समिति के राष्ट्रीय अधिवेशनके पावन अवसर पर हमारी शुभ-शुभ कामनाऐं।

उपरोक्त अवसर पर भारत के विभिन्न धर्माचार्यों का पावन दर्शन तथा उनके द्वारा इस शुभ अनुष्ठान पर सत्पंथ वैदिक सनातन के सिद्धान्त पर अपनी उपस्थिति प्रस्तुत कर इसे चार चांद लगा रहे है।

अतः सत्पंथाचार्य जगद्गुरु श्री नानकदासजी महाराज के स्वस्थ एवं दिर्घायु के लिए श्रीमद् जगद्गुरु रामानन्दाचार्यजी से मंगल कामना करतें हैं।

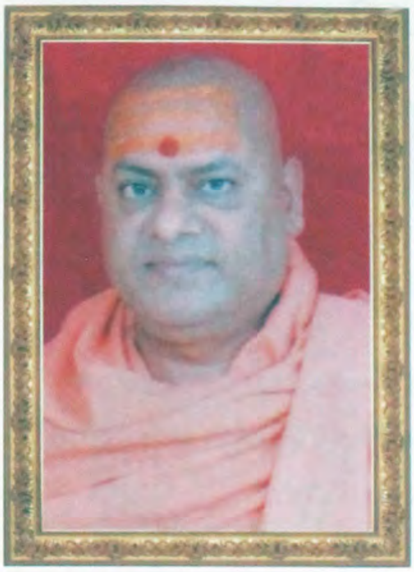
•

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n46/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

प.पू. महामंडलेश्वर श्री
डॉ. स्वामी प्रेमानन्दजी महाराज
वेदान्ताचार्य, एम.ए. (दर्शन) पी.एच.डी.
राष्ट्रीय सह मंत्री
पीठाधीश्वर - जगद्गुरु सोऽहम् पीठ, अमर प्रेम आश्रम,
शिवनगर, रानी गली, भूपतवाला,
हरिद्वार (उत्तराखण्ड)

यह जानकर मुझे हार्दिक प्रसन्नता हो रही है की प्रेरणा पीठाधीश्वर जगद्गुरु सत्पंथाचार्य श्री नानकदासजी महाराजका दशाब्दि प्रतिष्ठा समारोह, विविध धार्मिक अनुष्ठानों एवं अखिल भारतीय संत समिति के २३वें राष्ट्रीय महाधिवेशन के साथ श्रद्धा पूर्वक मनाया जा रहा है।

सतपंथ सनातन वैदिक परम्परा का सर्व मान्य सिद्धान्त है। सतपंथ की शिक्षा - दीक्षा विश्व में उपादेय है। पूज्य महाराज श्री के प्रति श्रद्धा - प्रेम की अभिव्यक्ति करते हुए स्मारिका प्रकाशनार्थ कोटिशः शुभ कामनाएँ।

•

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n47/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પદમાદર્શ આચાર્ય મહામંડલેશ્વર
શ્રી સ્વામી સ્વરૂપાનંદ સરસ્વતીજી
શ્રી ગૌતમેશ્વર મહાદેવ
સિહોર. જી. ભાવનગર (ગુજરાત)

અખિલ ભારતીય રાષ્ટ્રીય સંત સમિતિનું મહાઅધિવેશન અને જગદ્‌ગુરુ સત્‌પંથાચાર્ય શ્રી નાનકદાસજી મહારાજ દશાબ્દિ મહોત્સવ પ્રેરણાપીઠ - પીરાણામાં ઉજવાઈ રહ્યો છે તેમાં અમોને આમંત્રણ મળેલ છે અને આવા સંત દર્શન અને સંતવાણીનો લ્હાવો માણવાનો શુભ અવસર પ્રાપ્ત થવાનો છે તો આવા શુભ પ્રસંગને હું ધન્યતા અનુભવું છું અને પરમવંદનીય સત્‌પંથાચાર્ય જગદ્‌ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજે ગાદી ગ્રહણ કર્યા પછી દશાબ્દિ ઉજવાઈ રહી છે ત્યારે હું પરમકૃપાળુ પરમાત્માને પ્રાર્થના કરું છું કે શ્રી નાનકદાસજી મહારાજને તંદુરસ્ત દિર્ધાયુ પ્રાપ્ત થાય અને ભક્તજનોને તેમનાં દર્શન - ભજનનો લ્હાવો પ્રાપ્ત થતો રહે તેવી મારી શુભ પ્રાર્થના. પ્રસંગને મારી શુભકામના એ જ.

ના ૐ નમો નારાયણ.

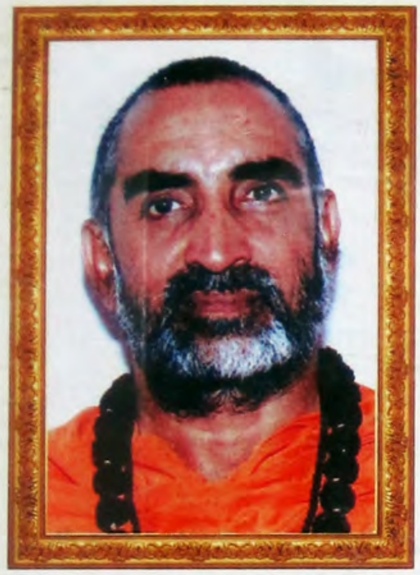
realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n48/mode/1up

2012-11 -Dashabdi Mahotsav -Sant Sammelan & Nanakdas Maharaj (Kaka) -Smruti Granth (310)

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પૂ. મહામંડલેશ્વર શ્રી ૧૦૦૮
જગદીશાનંદ સાગરજી મહારાજ
માધવાનંદ આશ્રમ, ચાણોદ - વડોદરા.

આદરણીય જગદ્‌ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજ,
પ્રેરણાપીઠ - પીરાણા.

આપના ભક્તજનો સનાતન સત્‌પંથ સેવા મંડળ દ્વારા યોજાનાર અખિલ ભારતીય સંત સમિતિનું રાષ્ટ્રીય મહા અધિવેશન અને આપના દશાબ્દિ મહોત્સવ પ્રસંગે મારી શુભકામના.

આપને તંદુરસ્ત દિર્ઘાયુ પ્રાપ્ત થાય તેવી પરમાત્માને પ્રાર્થના.

●

realpatidar.com

Link: http://www.realpatidar.com/library
email: mail@realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n49/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

श्रोत्रिय, ब्रह्मनिष्ठ, परमहंस,
परिव्राजीकाचार्य-१००८ महामंडलेश्वर,
श्री स्वामी बीयोगानंद सरस्वती महाराज

ईशावाश्यम् आश्रम, गंगोत्री,
हिमालय, उत्तराखंड, भारत.

मुजे जानकर हर्ष हुआ कि "अखिल भारतीय संत समिति का राष्ट्रीय वैदिक धर्म महा अधिवेशन" अेवम् चतुर्विध महोत्सवका आयोजन प्रेरणापीठ में हो रहा है। विगत वर्षो में भी प्रेरणापीठने राष्ट्र स्तरीय अधिवेशन का आयोजन कर अपनी अस्मिता को संत संस्कृति तथा वैदिकता से अभिन्नता का परिचय भारत देश को कराया है। मनुष्य के जीवन में पूर्णता की प्रतिष्ठा वैदिक धर्म के बिना नही हो सकती है, यह अकाट्य सत्य है। वेद धर्म का मूल है, अतः वैदिकता की प्रतिष्ठा वेद के निर्देश के अनुसार हो यही समिचीन है। श्री सत्पंथ प्रेरणापीठ के जगद्गुरु समादरणीय श्री नानकदासजी अपने भक्त समाज के साथ प्रतिसंग कटिबध्ध है। वैदिक धर्म की सेवा के लीये इश्वर से प्रार्थना है की वह अपनी अनंत शक्ति श्रोत से सदेव इस पीठ को सशक्त बनाये रखे, जीससे यह पीठ वेद भगवानकी आज्ञा अनुसार निरंतर मानवता की सेवा करते हुए भक्तजनो के जीवन को पूर्णता की दिशा में सदेव गतीशील करती रहे, शेषकिमधिकम् शुभ तथा मंगल हो।

•

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n50/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

पू. म. मं. महन्त श्री रामावतारदासजी (रत्न)
श्री तीन देवडी मंदिर, वेदान्त पीठ,
सारंगपुर पुल के नीचे,
सारंगपुर,
अहमदाबाद - २

॥ श्री राम ॥

सनातन हिन्दू धर्म में अनेकानेक मत है, क्यों कि यद आदि अनादि है, समय समय पर अनेकानेक महापुरुषोंने अपने अपने समय के अनुकूल सम्प्रदाय, मत् एवं पंथ चलाए। यदपी सभी मतों का उद्देश जगत् के जीवों का कल्याण, भगवत भक्ति का विस्तार एवं भगवत् प्राप्ति ही रहा है - अस्तु।

इसि श्रृंखला में एक सम्प्रदाय है "सत्पंथ सम्प्रदाय" यह एक विशिष्ट प्रकार का सम्प्रदाय है। इस सम्प्रदाय के प्रवर्तक संत इमामशाह महाराज थे।

इस सम्प्रदाय का प्रमुख धर्म स्थान सत्पंथ प्रेरणापीठ - पीराणा, अहमदाबाद - गुजरात है। जो सत्पंथ सम्प्रदाय की गुरुगादी मानी जाती है। इसके उपरान्त भी इसके भारत भर में कई धर्म स्थान है। जहाँसे धर्मप्रेमी जनता जनार्दनको धर्मकी शिक्षा-दिक्षा प्राप्त होती रहती है।

यहाँ के पूर्व गादीपति प.पू. जगद्गुरु श्री करशनदासजी महाराजने इस स्थान पर और भी भव्यतानव्यता, लोग के साथ साथ अनेकानेक दिव्य कार्य किये, जिससे भाविको में धर्म के प्रति और भी बढोतरी हुइ। आपके ही पद चिह्नो पर चलते हुए आपके सुयोग्य उत्तराधिकारी वर्तमान जगद्गुरु प.पू. श्री नानकदासजी महाराजने भी इस स्थान की ख्याति में चार चाँद लगादिऐ है।

उन्ही की गादी महोत्सव के दशाब्दि महोत्सव पर भारतभर में से संत महंत महापुरुषो को आमंत्रित कर यह भव्य दशाब्दि महोत्सव मनाया जा रहा है।

इस भव्य समारोह में हमारी ओर से बधाई, शुभकामना, साधुवाद।

•

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n51/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પ.પૂ. મહંતશ્રી રમેશગીરીજી
ગુરુ શ્રી મહંત રઘુનાથગીરીજી
શ્રી ભવનાથ મહાદેવ મંદિર તથા મૃગીકુંડ
ભવનાથ તળેટી,
જુનાગઢ – ૩૬૨ ૦૦૪

અખિલ ભારતીય સંત સમિતિનું રાષ્ટ્રીય મહા અધિવેશન એવમ્ સત્પંથાચાર્ય જગદ્ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજ - પીરાણા. આપના તરફથી આમંત્રણ પત્રિકા મળેલ છે, તેના અનુસંધાને સંત દર્શન અને જ્ઞાનવાણી તેમજ ભક્ત સમુદાયનું મિલન થશે અને એમાં ત્રિવેણી સંગમમાં સ્નાન કરવાનો લહાવો મળશે. અમો ગીરનારમાં સુપ્રસિધ્ધ શ્રી ભવનાથ મહાદેવમાં બિરાજમાન છીએ તથા જ્યાં નવનાથ ચોરાસી સિધ્ધોનાં બેસણાં છે, બાવન વીર અને ચોસઠ જોગણીઓ જ્યાં નિવાસપાન કરતા હોય અને દત્તાત્રેય ભગવાન જ્યાં બિરાજમાન હોય અને મા અંબા બિરાજમાન હોય તેવા ગરવા ગિરનારની તળેટીમાં નાના-મોટા સંતો મહંતો પદાધિકારીઓ બિરાજમાન છે. આ પીરાણા સંત સંમેલન સફળ થાય અને એવા અનેક સંત સંમેલન થાય અને આપ સૌને ભવનાથદાદા તથા મહંતશ્રી રમેશગીરી તથા તેમના ગુરુભાઈ અમરગીરી વતી શુભકામના પાઠવે છે.

પૂ. જગદ્ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજ દશાબ્દિ મહોત્સવ પ્રસંગે ભવનાથ મહાદેવને પ્રાર્થના કરીએ છીએ કે તેમની તંદુરસ્તી સદાને માટે જળવાઈ રહે અને આવા ધાર્મિક પ્રસંગો તેમના દ્વારા વારંવાર થાય.

બસ એ જ.

realpatidar.com

Link: http://www.realpatidar.com/library
email: mail@realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n52/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પૂ. શ્રી કનીરામદાસજી મહારાજ
ગુરુશ્રી કલ્યાણદાસજી મહારાજ.
શ્રી વડવાળા મંદિર, દૂધરેજ.
જિ. સુરેન્દ્રનગર (ગુજરાત)

પ.પૂ. પરમવંદનીય જગદ્‌ગુરુ સત્‌પંથાચાર્ય શ્રી નાનકદાસજી મહારાજ,
પ્રેરણાપીઠ - પીરાણાના શ્રી ચરણોમાં વંદન.

પ્રેરણાપીઠ મુકામે ચતુર્વિધ મહોત્સવ યોજાઈ રહેલ છે જેમાં અખિલ ભારતીય સંત સમિતિનું રાષ્ટ્રીય અધિવેશન એવમ્ ૨૩મા ગાદીપતિ પ.પૂ. જગદ્‌ગુરુ સત્‌પંથાચાર્યશ્રી નાનકદાસજી મહારાજના દશાબ્દિ મહોત્સવ પ્રસંગે આપની સંસ્થાના આયોજકો દ્વારા ભારતભરના સેંકડો સાધુ-સંતો, મહંતો, મંડલેશ્વરો, મહામંડલેશ્વરો, જગદ્‌ગુરુશ્રીઓ, શંકરાચાર્યો જેવા મહાન વિભૂતિઓને આમંત્રિત કરી અને પ્રેરણાપીઠ મુકામે જાણે મહાકુંભ યોજાઈ રહ્યો હોય એવી પ્રતિતિ થઈ રહી છે.

આવા મંગલમય પ્રસંગે ભારતભરના પૂનિત સંતોની અમૃતમય વાણી, સંતદર્શનનો લાભ સમગ્ર જનતા જનાર્દનને મળશે. જેના થકી આજના આવા ભૌતિકવાદ તરફ પ્રેરાતા કેટલાય યુવાનોને આ પ્રસંગ દિવાદાંડી સ્વરૂપ બની રહેશે. તો આવા ધાર્મિક, સામાજીક રાષ્ટ્રીય ઉત્થાન માટે અને ધર્મરક્ષા, રાષ્ટ્રરક્ષા, ગૌરક્ષાના ઉદ્દેશ થકી આવો પાવન કાર્યક્રમ યોજાઈ રહ્યો છે તો આ પ્રસંગની સફળતા માટે ભગવાન શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણને મંગલ પ્રાર્થના કરું છું અને પ્રસંગની શુભકામના પાઠવું છું.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n53/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

"अंजनेश जी."
स्वामी अंजनेशानन्द सरस्वती,
राष्ट्रीय संगठन मंत्री : अखिल भारतीय संत समिति
तारा चण्डी धाम, सासाराम ।

॥ ॐ श्री निष्कलंकी नारायणाय नमः॥

पवित्र संप्रदाय सत्पंथ शुद्ध ब्रह्म तत्त्व आदि सनातन धर्म वैदिक सनातन सत्य मार्ग सत्पंथका मार्गदर्शन अनुकरणीय एवं दृष्टांत मूलक है । सर्व धर्म समभाव मानविय सुफियाना भावनाओं पर आधारित सम्पूर्ण मानव समाजको सत्य के मार्ग पर ले जानेका सार्थक प्रयास है । सत्पंथ में सभी पंथो का समावेश है । और यह शुद्ध सनातन धर्म का प्रचार मूलक है ।

जगत्गुरु सत्पंथाचार्य श्री करसनदासजी महाराज के अखण्ड ज्ञान - प्रेम ज्योति को आगे - और आगे तक जाने को तत्पर २३वें जगत्गुरु सत्पंथ प्रेरणापीठ - पीराणा के पीठाधिश्वर आज के नायक जगद्गुरु श्री नानकदासजी महाराजका मंगल कामना करता हूँ ।

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n54/mode/1up

realpatidar.com

॥ ॐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પૂ. મહામંડલેશ્વર સ્વામી બજરંગદાસજી
ગુરુશ્રી સ્વામી ગંગાદાસજી મહારાજ
નિરાલી ખોડીયાર મંદિર – ઉદાસીન આશ્રમ
ભાલકા તીર્થની બાજુમાં, વેરાવળ બંદર,
જિ. જુનાગઢ (ગુજરાત પ્રદેશ)

પ.પૂ. જગદ્‌ગુરુ સત્‌પંથાચાર્ય શ્રી નાનકદાસજી મહારાજ
ગુરુ પ.પૂ. આદ્ય જગદ્‌ગુરુ સત્‌પંથાચાર્ય શ્રી કરસનદાસજી મહારાજ
અ.ભા. સનાતન સત્‌પંથ સમાજ સેવા મંડળ - પ્રેરણાપીઠ (પીરાણા)

અતિ ખુશાલી સાથ સહર્ષ જણાવવાનું કે પ.પૂ. જગદ્‌ગુરુ સત્‌પંથાચાર્ય શ્રી નાનકદાસજી મહારાજ દ્વારા પ્રેરણાપીઠ - પીરાણા મુકામે શ્રી અ.ભા. સંત સમિતિનું રાષ્ટ્રીય વૈદિક ધર્મ મહાઅધિવેશન એવં ચતુર્વિધ મહોત્સવ આગામી તા. ૧૭-૧૮-૧૯ નવેમ્બર - ૨૦૧૨ના શુભ દિવસોએ યોજાઈ રહ્યો છે તે આનંદની વાત છે. આપશ્રીના દસ વર્ષ ગાદીના પૂર્ણ થયેલ હોવાથી જે વિકાસ કર્યો તેના અનુસંધાને હું આપશ્રીને મારો હાર્દિક શુભ સંદેશ પાઠવી રહ્યો છું.

આ સાથે જણાવવાનું કે આપશ્રીએ આશ્રમના (પ્રેરણાધામના) એવં સેવકગણમાં ખૂબ ચાહના મેળવી છે અને એ રીતે મેળવતા રહો..એવી મારી શુભકામના.

એવં સેવકગણને તથા પ્રેરણાધામ(પીરાણા) ટ્રસ્ટના સૌ ટ્રસ્ટીઓને અંતઃકરણની શુભકામનાઓ સાથે મારા અંતરના આશીર્વાદ પાઠવી રહ્યો છું તેમજ વૈદિક સનાતન ધર્મનો પ્રચાર કરતા રહો અને શ્રી નિષ્કલંકીની અખંડ જ્યોત જલતી રહેશે. એ જ.

હરિ ૐ

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n55/mode/1up

2012-11 -Dashabdi Mahotsav -Sant Sammelan & Nanakdas Maharaj (Kaka) -Smruti Granth (310)

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પૂ. મહંતશ્રી સદાનંદજી મહારાજ

અધ્યક્ષશ્રી : અ.ભા. સંત સમિતિ (ગુજરાત પ્રાંત)
શ્રી હનુમંતધામ સનાતન ધર્મ સેવા આશ્રમ,
મુ. બાવળી, તા. ધ્રાંગધ્રા – સુરેન્દ્રનગર.

"રામ જન્મ કે હેતુ અનેકા, પરમ વિચિત્ર તે એક હી એકા."

શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણ ભગવાનની કૃપાથી સત્પંથ પ્રેરણાપીઠના પીઠાધિશ્વર પ.પૂ. જગદ્ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજ ગાદી ગ્રહણ કર્યા તેનાં દસ વર્ષ પૂર્ણ કરી રહ્યા છે ત્યારે તેમનો દશાબ્દિ મહોત્સવ અખિલ ભારતીય સનાતન સત્પંથ સેવા મંડળ દ્વારા શ્રી અખિલ ભારતીય સંત સમિતિના સંયોજનથી ઉજવાઈ રહ્યો છે તે આપણા સૌને માટે આનંદની વાત છે.

તેમને આ દસ વર્ષ દરમ્યાન ધર્મ પ્રચાર અને હિન્દુ સંસ્કૃતિના જતન માટે રાષ્ટ્રીય ચેતના ઉજાગર કરતાં અનેકવિધ રાષ્ટ્રીય સંગઠનના કાર્યક્રમો, શિબિરો, બાળ સુસંસ્કાર શિબિરો, ધર્મરક્ષા - રાષ્ટ્રરક્ષા અને ગૌરક્ષા જેવા સેવાકીય અભિયાનો ચલાવી માનવ કલ્યાણની કલ્યાણકારી વૈદિક પરંપરાને ભારતભરના માનવ સમુદાય સુધી પહોંચાડવા પ્રયત્ન કરી વિકાસની ગતિને દિશાધીન કરેલ છે. તેમજ આ પીઠના આચાર્યોએ સમગ્ર ભારતભરના વિવિધ સંપ્રદાયોના સંતોને છ - છ વાર એક પીઠ પર એકત્ર કરી સર્વ સંતોની વિચારધારાઓનું સંકલન કરી ધર્મરક્ષા - રાષ્ટ્રરક્ષા જેવા ભગીરથ રાષ્ટ્રીય ઉત્કર્ષ અને માનવ ઉત્થાનના કાર્યો કરી પ્રેરણાપીઠ તથા સત્પંથ સંપ્રદાયને ગૌરવ અપાવ્યું છે.

આ દશાબ્દિ મહોત્સવ પ્રસંગે શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણ ભગવાનની કૃપાથી પૂ. શ્રી નાનકદાસજી મહારાજના માર્ગદર્શન અનુસાર ભવિષ્યમાં પણ વિશેષ માનવ કલ્યાણના કાર્યો થતાં રહે એ જ શુભેચ્છા સહ પ્રાર્થના.

વિશેષમાં સૌ રાષ્ટ્રના સંત-મહાપુરુષો તથા મહાન વિભૂતિઓને ગુજરાત પ્રાંતના અધ્યક્ષ તરીકે હું નિવેદન કરું છું કે વર્તમાન સમયમાં વારંવાર હિંદુ ધર્મ ઉપર આવતાં સંકટો, હિન્દુ દેવી-દેવતાઓનાં અપમાનો, સાધુ-સંતોની ઉપેક્ષાઓ તેમજ તેમના પર થતા જીવલેણ હુમલાઓ જેવાં ધાર્મિક સંકટોના નિવારણ માટે સંગઠીત થઈ સંઘ બળ ઊભું કરવું જરૂરી છે. તો જ હિંદુ ધર્મ અને હિંદુ સંસ્કૃતિનું રક્ષણ થઈ શકશે. આપ સૌ મારા વિચારને અનુમોદન આપશો એ જ પાવન અભિલાષા.

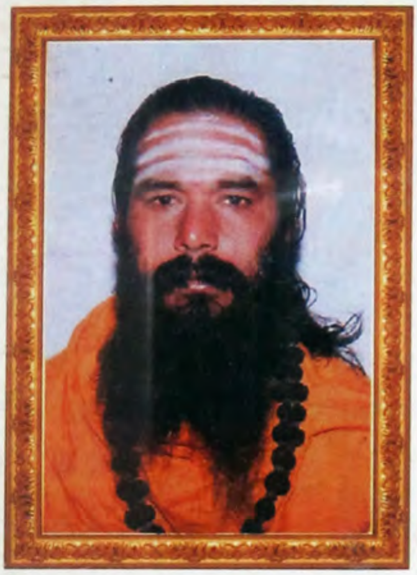
realpatidar.com

Link: http://www.realpatidar.com/library
email: mail@realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n56/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પૂ. મહંતશ્રી બ્રહ્મચારી વિશ્વરાનંદજી મહારાજ

ઉપાધ્યક્ષશ્રી :
અ.ભા.સંત સમિતિ – ગુજરાત પ્રાંત
નારાયણ મઠ, લાલદરવાજા,
સુરત.

અખિલ ભારતીય સંત સમિતિનું રાષ્ટ્રીય મહાઅધિવેશન અને સત્‌પંથાચાર્ય જગદ્‌ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજનો દશાબ્દિ મહોત્સવ પ્રસંગ પ્રેરણાપીઠ પીરાણામાં યોજાઈ રહ્યો છે. જેના દ્વારા વિવિધ સંપ્રદાયના સંતો એકમંચ પર ઉપસ્થિત રહેશે અને એક વિધારધારાને સમર્થન મળશે જેનો યશ સત્‌પંથ સનાતન સેવા મંડળના કાર્યકરો યશભાગી છે. પ.પૂ. નાનકદાસજી મહારાજને તંદુરસ્ત દિર્ઘાયુ પ્રાપ્ત થાય તેવી પરમાત્માને પ્રાર્થના.

સંત સમિતિના ઉપાધ્યક્ષના નાતે હું ગૌરવની લાગણી અનુભવું છું.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n57/mode/1up

realpatidar.com

॥ ॐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

શ્રી મહંત વેદવ્યાસપુરીજી મહારાજ

પ્રાંતિય મહામંત્રીશ્રી : અ.ભા.સંત સમિતિ-ગુજરાત
શ્રી વાળીનાથ મહાદેવ, વેદાન્ત આશ્રમ.
મુ. પો. છાપી. તા. ઈડર. જિ. સાબરકાંઠા.

"સંત જીવનનું દશાબ્દિ પર્વ"

આપણી વૈદિક સંસ્કૃતિ પરંપરા યુગો પુરાણી છે. આપણા ઋષિઓએ આપણને સંસ્કારનો વારસો આપ્યો છે. જેને વર્ષોથી સંતોની પરંપરા રક્ષા કરતી આવી છે. હિંદુ સમાજે મેળવેલ સંસ્કાર વડે ધર્મની સુરક્ષા થતી આવી છે. આ સનાતન ધર્મ આદિ ધર્મ છે. એણે દુનિયાના અન્ય ધર્મોને જન્મ આપ્યો છે. એટલે હિંદુ સનાતન ધર્મ એ તો જગતના ધર્મોના પિતા-જનક છે.

આપણી વૈદિક પરંપરામાં ચાર વેદે જે આજ્ઞા કરી છે તે પ્રમાણે માનવ જીવન બનાવવા સતત પુરુષાર્થ કર્યા જ કરે છે. તેની સાથે દરેક વ્યક્તિઓ પોતાના જીવનને સાંકળીને ઈશ્વર ઉપાસના વડે શાંતિ મેળવવા પ્રયત્નશીલ રહી સંસ્કૃતિના સંસ્કારનું વહન પેઢીઓથી કરતા આવ્યા છે. આવા ધર્મ જગતના અલગ અલગ વિચારધારા અનુસાર પોતપોતાની ઉપાસના પદ્ધતિને પરંપરામાં વારસાગત સ્થિર કરીને એક સંપ્રદાયનો આકાર અપાયો, એ પણ વૈદિક પરંપરામાં સતત સંબંધમાં રહીને સ્થિર વૈદિક ભાવનાને સાથે રાખી હોવા છતાં ઉદાર વિચારધારાને વરેલ આ પ્રવાહમાં આગળ વધીને વર્ષોથી વહન થતો ધર્મ સંસ્કાર આપણી સૌની રોજનીશીમાં વણાયેલ છે.

એવી કામના કરીએ છીએ કે; જગદ્‌ગુરુ સત્‌પંથાચાર્ય શ્રી નાનકદાસજી મહારાજશ્રી તેઓ મહાન વિરક્ત સંત જેવા તપોનિધિ સમાન સંત છે. સનાતન સત્‌પંથ ધર્મના આધારે હિંદુ સંસ્કૃતિ સાથે ધર્મનો પ્રચાર કરી રહ્યા છે. તેઓને ભગવાન ખૂબ ખૂબ સમર્થતા આપે એવી મંગલ શુભકામના....

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n58/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

ડો. શ્રી હિતેશજી મહારાજ
અધ્યક્ષશ્રી : શ્રી મહાલક્ષ્મી સેવા ટ્રસ્ટ
તાલુકા પંચાયત કચેરી સામે,
ભુજ-કચ્છ - ૩૭૦ ૦૦૧

શ્રી અખિલ ભારતીય સંત સમિતિનું રાષ્ટ્રીય વૈદિક ધર્મ મહા અધિવેશન એવમ્ ચતુર્વિધ મહોત્સવ

અખિલ ભારતીય સત્‌પંથ સમાજ :

પ્રેરણાપીઠના આંગણે તા. ૧૭-૧૮-૧૯ નવેમ્બર, ૨૦૧૨ના શુભ દિને સંત મહાયજ્ઞને હું મારી અંતરની શુભેચ્છા પાઠવું છું.

"સકલ મનોરથ હોઈ તુમ્હારા"

શ્રી અખિલ ભારતીય સત્‌પંથ સમાજ દ્વારા પ્રેરિત વિરાટ રાષ્ટ્રીય વૈદિક ધાર્મિક સંત સંમેલન અને ચતુર્થ મહોત્સવ પ્રેરણાપીઠ - પીરાણાના આંગણે પાવન ધરા ઉપર તા. ૧૭-૧૮-૧૯ નવેમ્બર ૨૦૧૨ના શુભ દિને યોજાઈ રહ્યાં છે, જે અમો કચ્છ સાધુ મંડળ તેમજ કચ્છ અને સૌરાષ્ટ્ર વિશ્વ હિન્દુ પરિષદ ગૌરવની લાગણી અનુભવી રહ્યા છે.

જે હિન્દુ ધર્મ માટે ગૌરવની લાગણી અનુભવી રહ્યા છીએ, વૈદિક પરમ્પરા અનુસાર હિન્દુ રાષ્ટ્રને શોભે એવું કાર્ય થવા જઈ રહ્યું છે એ પ્રસંગે આપણ સૌને સાથે મળીને આ કાર્યને દિપાવવુ જોઈએ અને લોક જનમાનસ સુધી આ વૈદિક ધારા જન-જનના હૃદયમાં હંમેશાં અવિરત વહેતી રહે એવી શુભેચ્છા સહ...

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n59/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

पू. सतपाल ब्रह्मचारी

अध्यक्ष : जी. थानाराम आश्रम
हरिद्वार

श्री जगद्गुरु प्रेरणा पीठाधीश्वर सत्पंथाचार्यजी श्री नानकदासजी महाराजजी की स्मृति पीराणा पीठ की आचार्य गद्दी को सुशोभित कर रहे है। वैदिक धर्म, संस्कृत साहित्य में उत्थान तथा प्रचार प्रसार के लिये तन-मन-धन से समर्पित होकर प्रयत्नशील हैं। तथा सनातन धर्म का सतत कार्य कर रहे है। हम मा पतित पावनी गंगा से प्रार्थना करते है। कि आप दिर्घायु हों। देश, समाज और सनातन संस्कृति की सदा सेवा करते रहे।

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n60/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

प.पू. श्री महन्त बलवन्तसिंह महाराज
सचिव : पंचायती अखाडा निर्मला
अध्यक्ष : अ.भा. अखाडा परिषद
सतीघाट रोड, कनखल
जि. हरिद्वार (उत्तराखण्ड)

हमें जानकर अति प्रसन्नता हो रही है कि जगद्गुरु सत्पंथाचार्य श्री नानकदासजी महाराजकी दशाब्दी जगद्गुरु पद प्रतिष्ठा महोत्सव के पावन शुभ अवसर पर मैं पूज्य महाराजजी को एवं सत्पंथ को हार्दिक शुभकामनाऐ देता हूँ।

अखिल भारतीय संत समिति के २३वें बिराट महा अधिवेशन में एक अविस्मरणीय भव्य - दिव्य आयोजन किया जा रहा है जिससें सत्पंथ की महिमा और भी गौरान्वित होगी।

•

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n61/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

प.पू. महंत मित्रप्रकाशसिंह कोठारी
पंचायती अखाडा निर्मला (रजि.)
श्री निर्मला पंचायती अखाडा
सतीघाट रोड, कनखल,
जि. हरिद्वार (उत्तराखण्ड)

सत्पंथ एक अथर्ववेदीय परम्परा का संवाहक पंथ है । जगद्गुरु सत्पंथाचार्य श्री नानकदासजी महाराज श्री पंचायती अखाडा निर्मला (रजि.) के महामण्डलेश्वर है । इस लिए उनके दशाब्दि महोत्सव पर अपनी हार्दिक प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रभु से प्रार्थना करता हूँ कि ये स्वस्थ, दीर्घजीवी रह कर इसी प्रकार दिव्य आयोजन करते रहे और हमारे पंचायती अखाडा निर्मला (रजि.) का नाम रोशन करते रहें ।

•

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n62/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

पू. गुरुबाबा महाराज औसेकर
नाथ संस्थान,
औसा. जि. लातूर (महाराष्ट्र)

सभी सत्पंथ परिवार के सदस्योको मेरा जय गुरुदेव।

प्रेरणापीठ - पीराणामें जो चतुर्विध महोत्सव और संत संमेलन का आयोजन हो रहा है उसके लिए हमारी ओर से बहोत बहोत साधुवाद।

प्रेरणापीठ की पावन परंपरा और सत्पंथीओकी सेवा, तपस्या ज्ञान, साधना, निरंतर अखण्डीत धर्मकार्य, तत्त्वनिष्ठता, त्याग, प्रेम इन सद्‌गुणो से हम अवगत है। सभी मानवजाति के उत्थान के लिए जो कार्य हो रहा है, बह सराहनीय है। आप के हाथो ऐसा ही भगवत् कार्य होता रहे यही अभ्यर्थना।

•

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n63/mode/1up

realpatidar.com

॥ ॐ श्री નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

प.पू.प.म. आचार्य
मानेकर बाबा शास्त्री महानुभाव
श्री दत्त मंदिर संस्थान, सावदा,
ता. रावेर, जि. जलगांव.

प्रेरणापीठ - पीराणामें आयोजित चतुर्विध महोत्सव एवं अखिल भारतीय संत समिति के राष्ट्रीय महा अधिवेशन को हमारी शुभकामनाए।

संत तीर्थोमें नहीं जाते, संत जहां जाते है, वहा तीर्थ बन जाता है।

आज प्रेरणापीठ की भूमि पावन तीर्थ बन चूकी है। सतूपंथ की इस दिव्य परंपराको हमारे अखिल भारतीय महानुभावो सांप्रदाय की ओर से बहोत धन्यवाद।

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n64/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

शास्त्री भक्तिप्रसाददासजी

अध्यक्ष : श्री स्वामिनारायण गुरुकुळ संस्था, जलगाँव
३८, गंधर्व कॉलोनी, गणेश कॉलनीजवळ,
जलगाँव - ४२५००१. (महाराष्ट्र)

॥ जय स्वामिनारायण ॥

अखिल भारतीय सनातन सत्पंथ समाज द्वारा आयोजित प्रेरणापीठ पीराणा की पावन भूमि पर चतुर्विध महोत्सव एवं अखिल भारतीय संत समिति के राष्ट्रीय अधिवेशन और जगद्गुरु श्री नानकदासजी महाराज इनकी रजततूला कार्यक्रमको हमारी ओर से शुभकामना।

सत्पंथ संप्रदाय की ओर से जो धर्मरक्षा का कार्य हो रहा है, वह सराहनीय है । हम अपने स्वामिनारायण परिवारकी ओरसे सत्पंथ प्रेरणापीठ - पीराणाके ईन कार्योका स्वागत करते है।

सभी हरिभक्तो और संत समाज को जय स्वामिनारायण।

•

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n65/mode/1up

2012-11 -Dashabdi Mahotsav -Sant Sammelan & Nanakdas Maharaj (Kaka) -Smruti Granth (310)

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

શાસ્ત્રી શ્રી સર્વમંગલદાસજી
શ્રી સ્વામિનારાયણ મંદિર
વડતાલ.

સનાતન સત્‌પંથ સંપ્રદાય બ્રહ્મલીન જગદ્‌ગુરુ શ્રી કરસનદાસજી મહારાજની શુભ પ્રેરણા એવમ્ પ્રેરણા પીઠાધીશ્વર પૂ. જગદ્‌ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજના આશીર્વાદથી અખિલ ભારતીય સંત સમિતિ રાષ્ટ્રીય મહા અધિવેશન તા. ૧૭-૧૮-૧૯ નવેમ્બર ૨૦૧૨ના રોજ રાખેલ છે. રામાનંદાચાર્યો, શંકરાચાર્યો એવમ્ મંડલેશ્વરો, આચાર્યગણ, શ્રી મહંત તથા સંતોના દિવ્ય દર્શન અૃમતવાણીનો લાભ સનાતન સત્‌પંથ સંપ્રદાયને તથા સત્‌પંથ ભક્તોને દિવ્ય લાભ મળતો રહે છે.

સત્‌પંથ સત્યનો પંથ છે. લાખો ભક્તો સત્‌પંથમાં જોડાયેલા છે. ભગવાન શ્રી હરિને પ્રાર્થના કરીએ કે દિન પ્રતિદિન સત્‌પંથ સંપ્રદાય આગળ વધે એવી ભગવાન શ્રી સ્વામિનારાયણને પ્રાર્થના કરીએ છીએ. ભગવાન ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણના ચરણોમાં પ્રાર્થના કરીએ છીએ.

realpatidar.com

Link: http://www.realpatidar.com/library
email: mail@realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n66/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

સ્વામી પુરુષોત્તમચરણદાસ શાસ્ત્રી
શ્રી સ્વામિનારાયણ સંસ્કારધામ
ગુરુકુળ – ઝૂંડાલ,
તા. જી. ગાંધીનગર.

આ પૃથ્વીના ગોળા ઉપર ઈશ્વરે જળ, સ્થળ, ગિરિ, કંદરા, વન, પર્વતો, મેદાનો વગેરે અલગ અલગ રચના કરીને ધરતીની ઓળખ આપી છે.

તેમાં માનવીએ પણ પોતાની રીતે અને પોતાના ગમતા ઈશ્વરના વૈભવમાં હથોડા મારીને વિભાજન કર્યું છે. મનુષ્યે પોતાના સ્વભાવ, રુચી, ગુણ, ધર્મ અને ભાષા વેષભૂષા પ્રમાણે રાષ્ટ્રોની રચના કરીને શાંતિનો અનુભવ લીધો છે.

પરંતુ કેટલાક લોકો વિસ્તારવાદી બનીને બીજાના દેશમાં પોતાના સ્વાર્થ અને સ્વભાવ પ્રમાણે ધર્મ ભાષાને ઠોકી બેસાડીને સ્વ સ્વાર્થને સિધ્ધ કરવાનો પ્રયાસ કર્યો છે.

પરંતુ હવે આપણે જોવાનું એ રહ્યું છે કે "જાગ્યા ત્યાંથી સવાર". સમજી વેદકાળના પૂર્ણ ભારતના નિર્માણમાં સફળતા પ્રાપ્ત કરીએ અને એનો યશ પ્રેરણાપીઠના વર્તમાન જગદ્ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજને મળે એવી શુભકામના.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n67/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પૂ. મહંત શાસ્ત્રી આત્મપ્રકાશદાસજી
શ્રી સ્વામિનારાયણ મંદિર - જેતલપુરધામ
ગુરુકુળ કેમ્પસ,
મુ. જેતલપુર. તા. દસક્રોઈ. જિ. અમદાવાદ.

શ્રી સ્વામિનારાયણ ભગવાન

આજથી બસો વર્ષ પહેલાં સત્‌પીઠ પ્રેરણાધામમાં પધારીને સદ્‌ગુરુને ચાદર અર્પણ કરી પૂજન કર્યું ત્યારે ગાદીપતિશ્રીએ ભગવાનની પૂજા કરી સત્કાર કર્યો. તે દિવસથી સ્વામિનારાયણ સંપ્રદાય અને પ્રેરણાપીઠ આદરભાવથી જોડાયા છે.

અખિલ ભારતીય સત્‌પંથ સંપ્રદાય દ્વારા અખિલ ભારતીય સંત સમિતિનું રાષ્ટ્રીય વૈદિક ધર્મ મહા અધિવેશન ઉજવવામાં આવી રહ્યું છે તે ભવ્ય આયોજનના અવસર પર પ્રસિધ્ધ કરવામાં આવનાર સ્મૃતિગ્રંથ સત્‌પંથ સંપ્રદાયને પ્રેરણા આપનાર બની રહેશે અને આ મહોત્સવની સફળતાને અમારી શુભકામના શુભેચ્છા પાઠવીએ છીએ.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n68/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

બાલયોગી પૂ. મહંત શ્રી
સ્વામી અખિલેશ્વરદાસજી મહારાજ

(માનસ પ્રવક્તા)
સદસ્ય : કેન્દ્રિય માર્ગ દર્શક - વિ.હિ. પરિષદ
શ્રી ગોપાલ લાલજી રામજી મંદિર,
મોટી સાલવીવાડ, સરસપુર
અમદાવાદ, (ગુજરાત)

સતૃપંથ પ્રેરણા પીઠાધિશ્વર પરમ પૂજ્ય આચાર્ય જગદ્‌ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજને પ્રેરણાપીઠની ગાદી પર બિરાજમાન થયે દસ વર્ષ પૂરાં થાય છે. જેના અનુસંધાને પ્રેરણાપીઠમાં તા. ૧૭-૧૮-૧૯ નવેમ્બર ૨૦૧૨ના શુભ દિને શુભ અવસરે આપના કરેલાં કાર્યોને બિરદાવવાનો સમય આવ્યો છે. આપે સારાએ હિન્દુ સમાજ માટે ગૌરવશાળી ભૂમિકા તેમજ સમાજ માટે અખંડ જ્યોતની સુવાસ જલતી કરી છે. જેનો પ્રકાશ આજે આપણે જોઈ રહ્યા છીએ. આવા અનેક સંત સંમેલનો ભરીને સર્વે સંપ્રદાયો એક મંચ પર બેસાડીને સાધુ સમાજની એકરૂપતા માટે ખૂબ જ મોટી ભૂમિકા ભજવી છે. આપ રાષ્ટ્રીય સંત તરીકે ધર્મ સુરક્ષાની ખૂબ જ મોટી જવાબદારી સંભાળી રહ્યા છો. આપની પ્રેરણાપીઠની ગાદી પરથી દશમો અવતાર હવે થવાનો છે અને શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણ ભગવાન જ્યારે પૃથ્વી પર અવતરશે તેનો શ્રેય આપના ભક્તો સતૃપંથીઓને જશે. જેનો અમો સાધુ સંતો ગર્વ લઈએ છીએ.

"તમસો મા સદ્ ગમય" ના ટાઈટલથી જે કાર્ય થઈ રહ્યું છે તે એક નવા શ્લોગનથી થઈ રહ્યું છે આવા અનેક ઉપયોગી કાર્ય આપના હાથથી થાય અને આખાય હિન્દુ સમાજમાં આપની કીર્તિ અનેક ગણી પ્રસ્થાપીત થાય એવી શુભ કામના સાથે....

જય શ્રી રામ
ભારત માતા કી જય

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n69/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

બ્રહ્મચારી શ્રી આનંદલાલજી મહારાજ
ગાદીપતિશ્રી : નારાયણ સરોવર જાગીર
તા. લખપત – કચ્છ.

શ્રી અખિલ ભારતીય સંત સમિતિનું રાષ્ટ્રીય વૈદિક ધર્મ મહા અધિવેશન એવં ચતુર્વિધ મહોત્સવ.

અખિલ ભારતીય સનાતન સત્‌પંથ સમાજ સેવા મંડળ પ્રેરિત વિરાટ રાષ્ટ્રીય વૈદિક ધર્મ સંમેલન - પ્રેરણાપીઠની પાવન ધરા ઉપર જે સંમેલન યોજાઈ રહ્યું છે જેને હું સહર્ષ આવકારું છું.

નોંધ : આવુ સંમેલન આપણા સૌના ધર્મસ્થાન નારાયણ સરોવર મધ્યે યોજાય, એવી મારી અંતરની ભાવના છે. મારી ભાવના સર્વે સંતો તેમજ ભક્તો સ્વીકારશો અને મદદરૂપ થશો તેવી અપેક્ષા સાથે આપને અંતરના આશીર્વાદ.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n70/mode/1up

2012-11 -Dashabdi Mahotsav -Sant Sammelan & Nanakdas Maharaj (Kaka) -Smruti Granth (310)

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પૂ. મહંત શ્રી ૧૦૮ પંડિત
શ્રી ચરણદાસજી બાપુ સાહેબ
ગુરુવર પ.પૂ. શ્રી તપસ્વી મહારાજ સાહેબ
શ્રી કબીર યોગાશ્રમ,
મુ. લીંબડી, જિ. સુરેન્દ્રનગર.

શ્રી સત્‌પંથાચાર્ય શ્રી નાનકદાસજી મહારાજ સાહેબ
શ્રી પીરાણાધામ મંદિર - પ્રેરણાપીઠ, અમદાવાદ.

સત્‌પુરુષ કબીર સાહેબની અસીમ કૃપા દૃષ્ટિ અને ગુરુદેવની મહાન દયા રહે. સદ્‌ગુરુશ્રીની અસીમકૃપા સાથે અમારા પવિત્ર વંદના સહીત જણાવવાનું કે આપ મહાન પુરુષને અમો અમારા અંતઃકરણ પૂર્વકના પવિત્ર સંદેશા સાથે નમ્ર ભાવે વંદન પાઠવીએ છીએ. આપના સત્‌પંથાચાર્ય પદને ૧૦ વર્ષ પૂર્ણ થયાં છે તે નિમિત્તે કરીને મહા મહોત્સવ આપ ઉજવી રહ્યા છો, આપના આ પવિત્ર પ્રસંગને અંતઃકરણ પૂર્વ આનંદની સાથે સ્વીકારી વંદન કરી આપને સત્‌પુરુષ તથા મહાન દૈવી શક્તિનો સહારો રહે તેમજ સંતોની આંતરિક શક્તિ સાથે રહે તેવા સ્નેહભર્યા ભાવની સાથે આ પવિત્ર પ્રસંગે અમારા વંદન સ્વીકારશોજી.

ધન્ય ભાવિ ભાગ્ય વિધાતાને.

realpatidar.com

Link: http://www.realpatidar.com/library
email: mail@realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n71/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

शास्त्री विपुलभाई कनैयालाल राजगोर
प्रधानाचार्य, संतश्री संध्यागीरीबापु वेद विद्यालय,
आधोई - सामखियाळी (कच्छ)

ॐ

प्रेरणापीठ सत्पंथ धाम पीराणाया वैदिक सनातन धर्मस्य दर्शनं भवति अद्यआरभ्य ६०० वर्ष पूर्वे सद्गुरु श्री इमामशाह महाराजेन वेदाधारित परंपरायाः उपदेशं अददत् श्री अखिल भारतीय संत समितिना राष्ट्रीय वैदिक धर्म महा अधिवेशनं एवं चतुर्विध महोत्सव अयं प्रेरणापीठस्य पावन वसुंधरायाम् भविष्यति। एवं परम वंदनीय जगद्गुरु सत्पंथाचार्य श्री नानकदासजी महाराजस्य जगद्गुरु पद प्रतिष्ठा महोत्सव एवं दशाब्दि महोत्सव तथा च विश्वशान्तर्ये अष्टोत्तर शत् (१०८) विष्णुयाग श्री निष्कलंकी नारायणेन "सर्वजन हिताय बहुजन सुखाय" हेत्वार्थे करोति। अस्मिन् कर्मणि निर्विघ्नतार्थे परिपूर्ण अस्तु एवं मंगल फलं लभतुं।

इति अस्माकं प्रार्थना।

"संत बिटप सरिता गिरिधरनी, परहित हेतु सबन्ह के करनी"

•

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n72/mode/1up

2012-11 -Dashabdi Mahotsav -Sant Sammelan & Nanakdas Maharaj (Kaka) -Smruti Granth (310)

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પૂ. પાદ શ્રી ગીરીબાપુ
(ગોસ્વામી મુકેશગીરી કાશીગીરી)
સાવરકુંડલા - જુનાગઢ.

અખિલ ભારતીય સંત સમિતિનું રાષ્ટ્રીય મહાઅધિવેશન અને જગદ્‌ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજનો દશાબ્દિ મહોત્સવ યોજાઈ રહ્યો છે ત્યારે પ્રેરણાપીઠના કાર્યકરોનો ખૂબ ખૂબ અભિનંદન.

આ મહાઅધિવેશનથી સમગ્ર ભારતના સાધુ-સંતો એક મંચ ઉપર પોતાના ઉચ્ચ-વિચારોથી એકત્ર થશે અને આથી હિન્દુ - સનાતન ધર્મની પ્રગતિને ખૂબ જ પ્રોત્સાહન બળ મળશે.

આ શુભ પ્રસંગે સત્‌પંથાચાર્ય જગદ્‌ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજને તંદુરસ્ત દિર્ઘાયુ પ્રાપ્ત થાય અને સત્‌કાર્યો કરવાની પ્રેરણા મળે તેવી મહાદેવજીને પ્રાર્થના સાથે શુભકામના. સાથે અખિલ ભારતીય સંત સમિતિ પણ ઉત્તરોત્તર ઉચ્ચ પ્રગતિ કરતી રહે તેવી શુભેચ્છા...

•

realpatidar.com

Link: http://www.realpatidar.com/library
email: mail@realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n73/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પૂ. મહંતશ્રી શ્યામભારતીજી
ગુરુ શ્રી વીરભારતીજી મહારાજ

સહમંત્રીશ્રી : અ.ભા.સંત સમિતિ-ગુજરાત પ્રાંત
શ્રી મોમાઈ મંદિર, ભારતીબાપુ આશ્રમ,
નીલપર પાટીયા,
રાપર (કચ્છ)

પ્રેરણાપીઠ પીરાણામાં અખિલ ભારતીય સંત સમિતિનું રાષ્ટ્રીય મહાઅધિવેશન અને જગદ્‌ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજનો દશાબ્દિ મહોત્સવ યોજાઈ રહ્યો છે, જેમનો યશ સનાતન સત્‌પંથ સેવા મંડળને આભારી છે.

રાષ્ટ્રીય સંત સંમેલન દ્વારા ભારતના દરેક સંપ્રદાયની વિચારધારાના સંતો એક મંચ પર એકતાના દર્શન કરાવશે અને ભક્તજનોને સમરસતાનાં દર્શન, સંતવાણીનો લહાવો મળશે. આ મંગલમય પ્રસંગને મારી શુભેચ્છા અને જગદ્‌ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજને તંદુરસ્ત દિર્ઘાયુ પ્રાપ્ત થાય તેવી પરમાત્માને પ્રાર્થના.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n74/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પ.પૂ. મહંતશ્રી વિશ્વંભરગીરીજી મહારાજ

કોષાધ્યક્ષશ્રી : અ.ભા.સં.સમિતિ-ગુજરાત પ્રાંત
કલ્યાણેશ્વર મહાદેવ મંદિર
મુ. કાંડાગરા. તા. મુન્દ્રા. જિ. કચ્છ

અખિલ ભારતીય સનાતન સત્પંથ સેવા મંડળ યોજીત શ્રી અખિલ ભારતીય સંત સમિતિનું રાષ્ટ્રીય મહા સંમેલન અને શ્રી સત્પંથાચાર્ય જગદ્‌ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજનો દશાબ્દિ મહોત્સવ પ્રેરણાપીઠ પીરાણામાં યોજાઈ રહ્યો છે તેમનું આમંત્રણ અમોને મળ્યું. અમો સંમેલનમાં હાજરી આપીશું. આવા સંત સંમેલન દ્વારા જુદા જુદા વિચારસરણી ધરાવતા દરેક સંતો એકમંચ પર ઉપસ્થિત રહી એકતાનાં દર્શન કરાવશે અને ભક્તોને સંત દર્શન અને સંતવાણીનો અનેરો લ્હાવો માણવા મળશે.

આ ભવ્ય પ્રસંગે પૂ. નાનકદાસજી મહારાજનો દશાબ્દિ મહોત્સવમાં હું ભગવાન શ્રી કલ્યાણેશ્વર મહાદેવને પ્રાર્થના કરું છું તેમને તંદુરસ્ત દિર્ઘાયુ પ્રાપ્ત થાય અને સદાય આવા સત્કાર્યો કરવાની પ્રેરણા થાય એવી પરમાત્માને પ્રાર્થના.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n75/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પૂ. પાર્ષદ રાજુ ભગતજી
પ્રચારમંત્રી - અ.ભા.સંત સમિતિ (ગુજરાત પ્રાંત)
સ્વામિનારાયણ મંદિર, વડતાલ ધામ.

સનાતન સત્‌પંથ સંપ્રદાય બ્રહ્મલીન જગદ્‌ગુરુ શ્રી કરસનદાસજી મહારાજની શુભ પ્રેરણા એવમ્ પ્રેરણાપીઠાધિશ્વર શ્રી જગદ્‌ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજ દશાબ્દિ મહોત્સવ નિમિત્તે એવમ્ અખિલ ભારતીય સંત સમિતિ રાષ્ટ્રીય મહા અધિવેશન તા. ૧૭-૧૮-૧૯ નવેમ્બર ૨૦૧૨ના રોજ રાખેલ છે. આચાર્યો, મહામંડલેશ્વરો એવમ્ આચાર્યશ્રી મહંતો તથા જગદ્‌ગુરુ શંકરાચાર્યો, સંતોનાં દિવ્ય દર્શન અમૃતવાણીનો લાભ સનાતન સત્‌પંથ સંપ્રદાયને તથા સત્‌પંથી ભક્તોને દિવ્ય લાભ મળતો રહશે. સત્‌પંથ સત્યનો પંથ છે અને સનાતન સંપ્રદાય છે. લાખો ભક્તો સત્‌પંથમાં જોડાયેલા છે. દરેક સંપ્રદાયના આચાર્યશ્રીઓ, સંતો, મહંતો શ્રી ઈમામશાહ મહારાજ સંસ્થા કમિટી તથા પ્રેરણાપીઠ સાથે જોડાયેલા છે. અવાર-નવાર દિવ્ય મહોત્સવ, સંત સંમેલનો કરતા આવ્યા છો અને સત્‌પંથ સંપ્રદાયને ભગવાન શ્રી સ્વામિનારાયણ આવીને આવી સેવા કરવાની શક્તિ અર્પે. જગદ્‌ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજને લાખ લાખ વંદન, ધન્યવાદ આપીએ છીએ તથા પ્રેરણાપીઠ મંદિરના તમામ ટ્રસ્ટી સભ્યોને શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણ ભગવાન દિન-પ્રતિદિન સેવા કરવાની શક્તિ આપે.

નૂતન વર્ષાભિનંદન સહ...

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n76/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પૂ. વેદાંતાચાર્ય સ્વામી નિર્લેપાનન્દ સરસ્વતી

પ્રચારક મંત્રીશ્રી :
અખિલ ભારતીય સંત સમિતિ
તા. જી. ગાંધીનગર. પેથાપુર.

"પરોપકારાય પુણ્યાય"

શ્રીમદ્ ભાગવત મહાપુરાણમાં લખ્યું છે કે પરોપકાર જેવું બીજું પુણ્ય નથી. અરે મારા વ્હાલાઓ ! જુઓ નદીઓ સ્વયં પાણી પીતી નથી, વૃક્ષો સ્વયં ફળ ખાતા નથી. ગાયમાતા સ્વયં દૂધ પીતી નથી આ બધું બીજાને હિતાર્થે જ હોય છે તેમ સતૂપંથધામ પ્રેરણાપીઠ - પીરાણાના પીઠાધિશ્વર પરમ પૂજ્ય સતૂપંથાચાર્ય શ્રી નાનકદાસજી મહારાજનો દશાબ્દિ મહોત્સવનો ઉદ્દેશ્ય સર્વજન હિતાય સર્વજન રક્ષાય - સર્વજન કલ્યાણાય, સમાજમાં એકતા-શાંતિ-સમરસતાનું વાતાવરણ બને એવો શુભ સંદેશ આ પ્રેરણા પીઠ તરફથી સર્વને મળી રહ્યો છે.

સતૂપંથ સંપ્રદાયના આચાર્યશ્રી નાનકદાસજી મહારાજના દશાબ્દિ મહોત્સવ નિમિત્તે તેઓશ્રીને પરમાત્મા ખૂબ - ખૂબ દીર્ઘાયુ બનાવે એવી મારી મંગલકામના અને શુભેચ્છા.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n77/mode/1up

2012-11 -Dashabdi Mahotsav -Sant Sammelan & Nanakdas Maharaj (Kaka) -Smruti Granth (310)

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પૂ. સંતશ્રી પુરીબાપુ (હરેમોરારી)

ધર્મપ્રચારક :
અ.ભા. સંત સમિતિ (સુરેન્દ્રનગર જિલ્લા)
ઠે. નીલકંઠ મહાદેવ આશ્રમ
મુ. પો. ખંડેરાવપુરા, તા. કડી, જી. મહેસાણા.

પૂજ્યવર પીઠાધિશ્વર શ્રી નાનકદાસજી મહારાજ

સત્....સત્.... નમન....!

ટ્રસ્ટીગણ અને ધર્મોત્સવ સમિતિ સર્વેને શુભાશિષ.

ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણ મહાપ્રભુજી નારાયણ સ્વરૂપે સર્વત્ર વિદ્યમાન છે અને સદ્ગુરુ શ્રી ઈમામશાહ મહારાજનું સત્વ જ્યાં પ્રકાશીત છે તેવી પીરાણા ખાતેની પ્રેરણાપીઠ એ લોકજગતના માનવીઓને પ્રભાવીત જ નહીં પણ મારી દૃષ્ટિએ પ્રભુ ભાવિત કરી રહી છે, ત્યારે આવી ઈશ્વરીય - ધરાને સદૈવ નમન હજો.

વિશેષમાં પૂ. નાનકદાસજી મહારાજના ગાદી સંભાળ્યાના કાર્યકાળને દસ વર્ષ પૂર્ણ થતાં હોઈ દશાબ્દિ વર્ષની ઉજવણી પ્રસંગે પ્રકાશન થતા સ્મૃતિગ્રંથને સૌ કોઈ સંભારણામાં સમાવી લેશે તેવી શ્રધ્ધેયતા સાથે પ્રેરણાપીઠના આચાર્યશ્રી પૂજ્યપાદ શાણાકાકાથી લઈને વર્તમાન પીઠાધિશ્વર આચાર્યશ્રી નાનકદાસજી મહારાજ સહિતના સૌને તેઓના પૂનિત ચરણોમાં પ્રણામ.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n78/mode/1up

realpatidar.com

॥ ॐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પૂ. મહંત શ્રી ૧૦૮ ઉગમદાસજી સાહેબ
ગુરુશ્રી અજીત સાહેબ

અમદાવાદ જિલ્લા–અધ્યક્ષ શ્રી :
અખિલ ભારતીય સંત સમિતિ
સંત કબીર ઉગમધામ, કબીર ટેકરી, વસ્રાલ,
અમદાવાદ.

કબીર જબ તુમ પેદા હુવે, જગ હસે તુમ રોય,
એસી કરણી કર ચલો, તુમ હસે જગ રોય.

સદ્‌ગુરુ શ્રી ઈમામશાહ મહારાજની અસીમ કૃપાથી પ્રેરણાપીઠ - પીરાણા મુકામે અખિલ ભારતીય સંત સમિતિનું વિરાટ વૈદિક ધર્મ સંમેલન અને સત્‌પંથના ૨૩મા ગાદીપતિ પ.પૂ. સત્‌પંથાચાર્ય શ્રી નાનકદાસજી મહારાજ ગાદીસ્થ થયે દસ વર્ષ થયાં હોઈ તેઓશ્રીનો દશાબ્દિ મહોત્સવ તા. ૧૭-૧૮-૧૯ નવેમ્બર, ૨૦૧૨ના દિવસે શાનદાર રીતે ઉજવાઈ રહ્યોછે. આવા જ પૂર્વે ઘણા બધા વૈદિક ધર્મ સંમેલનો ૧૯૯૪માં પ્રેરણાપીઠ - પીરાણા ખાતે, ૧૯૯૫માં મુબઈ, ૧૯૯૬માં કચ્છ - નખત્રાણા મુકામે ૨૨મા ગાદીપતિ આપના જગદ્‌ગુરુ આચાર્યશ્રી કરસનદાસજી મહારાજશ્રીના અધ્યક્ષ સ્થાને ઉજવાઈ ગયાં હતાં. આ ધર્મ સંમેલન દ્વારા સત્‌પંથ પ્રેરણાપીઠ માનવ સમાજને સાચું માર્ગદર્શન આપી વ્યસનમુક્ત, ચારિત્ર્યવાન, સંયમ, સદાચારી, નીતિવાન માનવસમાજને રચનાત્મક કાર્યો કરવાનો અભિગમ આપી સત્‌પંથ સંપ્રદાય ભારત દેશમાં આગવું સ્થાન ધરાવે છે. આ પ્રસંગે આચાર્યશ્રીને મારી અનંત શુભકામના તેમજ સત્‌પંથ સમાજના અનુયાયીઓને હાર્દિક અભિનંદન સાથે આચાર્યશ્રીના ચરણોમાં મારી સાદર બંદગી....

સદ્‌ગુરુ પરમાત્માશ્રીને પ્રાર્થના કરું છું કે શ્રી સહૃદયી સત્‌પંથાચાર્યશ્રીને તંદુરસ્ત દીર્ઘાયુ અર્પે અને સત્‌પંથ સમાજમાં માનવ એકતા, રાષ્ટ્રીય એકતાના દીવડા પ્રગટાવે. માનવ સમાજ આવા પ્રસંગમાંથી પ્રેરણા લઈ માનવ જીવન ધન્ય બનાવે એજ અભ્યર્થના.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n79/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પૂ. શાસ્ત્રી સ્વામી રામકૃષ્ણદાસજી

શ્રી સ્વામિનારાયણ વિદ્યાધામ

અમદાવાદ જીલ્લા - ઉપાધ્યક્ષશ્રી :

અ.ભા.સંત સમિતિ.

મુ. હાથીજણ. અમદાવાદ.

જય શ્રી સ્વામિનારાયણ સહ જણાવવાનું કે પીરાણાધામની પવિત્ર ભૂમિ એ તો ભારતવર્ષમાં સત્પંથ સનાતન સદ્‌ગુરુશ્રી ઈમામશાહ મહારાજથી લઈને આજ પર્યંત પ.પૂ. જગદ્‌ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજના સમય સુધી સત્પંથનો ધ્વજ લહેરાવતી પાવનભૂમિ છે.

કારતક સુદ ૪-૫-૬ ના રોજ આયોજિત આ અમૂલ્ય અવસરે જ્યારે પ્રેરણાપીઠના ૨૩મા ગાદીપતિ પ.પૂ. શ્રી નાનકદાસજી મહારાજ જ્યારે તેમને મળેલ આ દિવ્ય વારસાને ૧૦ વર્ષ પૂરા કરવા જઈ રહ્યા છે ત્યારે દશાબ્દિ પદ પ્રતિષ્ઠા માટે અમારી અંતઃકરણ પૂર્વક શુભેચ્છા અને અભિનંદન તથા આ દિવ્ય સંત માટે શતાબ્દિ મહોસવ ઊજવાય તેવી ભગવાન સ્વામિનારાયણના ચરણોમાં પ્રાર્થના.

આ પાવન પ્રસંગે આયોજિત ચતુર્વિધ મહોત્સવ માટે અને ઉપસ્થિત દિવ્ય વિભૂતિઓ પ.પૂ. જગદ્‌ગુરુ શ્રી શંકરાચાર્યો, પ.પૂ. શ્રી રામાનંદાચાર્યો, પ.પૂ. મહામંડલેશ્વરશ્રીઓ તથા અન્ય પ.પૂ. સંતો-મહંતો તથા શ્રી અખિલ ભારતીય સંત સમિતિના દરેક સભ્યો, સત્પંથ પ્રેરણાપીઠ - પીરાણાના દરેક સંતો તથા સદસ્યોને અમારી શુભકામના સહ જય શ્રી સ્વામિનારાયણ.

હિંદુ ધર્મના વિવિધ સંપ્રદાયના ધર્મગુરુઓના એકત્રીકરણ માટે શ્રી અખિલ ભારતીય સંત સમિતિ દ્વારા આ સાંયોગિક પ્રસંગે રાષ્ટ્રીય ધર્મ સંમેલનની પ્રશંસનીય કામગીરી બદલ ખૂબ

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n80/mode/1up

realpatidar.com

ખૂબ અભિનંદન...આપણે સહુ જાણીએ છીએ કે આજના આ પશ્ચિમીકરણ યુગમાં હિંદુ સંસ્કૃતિને ટકાવી રાખીને તેનું જતન કરી ફરીથી ભારત નવનિર્માણની આપણા સહુની જવાબદારી છે. આપણે દરેક સંતો આજે ત્યાગ અને સમર્પિતતાની ભાવનાથી પોત-પોતાની રીતે તો આ કાર્યમાં જોડાયેલા છે જ પરંતુ શ્રી અખિલ ભારતીય સંત સમિતિ દ્વારા સર્વે મહાન સંતો ભારતભરમાંથી એક મંચ પર એકઠા કરવાનું જે કાર્ય છે તે સરાહનીય છે. જેથી મહાન અને દિવ્ય સંતોના માર્ગદર્શન હેઠળ આ કાર્ય હિન્દુ ધર્મની રક્ષાનું સહજ કાર્ય બની શકશે. જ્યારે દરેક મઠના દિવ્ય વિભૂતિ સ્વરૂપ પ.પૂ. જગદ્ગુરુ શંકરાચાર્યો, પ.પૂ. શ્રી રામાનંદાચાર્યો, પ.પુ. શ્રી રામાનુજાચાર્યો, પ.પૂ. ધર્માચાર્યો, પ.પૂ. મહામંડલેશ્વરશ્રીઓ અને પ.પૂ. ભગવાન સ્વરૂપ દેવીઓ વિવિધ પ્રાંતમાંથી ઉપસ્થિત હશે ત્યારે પ્રવર્તમાન પરિસ્થિતિમાં હિંદુ ધર્મના વિવિધ પ્રશ્નો અને માર્ગદર્શન થકી તેના નિરાકરણના ઉપાયો વિચારી અને અમલીકરણનું શ્રેષ્ઠ કાર્ય થઈ શકે છે.

ફરીથી પ.પૂ. સત્પંથાચાર્યશ્રી નાનકદાસજી મહારાજને દશાબ્દિ પ્રસંગે અને ચતુર્વિધ મહોત્સવ માટે ખૂબ ખૂબ અભિનંદન અને સાથે સાથે શ્રી અખિલ ભારતીય સંત સમિતિ દ્વારા આ પાવન પ્રસંગે રાષ્ટ્રીય વૈદિક ધર્મ મહાઅધિવેશનનું આયોજન જે થકી ભારતભરના સંતોનું એકત્રીકરણનું જે મહાન કાર્ય છે તે બદલ સમિતિના તમામ સભ્યોને પણ ખૂબ ખૂબ અભિનંદન...

જય શ્રી સ્વામિનારાયણ.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n81/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

મહંતશ્રી વિક્રમગિરિજી ગુરુ દેવગિરિજી
(ઘેલા સોમનાથ સંસ્થાન)
રાજકોટ જીલ્લા અધ્યક્ષશ્રી : અ.ભા.સંત સમિતિ

મહંતશ્રી કનૈયાગિરિજી ગુરુશ્રી મણીગિરિજી
સુરેન્દ્રનગર જીલ્લા – અધ્યક્ષશ્રી :
અખિલ ભારતીય સંત સમિતિ,
મુ. ધારેશ્વર મહાદેવ – રાબાનુસમઢીયાળા
તાલુકો : સાયલા.

સદ્‌ગુરુશ્રી ઈમામશાહ મહારાજની પૂનિત કૃપાથી પ્રેરણાપીઠ - પીરાણા મુકામે ૨૩મા ગાદીપતિ પ.પૂ. જગદ્‌ગુરુ સત્‌પંથાચાર્યશ્રી નાનકદાસજી મહારાજ તેમના કાર્યકાળનાં દસ વર્ષ પૂર્ણ કરી ચુક્યા છે. તે ઘટના સ્થિતિનું ગૌરવ કરવા અને જગદ્‌ગુરુ પૂજ્યપાદ સંતશ્રી કરસનદાસજી મહારાજની જ્યોતિને વંદન કરવા માટેના મહામુલા અવસરે અખિલ ભારતીય સંત સમિતિનું રાષ્ટ્રીય મહાઅધિવેશન પણ યોજાઈ રહ્યું છે. આ બધી જ હકીકતો ઘટમાળ - ચક્રમાં સંભારણું અને નજરાણું બની રહેશે અને તે માટે ૐ શ્રી નિષ્કલંકી ભગવાન સદા સદા આશિષભાવ સૌ કોઈ પર વરસાવે અને મહા સંમેલનને યશસ્વીતા પ્રાપ્ત થાય તેવી અભ્યર્થના કરતા સૌ આયોજકોના પુરુષાર્થને અમારા પ્રમાણ. સ્મૃતિગ્રંથને આવકાર.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n82/mode/1up

2012-11 -Dashabdi Mahotsav -Sant Sammelan & Nanakdas Maharaj (Kaka) -Smruti Granth (310)

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પૂ. મહંતશ્રી ધનંજયગીરીજી મહારાજ
કચ્છ જીલ્લા-અધ્યક્ષશ્રી : અ.ભા.સંત સમિતિ
અલખ ધનંજય આશ્રમ, સરપટ નાકા બહાર,
રાજગોર સ્મશાનગૃહની સામે,
ભુજ-કચ્છ.

અખિલ ભારતીય સત્‌પંથ સનાતન સેવા મંડળ આયોજિત શ્રી અખિલ ભારતીય સંત સમિતિનું રાષ્ટ્રીય મહા સંમેલન તથા પ.પૂ. જગદ્‌ગુરુ સત્‌પંથાચાર્ય શ્રી નાનકદાસજી મહારાજ દશાબ્દિ મહોત્સવ પ્રેરણાપીઠ - પીરાણા સ્થાનકે યોજાઈ રહ્યો છે. આ અવસરે મારી શુભકામના સહ શુભેચ્છા પાઠવું છું કે પરમકૃપાળુ પરમાત્મા પૂ. જગદ્‌ગુરુશ્રીને દીર્ઘાયુ બક્ષે, તેમના થકી ઉત્તરોત્તર સત્‌પંથ વૈદિક સનાતન ધર્મની ધજા સદા લહેરાતી રહે, તેવી મારી અંતઃકરણ પૂર્વકની પ્રાર્થના.

શ્રી અખિલ ભારતીય સંત સમિતિનું રાષ્ટ્રીય અધિવેશન તેમના સાનિધ્યમાં આશીર્વાદ સહ યોજાઈ રહ્યું છે તે આનંદની લાગણી અનુભવું છું.

અસ્તુ.

realpatidar.com

Link: http://www.realpatidar.com/library
email: mail@realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n83/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પૂ. સ્વામી વિમલાનંદ સરસ્વતી મહારાજ (દર્શનાચાર્ય)

પાટણ જીલ્લા અધ્યક્ષશ્રી : અ.ભા.સં.સમિતિ
શ્રી સ્વામી જયાનંદ સત્સંગ આશ્રમ
ધાણોધરડા – પાટણ.

॥ ૐ તત્સત્ પરમાત્મને નમઃ ॥

"સંત મિલનકો જાઈએ, ત્યજી માન મોહ અભિમાન;
જ્યોં જ્યોં પાંવ આગે ધરે, કોટિ યજ્ઞ ફલ સમાન."

સત્પંથધામ પ્રેરણાપીઠ - પીરાણાના પ.પૂ. જગદ્ગુરુ સત્પંથાચાર્ય શ્રી નાનકદાસજી મહારાજના દશાબ્દિ મહોત્સવના ભવ્ય આયોજનમાં પરમાત્માની અસીમ કૃપાથી મહાપુરુષોનાં - સંતોનાં - ભક્તોનાં દિવ્ય દર્શન કરવાથી તેમજ તેઓશ્રીઓની દિવ્ય અમૃતમય પરોપકારી મંગલવાણી - ઉપદેશનું શ્રવણ કરવાથી મુમુક્ષુ ભક્તોનું કલ્યાણ અવશ્ય થાય છે.

આ દિવ્ય મહોત્સવમાં મહારાજશ્રીનો ઉદ્દેશ્ય ધર્મરક્ષા, ગાયમાતાની સેવા-રક્ષાનો મહિમા, વ્યસન મુક્તિનો છે. એવી રીતે દરેક જીવાત્માઓ આપસી ભેદભાવ ભૂલીને એક સત્ય પરમાત્માના સાચા સેવક - ભક્ત બને એવી આ શુભ પ્રસંગે પરમાત્મા અને સદ્ગુરુદેવની અસીમકૃપા ઉતરે એ જ અભ્યર્થના.

પરમાત્મા પાસે પ્રાર્થના છે કે સત્પંથાચાર્યશ્રીને દીર્ઘાયુષ્ય બક્ષે એવી અંતઃકરણથી અમારી અનંત શુભકામનાઓ..

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n84/mode/1up

realpatidar.com

॥ ॐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

મહંતશ્રી બટુકગીરીબાપુ

સુરત જીલ્લા – અધ્યક્ષશ્રી : અ.ભા.સં.સમિતિ
શ્રી પારેશ્વર મહાદેવ મંદિર, અટલ આશ્રમ
મુ. પાલ, સુરત.

સદ્ગુરુશ્રી ઈમામશાહ મહારાજે સત્પંથ સનાતન માર્ગની દિશા બતાવી છે, તેનો આજે વ્યાપ વધી રહ્યો છે. પ્રેરણાપીઠ વૈદિક સંસ્કૃતિની માર્ગદર્શક બની છે. જે જ્ઞાન વેદોમાંથી મળે છે અને સત્પંથે જવાનું છે. આ સત્ય રાહે જઈ જ્ઞાન દિપક પ્રગટાવી પરમાત્માને પામી જીવન સાર્થક કરવાનું છે.

પ્રેરણાપીઠના ૨૩મા સત્પંથાચાર્ય શ્રી નાનકદાસજી મહારાજના દશાબ્દિ મહોત્સવ નિમિત્તે અખિલ ભારતીય સંત સમિતિનું વિરાટ રાષ્ટ્રીય વૈદિક ધર્મ સંમેલન તા. ૧૭-૧૮-૧૯ નવેમ્બર ૨૦૧૨ના શુભ દિનોમાં યોજવામાં આવેલ છે. આ શુભ અવસરે અમારી શુભકામના સહ શુભેચ્છા પાઠવું છું.

પરમકૃપાળુ પરમેશ્વર આચાર્યશ્રીને દિર્ઘાયુ બક્ષે તેવી અંતઃકરણ પૂર્વક પ્રાર્થના કરું છું.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n85/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પૂ. સંત શ્રી જેન્તિરામબાપા
જામનગર જિલ્લા અધ્યક્ષશ્રી : અ.ભા.સં.સમિતિ
સત્ પુરણધામ- ધુનડા (હાલાર)
તા. જામજોધપુર, જિ. જામનગર.

જે ભગવાન ! જય સદ્ગુરુ સાહેબ !

સત્પંથ પ્રેરણાપીઠ સત્પંથાચાર્ય આત્મીય શ્રી નાનકદાસજી મહારાજના દશાબ્દિ મહોત્સવ પ્રસંગે જગદ્ગુરુશ્રીને અમારી અકલ્પિત અનંત કોટિવાર અભિનંદન...એવં સત્પંથ પથિકો (ભકતો)ને આશીર્વાદ. આત્મીયશ્રી નાનકદાસજી મહારાજ આપશ્રીએ સત્પંથના સ્થાપક આદિ ગુરુશ્રી ઈમામશાહ મહારાજ એવં આપના પરમગુરુ પરમ પૂજ્ય જગદ્ગુરુ આચાર્યશ્રી કરસનદાસજી મહારાજની વિચારધારાને અખંડ રાખી અને વધુને વધુ સદ્કાર્યોને વેગવંતા કરી રહ્યા છો તે જોઈ અને જાણી અમો પુલકિત થઈએ છીએ.

આત્મીય સત્પંથાચાર્યશ્રી નાનકદાસજી મહારાજ ! આધ્યાત્મિકતાની સાથે-સાથે સામાજિક - સેવાકીય પ્રવૃત્તિઓ દ્વારા આપ પ્રેરણાપીઠ એવં સત્પંથ ગાદીને તપ, તેજ અને ઓજથી ભરી રહ્યા છો. સાથે આપશ્રી ૨૩મા ગાદીપતિ તરીકે સત્પંથના પથિકોની યાત્રાને सत्यं परं धीमहि તરફ આગળ વધારી રહ્યા છો તે જોઈ-જાણી અમો ધન્યતા અનુભવીએ છીએ.

વિ.સં. ૨૦૬૯, કાર્તિક સુદ - ૪, ૫, ૬ - શનિવાર,રવિવાર અને સોમવાર તા. ૧૭-૧૮-૧૯ નવેમ્બર ૨૦૧૨ના દિવસે આપના પરમગુરુ પરમપૂજ્ય બ્રહ્મલીન જગદ્ગુરુ શ્રી કરસનદાસજી મહારાજ પરમ જ્યોતિ વિલીન પર્વ ત્રિ-દિવસીય પ્રસંગે એવં પરમ પૂજ્ય જગદ્ગુરુ સત્પંથાચાર્યશ્રી નાનકદાસજી મહારાજ અર્થાત્ આપના દશાબ્દિ મહોત્સવ પ્રસંગે આપશ્રીએ શ્રી અખિલ ભારતીય સંત સમિતિના રાષ્ટ્રીય વૈદિક ધર્મ મહા અધિવેશનના ઐતિહાસિક આયોજન દ્વારા વૈચારિક આદાન-પ્રદાન માટે અને સાંપ્રત સમયના પ્રવાહોને સમજી સમસ્ત સંત સમાજને એક મંચ પર લાવવાનું જે ભગીરથ કાર્ય કર્યું તે પ્રશંસનીય એવં અદ્વિતીય છે.

પરમકૃપાળુ સદ્ગુરુ પરમાત્મા આપને शतं जीवेम शरदः આરોગ્ય પ્રદ દીર્ઘાયુ બક્ષે, दिने-दिने नवं-नवम् ની જેમ વિવિધ સેવા યજ્ઞો દ્વારા સત્પંથ ગાદીને प्रजवालितो ज्ञानमयः प्रदीपः રાખે અને यावद्‌चंद्र दिवाकरौ સમસ્ત ભૂમંડલમાં સત્પંથની કીર્તિ ઉજાગર કરે એવી અંતઃકરણ પૂર્વકની અભ્યર્થના !

પૂર્ણમદઃ પૂર્ણમિદં પૂર્ણાત્પૂર્ણમુદચ્યતે । પૂર્ણસ્ય પૂર્ણમાદાય પૂર્ણમેવાવશિષ્યતે ॥
ૐ શાંતિઃ! શાંતિઃ !! શાંતિઃ !!!

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n86/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

સ્વામી શ્રી ઘનશ્યામચરણદાસજી
ખેડા-આણંદ જિલ્લા-ઉપાધ્યક્ષશ્રી :
અ.ભા.સંત સમિતિ,
શ્રી સ્વામિનારાયણ મંદિર
ડૉ. હેડગેવાકર ચોક, બજારમાં
મુ. તા. માતર. જી. ખેડા.

પરમ પૂજ્ય જગદ્‌ગુરુ સત્‌પંથાચાર્ય શ્રી નાનકદાસજી મહારાજ આપશ્રી પ્રેરણાપીઠ - પીરાણાના ૨૩મા ગાદીપતિ તરીકે બિરાજમાન થઈને ગાદીપતિ તરીકે દસ વર્ષ પૂર્ણ કર્યા તે પ્રસંગે દશાબ્દિ મહોત્સવ પ્રસંગે ભગવાન શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણના ચરણોમાં પ્રાર્થના કરી આપના દ્વારા સત્‌પંથ સંપ્રદાયનો આધ્યાત્મિક, સામાજિક અને કેળવણી ક્ષેત્રે ખૂબ વિકાસ થાય. વનમાં તપ કરવું સહેલું છે પણ સમાજમાં રહીને સંપ્રદાયના વડા તરીકે જવાબદારી પૂર્વક તપ અને સેવા કરવી બહુ કઠણ છે.

આપે ગાદીપતિ તરીકે દસ વર્ષમાં અદ્‌ભૂત કાર્ય કરીને સંપ્રદાયને ઉજ્જવળ કરી બતાવ્યો છે. પ.પૂ. જગદ્‌ગુરુ બ્રહ્મલીન આચાર્યશ્રી કરશનદાસજી મહારાજના સિધ્ધાંતો અને વિચારો પ્રમાણે તેમના પગલે ચાલીને સંપ્રદાય અને સંત સમાજની સાથે આત્મીયતા રાખીને દસ વર્ષમાં ખૂબ જ પ્રેરણાદાયી કામ કર્યું છે તે સંપ્રદાય માટે અને સંત સમાજ માટે અને અખિલ ભારતીય સંત સમિતિ માટે ગૌરવ સમાન છે.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n87/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

સ્વામી શ્રી પરમાત્માનંદગિરિજી
ગુરુ સ્વામીશ્રી ભજનપ્રકાશાનંદગિરિજી
પોરબંદર જીલ્લા – અધ્યક્ષશ્રી :
અ.ભા.સંત સમિતિ.
મુ. રાણાવાવ – ૩૬૦૫૫૦
પોરબંદર – ગુજરાત.

પ.પૂ. જગદ્‌ગુરુ સત્‌પંથાચાર્યશ્રી નાનકદાસજી મહારાજ (રાષ્ટ્રીય સંરક્ષક શ્રી અખિલ ભારતીય સંત સમિતિ) દ્વારા આયોજીત શ્રી અખિલ ભારતીય સંત સમિતિનું રાષ્ટ્રીય મહા અધિવેશન એવં પ્રેરણાપીઠ ચતુર્વિધ મહોત્સવનું આયોજન તા. ૧૭-૧૧-૨૦૧૨ થી તા. ૧૯-૧૧-૨૦૧૨ દરમ્યાન કરવામાં આવેલ છે. ખૂબ જ આનંદ અને ખુશીનો પ્રસંગ છે. અમે આ અંગે ખૂબ જ પ્રસન્નતા અનુભવીએ છીએ. ભારતીય સનાતન ધર્મ પરંપરા અને ભારતીય સંસ્કૃતિ (વૈદિક)ની રક્ષા કરવા સાધુ-સંતોનું સંગઠન અને જાગૃતિ ખૂબ જ આવશ્યક છે.

આ પ્રસંગે અમો ખૂબ જ હાર્દિક મંગલકામના, શુભેચ્છા પાઠવીએ છીએ.

ૐ નમઃ નારાયણાય

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n88/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પૂ. શ્રી સિધ્ધયોગી દશરથબાપુ
મહેસાણા જિલ્લા અધ્યક્ષી શ્રી :
અ.ભા.સં.સમિતિ
કલ્કી આશ્રમ, સામેત્રા
મહેસાણા.

પરમ પૂજય જગદ્‌ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજ, સત્‌પંથ પ્રેરણાપીઠ, પીરાણાને અમારા નમો નારાયણ અને જય ગીરનારી.

સદ્‌ગુરુશ્રી ઈમામશાહ મહારાજ દ્વારા સ્થાપીત સત્‌પંથ પ્રેરણાપીઠ, પીરાણાના ૨૩મા ગાદીપતિ પરમ પૂજય જગદ્‌ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજે ચાલુ વર્ષે ગાદીપતિ તરીકે દસ વર્ષ પુરા કર્યા છે. આ નિમિત્તે પ્રેરણાપીઠની પાવન પવિત્ર ધરાના શુભ સ્થળે દશાબ્દિ મહોત્સવમાં અમોને આવકાર અને આમંત્રણ આપવા બદલ અમો સદ્‌ગુરુ શ્રી ઈમામશાહ મહારાજ તથા તમામ ગાદીપતિ તથા પરિવારજનોનો આભાર વ્યક્ત કરીએ છીએ.

સદ્‌ગુરુશ્રી ઈમામશાહ મહારાજ દ્વારા અથર્વવેદનું માર્ગદર્શન કરવામાં આવ્યું અને કલિયુગમાં અવતરનાર શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણ ભગવાનની ગાદીની સ્થાપના કરવામાં આવેલ છે અને સતપંથ ધર્મની શરૂઆતનો પાયો પ્રસ્થાપિત કરવામાં આવેલ છે અને સદ્‌ગુરુશ્રી ઈમામશાહ મહારાજની દીર્ઘ દષ્ટિથી આલેખાયેલી સંતવાણી, યોગવાણી, ગુરુવાણી આગમવાણી, શિક્ષાપત્રી, અમૃતવાણી જે દરેક સમાજના વર્ગના લોકોને ઈશ્વરની પ્રાપ્તિના માર્ગ તરફ લઈ જઈ શકે છે. તેવા સનાતન સત્‌પંથ સાથે જોડાયેલા તમામ ગાદીપતિશ્રીઓ તથા તેમના શિષ્યો તથા જોડાયેલ તમામ લોકોને ભગવાનશ્રી નિષ્કલંકી નારાયણની કૃપા વર્ષા થાય તેવી પ્રાર્થના. વધુમાં સદ્‌ગુરુશ્રી ઈમામશાહ મહારાજ દ્વારા સ્થાપિત શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણ ભગવાનની ગાદી સ્વયં અવતાર અર્થાત શ્રી કલ્કી નિષ્કલંકી નારાયણ ભગવાન ઝડપથી સંભાળે તેવી અભ્યર્થના.

ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n89/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

पू. महंतश्री स्वामी दयालपुरी महाराज

बनासकांठा जिल्ला - अध्यक्षश्री : अ.भा.संत समिति
श्री हरगंगेश्वर महादेव मन्दिर
मु. पो. हाथीदरा, ता. पालनपुर. जि. बनासकांठा

भारतीय वैदिक सनातन संस्कृति को अनेक ऋषियो-मुनियो व संत महात्माओने अपनी दिव्य वाणी व दृष्टि से अभिवृधित किया व सिंचन करते हुए इसको सुरक्षित बनाये रखा।

उसी परंपरा का निर्वाह करते हुए वर्तमानकाल में प.पू. धर्मवीर जगद्‌गुरु प्रेरणापीठाधिश्वर सत्‌पंथाचार्य श्री नानकदासजी महाराज भक्तजनो के लिए श्रद्धा व विश्वास का आधारमूल स्तंभ बने हुए है।

हम ईश्वर से प्रार्थना करते है कि, सद्‌गुरु श्री इमामशाह महाराज के बताये हुए सद् उपदेश व जगद्‌गुरु करसनदासजी महाराज के कर्मयोग के पद्‌चिह्नो पर चलते हुए पूज्य प्रेरणापीठाधिश्वरजी महाराज वैदिक सनातन परंपरा के लिए विशेष उपयोगी होगें व असंख्य कर्म बंधन में पडे जीवात्माओं के लिए उद्धारक बनेगें व राष्ट्र व धर्म के लिए सद्‌उपयोगी बनें इसके लिए ईश्वर से उनके दीर्घायु की कामना करते है - अस्तु।

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n90/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પૂ. મહંતશ્રી લાલદાસજી મહારાજ

ગાંધીનગર જિલ્લા – અધ્યક્ષશ્રી :
અ.ભા.સંત સમિતિ
શ્રી લાલહનુમાન મંદિર
મુ. રાણીયાપર, તા. માણસા. જિ. ગાંધીનગર.

અખિલ ભારતીય સનાતન સત્‌પંથ સેવા મંડળ દ્વારા યોજાનાર અખિલ ભારતીય સંત સમિતિનું રાષ્ટ્રીય મહા અધિવેશન અને સત્‌પંથાચાર્ય જગદ્‌ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજના દશાબ્દિ મહોત્સવનું આમંત્રણ મળ્યું. આપના દ્વારા સારાય ભારતના સંતોનું આગમન થશે અને ભક્તજનોને સંતદર્શન, સંતવાણીનો અનેરો લહાવો મળશે. પૂ. શ્રી નાનકદાસજી મહારાજના દશાબ્દિ મહોત્સવને મારી શુભકામના પાઠવું છું અને તંદુરસ્ત દિર્ઘાયુ પ્રાપ્ત થાય તેવી ભગવાન શ્રી રામજીને પ્રાર્થના.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n91/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પૂ. મહંતશ્રી સ્વામી જયરામદાસજી મહારાજ

ડાંગ જીલ્લા – અધ્યક્ષશ્રી : અ.ભા.સંત સમિતિ
શ્રી સ્વામિનારાયણ ગુરુકુળ – આશ્રમ,
મુ.પો. માલેગામ, સાપુતારા રોડ,
તા. આહવા. જી. ડાંગ.

પ્રેરણાપીઠ - પીરાણાના ૨૩મા આચાર્ય પરમ પૂજ્ય જગદ્‌ગુરુ શ્રધ્ધેય શ્રી નાનકદાસજીના દશાબ્દિ મહોત્સવના શુભ અવસરે કોટિ કોટિ વંદન.

સંતના જીવન અને કવન વિશે લખવું એક અપરાધ છે. શબ્દોથી તેમને આંકવા તે એક ભૂલ છે. સંત તે શબ્દથી પર છે છતાં મહાન વિભૂતીને વંદન કરવા માટે બીજાને પ્રેરણા મળે તે માટે શબ્દોથી લખવાની જરૂર છે. આ સંત બોલ્યા નથી કરી બતાવ્યું છે. વ્યાખ્યા નથી આપી ચરિતાર્થ કરી બતાવ્યું છે. સાદી સરળ ભાષામાં બોલ્યા છે અને અનેક જીવોનું જીવન પરિવર્તન કર્યું છે. નામ બદલ્યા નથી જીવન બદલ્યું છે. સમાજ સાથે રહીને સમાજનું ઉત્થાન થાય તેવા કામો તેમના હૃદયસ્પર્શી છે. માણસમાં રહેલાં વ્યસનો - દૂષણો તેમણે એકમાત્ર પ્રેમથી દૂર કર્યા છે. જીવન જીવવાની કળા શીખવી છે. જેવી રીતે મા પોતાના બાળકને નવરાવીને શુધ્ધ કરે છે તેવી રીતે મા સમા આ સંતે જ્ઞાનરૂપી જળથી શુધ્ધ કરીને ભક્તિના દીવા નીચે તેજસ્વી બનાવ્યા છે. આ બધું કરવામાં તેમને ઘણું સહન પણ કરવું પડ્યું છે. ચંદનના વૃક્ષને કાપીએ તો તેમાંથી સુગંધ જ પ્રસરે છે.

આપ બળે એકલ ખૂણે, ધૂપ બને પ્રસરંગ,
જગમાં એવા જનમીયા, અગરબત્તી ને સંત.

ધૂપસળી જાતે બળીને સુવાસ આપે છે તેમ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજે પૃથ્વી પર પોતાના સત્કાર્યની સુવાસ આપી છે. વિષય વ્યસન અને વહેમથી અળગા કરીને મંદિરના પગથીયાં ચઢાવ્યાં છે. ભગવાનમાં શ્રધ્ધા દૃઢ કરાવીને નિર્ભય બનાવ્યા છે.

ઘડિયાળના કાંટાની જેમ સતત વિચરણ કરી તેઓ લોકો સમક્ષ ગયા છે. આ સંત સરીતામાં જેણે સ્નાન કર્યું છે તે ધન્ય થયા છે. ભાગવત્‌માં લખ્યું છે : "સાધવો હૃદયે મહયમ્"

ભગવાન કહે છે સાધુ એ મારુ હૃદય છે. ખરેખર ભગવાનના હૃદય સમાન અને સમાજના પણ હૃદય સમા આ સંત છે.

બસ ! આજે દશાબ્દિ મહોત્સવ પ્રસંગે તેમના ગુણગાન ગાઈને વાડગમય પુષ્પ તેમના ચરણોમાં ધરીને ધન્ય થઈએ એ જ પ્રાર્થના.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n92/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પ.પૂ. મહંતશ્રી શીવરામદાસજી મહારાજ
વડોદરા જિલ્લા – અધ્યક્ષશ્રી : અ.ભા.સં.સમિતિ
પૂ. સંત શ્રી નાયાજી મહારાજ સંસ્થા – કુકસ
તા. શિનોર. જિ. વડોદરા.

શ્રી સનાતન સત્પંથ સેવા મંડળના ભક્તો દ્વારા પ્રેરણાપીઠ-પીરાણામાં તા. ૧૭-૧૮-૧૯ નવેમ્બર ૨૦૧૨માં આપણા ગાદીપતિ પ.પૂ. સત્પંથાચાર્ય જગદ્ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજના દશાબ્દિ મહોત્સવ પ્રસંગે અને અખિલ ભારતીય સંત સમિતિના રાષ્ટ્રીય મહા અધિવેશન પ્રસંગે ભારતના અલગ અલગ સંપ્રદાયમાં વિચાર ધરાવતા સંતોની એકતાનાં દર્શન થશે અને ભક્તોની વિચારધારાને એકતામાં જોડવાનું કાર્ય થશે. સનાતન સત્પંથ સેવા મંડળ માટે આ એક ભવ્ય પ્રસંગ ગણાશે અને ભક્તજનોને પૂણ્ય પ્રાપ્ત થશે. જગતમાં સંત દર્શન અને સંતવાણી પ્રાપ્ત થવી દુર્લભ છે, જે આપના માધ્યમથી લહાવો મળશે. પ.પૂ. જગદ્ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજને તંદુરસ્ત દિર્ઘાયુ પ્રાપ્ત થાય તેવી સંત શ્રી નાયાજી મહારાજને મારી પ્રાર્થના.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n93/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પૂ. મહંતશ્રી કમલેશદાસજી મહારાજ
અમદાવાદ જીલ્લા મહામંત્રીશ્રી :
અ.ભા.સં.સમિતિ
શ્રી નીલકંઠ મહાદેવ ટ્રસ્ટ
ઢાળકસની પોળ સામે, વાડીગામ - દરીયાપુર
અમદાવાદ.

પ્રેરણાપીઠ પીરાણાના ૨૩મા ગાદીપતિ પ.પૂ. સત્‌પંથાચાર્ય શ્રી નાનકદાસજી મહારાજના શ્રી દશાબ્દિ મહોત્સવ પ્રસંગે અખિલ ભારતીય સંત સમિતિનું વિરાટ રાષ્ટ્રીય ધર્મ સંમેલન યોજાનાર છે. આ પ્રસંગે હું મારા અંતઃકરણથી શુભેચ્છા પાઠવું છું. પ્રભુ પાસે પ્રાર્થના કરું છું કે પ્રભુ તેમને આવા શુભકાર્યો કરવા નિરોગી દિર્ઘાયુ બક્ષે. અવિરત શક્તિ અર્પે તેવી શ્રી પરમાત્મા મહાપ્રભુજીને પ્રાર્થના કરું છું. સાથે સાથે સત્‌પંથ સમાજ (અનુયાયીઓ)ને અનંત અભિનંદન પાઠવું છું.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n94/mode/1up

realpatidar.com

॥ ॐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પૂ. વસંતગિરિજી દીપગિરિજી ગોસ્વામી

પ્રદેશ મંત્રીશ્રી :
શ્રી મહાગુજરાત દશનામ ગોસ્વામી મહામંડળ
સુરેન્દ્રનગર જીલ્લા-મહામંત્રીશ્રી: અ.ભા.સં.સમિતિ
ધ્રાંગધ્રા (જી. સુરેન્દ્રનગર)

અખિલ ભારતીય સનાતન સત્પંથ સમાજ સેવા મંડળ પ્રેરિત શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણ મહાપ્રભુજીના અનંતકોટિ આશિષ ભાવથી અમદાવાદ પાસેના પીરાણા ગામે પ્રેરણાપીઠની પાપનાશીની પવિત્ર પાવન તીર્થભૂમિ ઉપર અખિલ ભારતીય સંત સમિતિનું રાષ્ટ્રીય ફલક પરનું વિરાટ વૈદિક ધર્મ સંમેલન નવેમ્બર ૨૦૧૨માં વિરલ સંત વિભૂતિઓની પાવન નિશ્રામાં લાખો જનભાવિકોની હાજરીમાં ધર્મોત્સવના રૂપમાં યોજાઈ રહ્યું છે, તે જાણી હું ગદ્ગદીત થઈને પ્રેરણાપીઠની અનંત ઉર્જાશીત ચેતનાઓને સાષ્ટાંગ વંદન કરતાં દશનામ- સાધુ તરીકે મારી ખુશી વ્યક્ત કરીને ભગીરથ કાર્યને વધાવું છું.

પ.પૂ. બ્રહ્મલીન જગદ્ગુરુ શ્રી કરશનદાસજી મહારાજ પરમજ્યોતિ વિલિન પર્વ અને પ.પૂ. જગદ્ગુરુ પીઠાધિશ્વર શ્રી નાનકદાસજી મહારાજ દશાબ્દિ મહોત્સવને વિરાટ જન-સમુદાય શ્રધ્ધા અને આસ્થાથી જોડાઈને આ પાવન પર્વને ઐતિહાસિક સંભારણુ બનાવશે તેવી મારી મંગલભાવનાઓ પર ॐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણ કૃપા વરસાવે એ જ પ્રાર્થના ભાવ સહ સ્મૃતિગ્રંથ - ૨૦૧૨ના પ્રકાશનને હાર્દિક અભિનંદન.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n95/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પ.પૂ. મહંત શ્રી ગંગેશ્વરદાસજી મહારાજ

શ્રી નિષ્કલંકી ધામ
નખત્રાણા - કચ્છ.

પ.પૂ. જગદ્‌ગુરુ સત્‌પંથાચાર્યશ્રી નાનકદાસજી મહારાજ - પ્રેરણાપીઠ, પીરાણા.

જણાવતા આનંદ થાય છે આપણી માતૃસંસ્થા પ્રેરણાપીઠ દ્વારા સં. ૨૦૬૯ના કારતક સુદ - ૪-૫-૬, તા. ૧૭-૧૮-૧૯ નવેમ્બર - ૨૦૧૨ના દિવસો દરમ્યાન શ્રી અખિલ ભારતીય સંત સમિતિનું રાષ્ટ્રીય મહાઅધિવેશન તથા પ્રેરણાપીઠ ચતુર્વિધ મહોત્સવ ઉજવવાનું આયોજન કરેલું છે તે પૈકી ૧૦૮ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણ (વિષ્ણુયાગ) યજ્ઞ, આદ્ય જગદ્‌ગુરુ શ્રી કરસનદાસજી મહારાજ પરમજ્યોતિ વિલિન પર્વ, જગદ્‌ગુરુ પદ પ્રતિષ્ઠા મહોત્સવ તેમજ આપનો દશાબ્દિ મહોત્સવ પણ ઉજવાય છે તે આપણા સૌને માટે ગૌરવ લેવા જેવી બાબત છે.

પૂ. જગદ્‌ગુરુશ્રીને જણાવતાં ખુશી થાય છે કે આપના દસ વરસના સમયકાળમાં આપણી પ્રેરણાપીઠની પ્રગતિમાં આપનું વિશેષ યોગદાન રહ્યું છે. સંસ્થાના વિકાસમાં પણ ખૂબ જ પ્રગતિ થઈ છે. ધાર્મિક ક્ષેત્રે તેમજ સામાજિક ક્ષેત્રે ચાલતા પ્રશ્નોનું આપે ખૂબ જ ચિંતન કરી સધાર્મિકતાને માર્ગદર્શન પુરું પાડ્યું છે. અખિલ ભારતીય સંત સમિતિના જોડાણથી આપણી સંસ્થાનું વિશ્વમાં ગૌરવ વધ્યું છે.

ભવિષ્યમાં પણ આપના ચિંતન અને માર્ગદર્શનથી આપણી આ માતૃસંસ્થા પ્રેરણાપીઠનું વિશ્વ સ્તરે છે તેનાથી પણ વિશેષ ગૌરવ જળવાઈ રહેશે એ જ અભ્યર્થના સહ શુભેચ્છા.

અસ્તુ.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n96/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પૂ. મહંતશ્રી ૧૦૮ ભગવાનભાઈ
ગુરુશ્રી કાનજીભાઈ

શ્રી પાંચીયા હવેલી સત્પંથ
મુ. પીરાણા. તા. દશક્રોઈ, જિ. અમદાવાદ.

પ.પૂજ્ય વંદનીય જગદ્‌ગુરુ સત્પંથાચાર્યશ્રી નાનકદાસજી મહારાજશ્રી
પ્રેરણાપીઠ - પીરાણાધામ

આદરણીય જગદ્‌ગુરુશ્રીને સાષ્ટાંગ નમસ્કાર.

આપશ્રીએ સત્પંથ સંપ્રદાયના આચાર્ય ધર્મગુરુ તરીકે સ્થાન મેળવ્યું અને એ સ્મૃતિને દસ વર્ષનો દાયકો પૂરો થતાં આજે ઉજવવાના દશાબ્દિ મહોત્સવને મારી હાર્દિક શુભેચ્છા પાઠવું છું. આપશ્રીએ ધર્મગુરુ તરીકે સત્પંથ ધર્મને ખૂબ વેગીલો બનાવી દેશ-પરદેશમાં ધર્મોમાં આગવું સ્થાન મેળવ્યું છે. સત્પંથ ધર્મનું આચરણ ધર્મના અનુયાયીઓ પૂરતુ મર્યાદિન ન રહેતાં, હિન્દુજન સમાજમાં આગવું સ્થાન આપની ધર્મ ભાવના, વિકાસ વૃત્તિ, સદ્‌વિચાર અને એક ધર્મગુરુને શોભે તેવા આચરણને કારણે થયું છે.

ધર્મ સમાજમાં આવેલા પ્રભાવી અનેક સંપ્રદાયોની હરોળમાં આજે સત્પંથ સંપ્રદાયીઓ ઊભો છે. સત્પંથી સદ્‌ગુરુજીનો આદેશ આજે પણ ભૂલ્યા નથી. વિરલ જગદ્‌ગુરુઓ, મહામંડલેશ્વરો, સંતોની પ્રેરણા આજે આપશ્રીએ શીરે ચડાવી પીરાણાને એક સાંસ્કૃતિક અને આગવું ધર્મસ્થાન બનાવવા અને વિકાસને વળગી પ્રેરણાપીઠનું નામ આગવા સ્થાને મૂકવાના આપના અથાગ પ્રયત્નો સફળ થાય. પરમકૃપાળુ પરમાત્મા ભગવાન શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણ આપને શુભકાર્યો કરવાની શક્તિ અને પ્રેરણા આપે એવી આજના મંગલ પ્રસંગે મારી શુભકામના.

realpatidar.com

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પ. પૂ. કાકાસાહેબ
શ્રી વિષ્ણુભાઈ ઈશ્વરભાઈ

ધી આઠીયા ટ્રસ્ટ સમસ્ત પંચ કમિટિ
મુ. પીરાણા. તા.દસક્રોઈ. જી. અમદાવાદ.

શ્રી અખિલ ભારતીય સંત સમિતિ રાષ્ટ્રીય અધિવેશન અને પ્રેરણાપીઠના સત્પંથના પ.પૂ. સતપંથાચાર્યશ્રી નાનકદાસજી મહારાજનો દશાબ્દી મહોત્સવ તથા ૧૦૮ કુંડી વિશ્વશાંતિ યજ્ઞ તા. ૧૭-૧૮-૧૯ નવેમ્બર ૨૦૧૨ના રોજ યોજાઈ રહ્યો છે. જે અમારા માટે આનંદનો અનેરો પ્રસંગ છે. સારા ભારતના સંત મહાત્માઓ અમારી આ પાવન ધરતી ઉપર પધારશે અને તેમનાં દર્શનનો તથા વાણીનો લાભ આપશે તે ઘણો આનંદનો પ્રસંગ છે. જ્યારે પ.પૂ. શ્રી નાનકદાસજી મહારાજનો દશાબ્દી મહોત્સવ યોજાઈ રહ્યો છે તો પરમકૃપાળુ પરમાત્મા સત્પંથાચાર્યશ્રી નાનકદાસજી મહારાજને દિર્ઘ આયુષ્ય આપે અને આવાં ધાર્મિક કાર્યો કરવાની પ્રેરણા આપે તેવી શુભેચ્છા.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n98/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પ.પૂ. શ્રી કાકાસાહેબ
શ્રી ભાયલાલભાઈ વશરામભાઈ ધાનાણી
રામજીકાકા પક્ષ ટ્રસ્ટ આઠીયા સમસ્ત પંચ કમિટિ
પીરાણા (હિમપુર)

જય ગુરુદેવ,

મંગલમય શુભેચ્છા સહ જણાવતાં આનંદ થાય છે કે ધર્મરક્ષા - ગૌરક્ષા અને રાષ્ટ્રરક્ષાના ઉદ્દેશ સાથે શ્રી અખિલ ભારતીય સંત સમિતિનું રાષ્ટ્રિય વૈદિક ધર્મ મહા અધિવેશનની સાથે ચતુર્વિધ મહોત્સવની શુભ વિનંતિ પત્રિકા વાંચીને ખૂબ જ આનંદ થયો છે.

સાથે સનાતન સત્‌પંથ સંસ્થાન - પ્રેરણાપીઠ, પીરાણાના ત્રેવીસમા ગાદીપતિ પ.પૂ. જગદ્‌ગુરુ સત્‌પંથાચાર્યશ્રી નાનકદાસજી મહારાજ ગાદીપતિ તરીકે દસ વર્ષ પૂર્ણ કરે છે તે જાણીને આનંદ સાથે ગૌરવ થાય છે.

શ્રી સત્‌પંથ પ્રરેણાપીઠ વર્ષો વર્ષથી ધર્મનો બહોળો પ્રચાર કરીને દેશમાં સનાતન સત્‌પંથ ધર્મ વૈદિક ધર્મ છે જે અનાદિકાળથી ચાલતો આવ્યો છે અને સદ્‌ગુરુશ્રી ઈમામશાહ મહારાજ એક યુગગુરુ હતા તેની સાચી ઓળખ જગતને આપી છે - સમજ આપી છે અને તેમનો સંદેશ પ્રત્યેક ઘેર સુધી પહોંચાડવા ભગીરથ પ્રયત્ન કર્યા છે અને કરતા રહે છે.

આવા ધર્મમય - મંગલકારી પ્રસંગે ભગવદ્ સ્વરૂપ પૂજ્ય જગદ્‌ગુરુ શ્રી રામાનંદાચાર્યો, પૂજ્ય જગદ્‌ગુરુ રામાનુજાચાર્યો, પૂજ્ય ધર્માચાર્યશ્રીઓ, પૂજ્ય મહામંડલેશ્વરશ્રીઓ તથા પૂજ્ય સંતો-મહંતો, ભગવત્ દેવી સ્વરૂપ દેવીઓ ઉપસ્થિત રહેવાનાં છે અને તેમના દર્શનનો અને દિવ્ય અમૃતવાણીનો સત્સંગ-ધર્મલાભ સૌ હરિભક્તોને પ્રાપ્ત થવાનો છે તે જાણીને વિશેષ આનંદ થયો છે.

ધર્મની રક્ષા કાજે આવા ભગીરથ પ્રયત્નો માટે સત્‌પંથ પ્રેરણાપીઠની ઉત્તરોત્તર પ્રગતિ થાઓ. સાથે પરમ પૂજ્ય જગદ્‌ગુરુ સત્‌પંથાચાર્યશ્રી નાનકદાસજી મહારાજશ્રીને સદ્‌ગુરુશ્રી ઈમામશાહ મહારાજ બળ, શક્તિ અને દિર્ઘાયુષ્ય બક્ષે તેવી અંતરની પ્રાર્થના સાથે શુભેચ્છા પાઠવું છું.

ફરીથી આ ત્રણ દિવસના વિરાટ રાષ્ટ્રિય વૈદિક ધર્મ સંમેલનની સફળતા સાથે શુભેચ્છા પાઠવી વિરમું છું.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n99/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પૂ. ગોસ્વામી ધનેશ્વરગીરીજી બાવજી
દેવરાજ મંદિર
સંતશ્રી દેવાયત પંડિતની મૂળ જગ્યા
મુ. બાજકોટ, પો. ગાજણ,
તા. મોડાસા. જી. સાબરકાંઠા.

જય અલખધણી,

પ્રેરણાપીઠ - પીરાણા નિષ્કલંકી ધામ ખાતે પૂ. સંત શ્રી ઈમામશાહ મહારાજની ચેતન સમાધિની જગ્યામાં શ્રી અખિલ ભારતીય સંત સમિતિનું રાષ્ટ્રીય વૈદિક ધર્મ મહા અધિવેશન એવં ચતુર્વિધ મહોત્સવ યોજવામાં આવ્યો. એ ગતગંગા સ્વરૂપ મેળાવડો અને ભારત અવનીના સંતો-મહંતો-મહાપુરુષો-મુમુક્ષોના દર્શનનો લહાવો મળશે એ આપણું અહોભાગ્ય છે.

વિષેશમાં મહાધર્મના માલવી પુરુષોએ કલિયુગના એંધાણ ભાખ્યા છે. એમાં દશમો અવતાર નકલંક - નિષ્કલંક ભગવાનનું પ્રાગટ્ય થાય એના ભવિષ્યવેત્તા પૂ.સંત શ્રી દેવાયત પંડિત મહારાજ - ભાગવત્ - મમેંયાદેવ - શ્રવણકાપડી, સહદેવ જોશી એવા અનેક સંતોનાં આગમ છે. એમાં પૂ. સદ્ગુરુદેવ શ્રી ઈમામશાહ મહારાજનાં પણ આગમ છે. સદ્ગુરુ શ્રી ઈમામશાહ મહારાજે સદ્ગુરુની શિખામણ (શિક્ષાપત્રી) દ્વારા અનેક જીવોને નીજાર માર્ગે એટલે કે નીજ સ્વરૂપને ઓળખવા માટેના આધ્યાત્મ દ્વારા પ્રયાસો કર્યા છે. એવી પીરાણાની - ધર્મ ધરણીનાં દર્શન કરી અને વિશાળ સંતોના દ્દષ્ટીપાદથી આપણે ધન્ય થઈશું.

દેવરાજ ધામ- વિશ્વપ્રસિધ્ધ આગમવેત્તા - સંતશ્રી દેવાયત પંડીતની ગુરુગાદીના અને વર્તમાન ગાદીપતિ પૂ. મહંતશ્રી ધનેશ્વરગીરીબાપુના અંતઃકરણ આશિષ.

પીરાણાધામ પ્રગતિ ભવઃ

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n100/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

प.पू. महंतश्री जनार्दनजी महाराज

'संतकृपा आश्रम' फैजपुर, ता. यावल, जि.जलगांव.
फैजपुर - महाराष्ट्र

सभी दिव्य आत्माओकों सप्रेम जय गुरुदेव।

अखिल भारतीय संत समिति और अखिल भारतीय सनातन सतुपंथ सेवा मंडल द्वारा प्रेरणापीठ पीराणा में आयोजित चतुर्विध महोत्सव एवं संत समिति के राष्ट्रीय अधिवेशन को हमारे सारे महाराष्ट्र के सतुपंथ परिवारकी ओरसे बहोत बहोत शुभकामनाएं।

सतुपंथ की परंपरा अनादि कालसे चली आ रही है। इस परंपरामें निष्कलंक जिवन जिनेकी प्रेरणा दी जाती है। सारे आत्माओंको परमात्माकी ओर, सत्यकी ओर, अपने निजधाम की ओर जानेके लिए प्रेरित किया जाता है। इस परंपरामें सदाचार एवं निष्काम कर्मयोग को माना गया है। हमे आनंद की अनुभूती होती है हम ईस सतुपंथ उप०ासक है।

सतुपंथ की ओरसे जो संत संमेलनोका आयोजन किया जाता है उससे सांप्रदायिक समन्वय होता है।अलग अलग परंपराको माननेवाले संत महात्मा एक मंच पर एक ही सूत्रता के साथ इकट्ठा होते है और इससे आर्य सनातन वैदिक हिंदू धर्मकी मजबूती में मदद होती है। ''संघेः शक्ति कलयुगे।'' संगठ्ठन ही कलियुग की शक्ति है। परम श्रध्धेय परमादरणीय श्रीमद् जगद्गुरु श्री नानकदासजी महाराजके चरणोमें दंडवत् प्रणाम।

•

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n101/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

Mahant Shri Sitaram Das,
Bharat Sadhu Samaj Adhyaksh
(Dakshin Gujarat)
Shri Lanka Vijay Hanumanji Ashram,
Katar Gam,
Surat - (Gujarat)

Pirana Prerna Sutra, Shri 1008 Swami Shri Nanakdasji Maharaj,
10 mi Satabdi Mahotsav Ke Uplaksh me Dirg Ayu, Mangal Lamnaa Karte He, Sanskari Pith Ko isi Tarha Sushobhit Karte Rahe.

Aap Bramnisth, Taponisth, Bhakto Ke Prerna Sutra, Santo - Mahanto ke Hriday Nisth, Pirana Pith Ko Bohot Bohot Gorav Diya aur Aage bhi dete Rahenge...Yahi Bhagvan Se Prarthana Karte He....

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n102/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પૂ. મહંત શ્રી કિશોરદાસજી શ્યામદાસજી
શ્રી કબીર મંદિર – ભુજ–કચ્છ

પ્રતિ,
અધ્યક્ષશ્રી,
અખિલ ભારતીય સંત સમિતિ
આયોજીત મહોત્સવ
શ્રી પ્રેરણાપીઠ - અમદાવાદ.

માનનીય શ્રી

આપના તા. ૧૭-૧૮-૧૯ નવેમ્બર ૨૦૧૨ દરમ્યાન યોજાનાર સંમેલન/મહોત્સવ પ્રસંગની શુભકામનાઓ.

આપ અને અન્ય અગ્રણીઓ અત્રે મંદિરે આવી ઉપરોક્ત કાર્યક્રમની માહિતી આપી જે જાણીને ખૂબ જ આનંદ થયો. આવા કાર્યક્રમો દ્વારા સમાજને કંઈક વિશેષ સંદેશ મળી રહે છે. જે અત્યારના સમયની ખાસ જરૂરત છે.

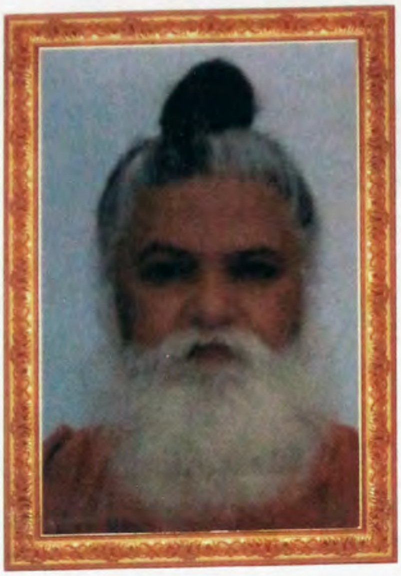
પરમકૃપાળુ પરમાત્મા આપના શુભ સંકલ્પોને સાર્થક કરે અને એ સાથે સમાજ સેવાના ધ્યેયની પૂર્તિ થાય. એકતા સ્થપાય અને વિકાસની કેડી રાજમાર્ગ બની રહે એવી અમારી અંતઃકરણની શુભેચ્છાઓ પાઠવીએ છીએ અને આપના આયોજનની જવલંત સફળતા ઈચ્છીએ છીએ.

મુલાકાત બદલ ખૂબ ખૂબ ધન્યવાદ.

realpatidar.com

realpatidar.com

॥ ॐ श्री निष्कलंकी नारायणाय नमः ॥



શુભ સંદેશ

श्री विद्या परमोपासजी स्वामी चेतनानंदगिरि

चेतनानंद संन्यास आश्रम
चांदोद - ता. डभोइ - जि. बडौदा.

अथर्ववेदाश्रित सत्पंथाचार्य प्रेरणा पीठाधिश्वर प.पू. जगद्गुरु आचार्य श्री नानकदासजी महाराजश्री वैदिक धर्मानुरागी भाविक भक्तजनो को प्रेरणा देनेवाले, समाजको राह देनेवाले प्रेरणा पुरुष एवं आदर्श है। जो सदाय समाज को नेतृत्व एवं प्रेरणा देने के लिए अविरत प्रयत्नशील है। वैदिक धर्मके प्रचार - प्रसार हेतु श्री अखिल भारतीय संत समिति का राष्ट्रीय वैदिक धर्म महा अधिवेशन प्रेरणापीठ - पीराणा में दि. १७-१८-१९ नवम्बर - २०१२ में आयोजित हो रहा है। साथमें चतुर्विध समारोह सहित पू. आचार्य जगद्गुरु श्री नानकदासजी महाराज का दशाब्दि महोत्सव मनाया जा रहा है। हमारे लिए यह प्रसंग अविस्मरणीय है। पू. आचार्यश्री के यह सराहनीय प्रयास के लिए एवं सत्पंथ परिवार के लिए शुभ कामना देते हुए त्रेसोल्याधिष्ठात्री मणिद्विप निवासिनी भोग-मोक्ष प्रदायिनी भगवती राजराजेश्वरी ललिता महात्रिपुर सुंदरी के श्री कमलोमें प्रार्थना करते हुए।

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n104/mode/1up

realpatidar.com

॥ ॐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

प.पू. १००८ स्वामी सुदर्शनाचार्य महाराज वेदांताचार्य

श्री नैऋत्धरधाम
डभोई - शिनोर रोड,
साटोद. जि. वडोदरा (गुजरात)

सदगुरु श्री इमामशाह महाराज की असीम कृपा से पीराणा के परम वन्दनीय पूजनीय प्रातः स्मरणीय नानकदासजी महाराजश्री शाष्टाङ्ग दण्डवत् प्रणाम ।

पीराणा पीठ सत्पंथ धाम आज प्रथम बार संत सम्मेलनमें कुकस आया । यहाँ का संत सम्मेलन संतो का दर्शन-महाराजश्री नानकदासजी का दर्शन पाकर कृतकृत्य हो गया । हमारे वैदिक परम्परा में भगवान श्री निष्कलंकी नारायण ही कलि काल में मोक्ष प्रदान करते है । श्री नानकदासजी महाराज को बधाई देता हूँ । जो सन्त समुदाय को प्यार, स्नेह से सींचा है । इसी तरह से संतो का कार्य जो भगवत कार्य है ।

कैकर्म लक्षण विलक्षण मोक्ष भाजो ।
भगवत भागवत आचार्य का कैकर्म ही मोक्षदायिनी है ।

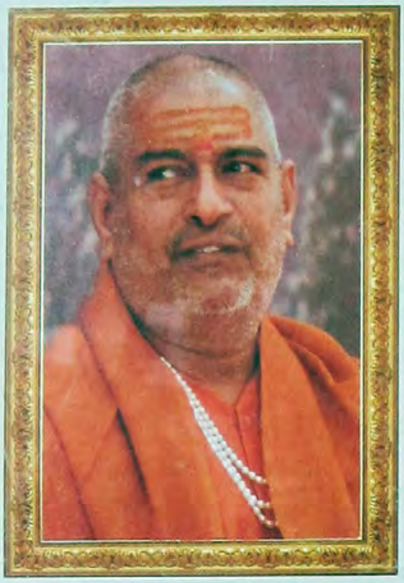
•

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n105/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

पू. स्वामी माधवतीर्थ महाराजश्री

ॐकार साधना आश्रम
पोस्ट बोक्स . ८५
लांभवेल रोड, आणंद - ३८८ ००१ (गुजरात)

यह जानकर हमे अत्यंत प्रसन्नता हुई की, श्री अखिल भारतीय संत समिति का राष्ट्रीय वैदिक धर्म महा अधिवेशन तथा चतुर्विध महोत्सव का आयोजन प्रेरणापीठ की पवित्र भूमि पर संपन्न हो रहा है। प.पू. जगद्गुरु सत्पंथाचार्य श्री नानकदासजी महाराज की इस मंगल महोत्सव के अवसर पर दशाब्दि पूर्ती यह एक दुग्धशर्करा योग है। मैं प.पू. नानकदासजी महाराज को इस अवसर पर हृदय से मंगल कामनायें देता हुँ। प.पू. नानकदासजी महाराजने वैदिक सनातन धर्म का जो प्रचार तथा प्रसार देश-विदेशमें किया है वो अत्यंत सराहनीय है। मैं परमपिता परमेश्वर के चरणोंमें यही प्रार्थना करता हुँ की प.पू. नानकदासजी महाराजको समाजोद्धार का कार्य भविष्यमें भी चालु रखने की शक्ति प्रदान करें। आपका तपस्वी, त्यागमय तथा सात्त्विक जीवन समाज को प्रेरणादायी हो।

इस विराट मंगल महोत्सव के आयोजन के पर्व पर मैं अंतःकरण पूर्वक वधाईयाँ एवम् शुभेच्छा देता हुँ।

•

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n106/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પૂ. મહંત સ્વામીશ્રી
સદાનંદ બ્રહ્મચારીજી મહારાજ
શ્રીમેકલ સુધાધામ, નર્મદા કુટી,
મુ. મેડીયાસાગ,
તા. ડેડીયાપાડા, જી. નર્મદા.

પૂ.જગદ્ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજને મારા પ્રણામ.

અખિલ ભારતીય સનાતન સત્પંથ સેવા મંડળ આયોજીત આપનો દશાબ્દિ મહોત્સવ અને અખિલ ભારતીય સંત સમિતિનું રાષ્ટ્રીય મહાઅધિવેશન તા. ૧૭-૧૮-૧૯ નવેમ્બરમાં મળી રહ્યું છે જેની પત્રિકા મળી. આવા ભવ્ય કાર્યક્રમને હું મારી શુભેચ્છા પાઠવું છું અને પૂ. નાનકદાસજીને તંદુરસ્ત દિર્ઘાયુ પ્રાપ્ત થાય તેવી પરમાત્માને પ્રાર્થના.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n107/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પૂ. સ્વામીશ્રી ભૂમાનંદસાગરજી મહારાજ
શ્રી માધવાનંદ આશ્રમ, ચાણોદ – વડોદરા.

શ્રી સનાતન સત્પંથ સેવા મંડળ દ્વારા પ્રેરણાપીઠ - પીરાણામાં સત્પંથાચાર્ય જગદ્‌ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજને ગાદી ગ્રહણ કર્યાના દશાબ્દિ મહોત્સવ પ્રસંગ અને અખિલ ભારતીય સંત સમિતિનું રાષ્ટ્રીય મહાઅધિવેશન તા. ૧૭-૧૮-૧૯ નવેમ્બર, ૨૦૧૨માં યોજાવાનું છે જેનું આમંત્રણ મળ્યું. ખુશી થઈ. આપના આ ભગીરથ કાર્યથી સાધુ-સંતોમાં એકતાની ભાવના વધશે અને ભક્તજનોને સંત દર્શન, સંતવાણીનો અનેરો લહાવો મળશે. પૂ. જગદ્‌ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજને તંદુરસ્ત દિર્ઘાયુ પ્રાપ્ત થાય એવી શુભકામના.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n108/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પૂ. સ્વામી જ્ઞાનાનંદ સરસ્વતીજી મહારાજ
શ્રી જ્ઞાનેશ્વર આશ્રમ,
શ્રી કાલી મંદિર
મુ.પો. નવારેવાસ (ઈડર)
જી. સાબરકાંઠા (ગુજરાત)

શ્રી સત્‌પંથધામ પ્રેરણાપીઠ - પીરાણાના જગદ્‌ગુરુ આચાર્યશ્રી નાનકદાસજી મહારાજ દશાબ્દિ મહોત્સવ, જગદ્‌ગુરુ પદ પ્રતિષ્ઠા મહોત્સવ, બ્રહ્મલીન જગદ્‌ગુરુ શ્રી કરસનદાસજી મહારાજ પરમજ્યોતિ વિલિન પર્વ અને વિશ્વ શાંતિ વિષ્ણુયાગના પરમ પાવન પર્વ નિમિત્તે આપ સૌ ટ્રસ્ટી મંડળ અને પીરાણા-પીઠના દિવ્ય વિભૂતિઓ, સંત સમિતિના જગદ્‌ગુરુઓ,આચાર્યો, મહામંડલેશ્વરો, સંતો, સિદ્ધો, મહંતો, સાધુઓ, સાધ્વીઓને આમંત્રણ આપી - સમાજના જનતા જનાર્દનને તથા સમગ્ર માનવના કલ્યાણ થાય તે માટે પરમ પુરુષાર્થ કરી રહ્યા છો.

સત્‌પંથધામ પ્રેરણાપીઠ - પીરાણા વૈદિક સંસ્કૃતિનું દીવાદાંડી માર્ગદર્શક છે. દસ વર્ષની અલ્પ અવધિમાં શ્રી નાનકદાસજી મહારાજે બ્રહ્મલીન કરસનદાસજી મહારાજ પછી આ પીઠને એક નવી દિશા આપી છે. પૂર્વે પીરાણા પીઠ દ્વારા આયોજીત ભારતીય વૈદિક ધર્મ સંમેલનો શાનદાર - જાનદાર રીતે ઉજવાઈ ગયાં. આજે પણ આ પ્રેરણાપીઠ ધર્મ સંમેલન, સંત સંમેલન, હિન્દુ સમાજને એક નવી દિશા આપી માનવ સમાજને જાગૃત કરી આત્મકલ્યાણના સત્પંથે તથા અંધશ્રધ્ધા, કુરીતીઓ, વ્યસનમુક્તિ અને ચરિત્ર નિર્માણના સત્કાર્ય માટે પ્રેરણાદાયી જીવનના જ્યોત બનીને અગ્રેસર છે.

આવા સંત સંમેલનો, ધર્મ સંમેલનો જ આપને સમગ્ર માનવને કલ્યાણના પંથે લઈ જઈ શકે છે તથા ભારત દેશને નવી દિશા આપી બચાવી શકશે.

ભવ્ય કાર્યક્રમ દશાબ્દિ મહોત્સવ આનંદનો પથદાયી વિષય છે, આચાર્યશ્રીને સારું સ્વાસ્થ્ય પૂર્વક જીવન જીવતાં સમાજને યથાયોગ્ય માર્ગદર્શન આપતા રહે એ જ આકાંક્ષા તથા "મા આદ્યશક્તિ"ને સદૈવ પ્રાર્થના સહ...
શુભં ભવતુ.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n109/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પૂ. શ્રી મહંત શ્રી શ્રી ૧૦૮
દેવેન્દ્રગીરીજી મહારાજ
સર્વેશ્વર મહાદેવ મંદિર,
ગાંધીધામ - કચ્છ.

અખિલ ભારતીય સનાતન સત્‌પંથ સેવા મંડળ દ્વારા પ્રેરણાપીઠ - પીરાણામાં સંત સમિતિનું રાષ્ટ્રીય સંમેલન અને જગદ્‌ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજના દશાબ્દિ મહોત્સવને મારી શુભેચ્છા.

પૂ. નાનકદાસજી મહારાજને તંદુરસ્ત આરોગ્ય પ્રાપ્ત થાય તેવી પ્રાર્થના.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n110/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પૂ. મહંતશ્રી રામસ્વરૂપદાસજી મહારાજ

ધોળેશ્વર મહાદેવ મંદિર,
ગાંધીનગર.

આદરણીય પૂ. જગદ્‌ગુરુશ્રી નાનકદાસજી મહારાજને મારા પ્રણામ

આપના સાનિધ્યમાં અખિલ ભારતીય સનાતન સત્‌પંથ સેવા મંડળ દ્વારા સંત સમિતિનું રાષ્ટ્રીય અધિવેશન અને આપનો દશાબ્દિ મહોત્સવ ઉજવાઈ રહ્યો છે તે પ્રસંગે મારી શુભ કામના પાઠવું છું.

પૂ. જગદ્‌ગુરુ નાનકદાસજી મહારાજને તંદુરસ્ત દિર્ઘાયુ પ્રાપ્ત થાય તેવી પ્રાર્થના.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n111/mode/1up

realpatidar.com

॥ ॐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥

શુભ સંદેશ



પૂ. મહંતશ્રી રામાયણી રામદાસજીબાપુ મહારાજ
પાલીતાણા, લક્ષ્મણધામ,
જી. ભાવનગર.

સનાતન સત્પંથ સેવામંડળના આયોજનથી આદરણીય પ.પૂ. જગદ્‌ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજનો દશાબ્દિ મહોત્સવ અને સંત સમિતિનું રાષ્ટ્રીય મહાસંમેલન મળી રહ્યું છે જે આનંદની વાત છે. સંત સમિતિ અને સનાતન સત્પંથ સેવા મંડળને મારી શુભકામના.

જગદ્‌ગુરુશ્રી નાનકદાસજી મહારાજને તંદુરસ્ત દિર્ઘાયુ પ્રાપ્ત થાય તેવી ભગવાન શ્રી રામજીને પ્રાર્થના.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n112/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પૂ. મહંત શ્રી ગોકુલદાસ રતનદાસજી
કબીર મંદિર,
ખાડીયા
અમદાવાદ.

ધન રહે ન જોબન રહે, ઘર ગામ નહીં ઠામ ।
કબીર જગમેં જસ રહે, કર દે કિસીકા કામ ॥

પ્રેરણાપીઠના ૨૩મા ગાદીપતિ જગદ્‌ગુરુ સત્‌પંથાચાર્યશ્રી નાનકદાસજી મહારાજ.

આપની સંસ્થા દ્વારા વર્ષમાં બે-ત્રણ વખત સંત સમાજને સાથે રાખી આવા સામાજિક અને ધાર્મિક કાર્યો ઉજવાય છે એ જાણીને અમને ઘણો આનંદ થયો.

શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણ વિષ્ણુયાગયજ્ઞ સહ બ્રહ્મલીન જગદ્‌ગુરુ શ્રી કરસનદાસજી મહારાજની ૧૦મી પુણ્યતિથિ તથા જગદ્‌ગુરુશ્રી નાનકદાસજી મહારાજની ગાદી પ્રતિષ્ઠાની ૧૦મી ઉજવણીનો દશાબ્દિ મહોત્સવ એવં અખિલ ભારતીય સંત સમિતિનું રાષ્ટ્રીય મહા ધર્મ અધિવેશનનું આયોજન કરવામાં આવ્યું છે. તે જાણી હું ખૂબ ખૂબ આનંદ અનુભવું છું. પરમાત્મા કબીર સાહેબ સર્વ કાર્યોમાં સફળતા બક્ષતા રહે તથા પૂર્ણ સફળતા આપતા રહે. આપશ્રીની ગાદી તરફથી સમાજને સાચી રાહે ચાલવાનો સંદેશ તથા એકતાનું - રાષ્ટ્રીયતાનું એવં સર્વ ધર્મ સમભાવનો જે મહામંત્ર આપવામાં આવી રહ્યો છે તે કાર્યને સદ્‌ગુરુ કબીર સાહેબ સફળતા આપતા રહે તથા આપને આવા કાર્યો માટે શતાયુતા બક્ષશે અને શક્તિ અર્પે.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n113/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥

શુભ સંદેશ

પૂ. મહંતશ્રી શીવરામજી સાહેબ
ગુરુ પ્રેમદાસજી સાહેબ
કબીરધામ, નાનીવાવડી,
તા. મોરબી. જી. રાજકોટ.

અખિલ ભારતીય સનાતન સત્પંથ સેવા મંડળ દ્વારા પ્રેરણાપીઠ - પીરાણામાં પૂ. સત્પંથાચાર્ય જગદ્ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજના દશાબ્દિ મહોત્સવ અને અખિલ ભારતીય સંત સમિતિનું રાષ્ટ્રીય મહા અધિવેશન દ્વારા ભારતના ધુરંધર સંતો-મહંતો એક મંચ પર ઉપસ્થિત રહેશે. જનતા જનાર્દનને સંત દર્શન, સંતવાણીનો લહાવો માણવા મળશે. જેનું પુન્ય સત્પંથ સેવામંડળને પ્રાપ્ત થાય અને જગદ્ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજને તંદુરસ્ત દિર્ઘાયુ પ્રાપ્ત થાય એવી પરમાત્માને પ્રાર્થના.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n114/mode/1up

2012-11 -Dashabdi Mahotsav -Sant Sammelan & Nanakdas Maharaj (Kaka) -Smruti Granth (310)

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પૂ. મહંતશ્રી પરસોત્તમદાસજી મહારાજ
ગુરુ કાનદાસજી મહારાજ,
લાલજી મહારાજ મંદિર,
વઢવાણ સીટી
જી. સુરેન્દ્રનગર.

શ્રી સનાતન સત્‌પંથ સેવા મંડળ દ્વારા પ્રેરણાપીઠ પીરાણામાં સત્‌પંથાચાર્ય શ્રી જગદ્‌ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજનો દશાબ્દિ મહોત્સવ અને સમગ્ર ભારતના સંતો - મહંતોના દર્શન થશે અને એક મંચ પર અલગ અલગ વિચારધારા ધરાવતા સંતોની જ્ઞાનવાણીનો લહાવો મળશે.

પૂ. જગદ્‌ગુરુશ્રી નાનકદાસજી મહારાજને તંદુરસ્ત દિર્ઘાયુ પ્રાપ્ત થાય તેવી પરમાત્માને પ્રાર્થના.

સેવા મંડળ દ્વારા યોજાયેલ ભવ્ય પ્રસંગને મારી શુભકામના.

realpatidar.com

Link: http://www.realpatidar.com/library
email: mail@realpatidar.com
Page 113 of 192

https://archive.org/details/bk310/page/n115/mode/1up

2012-11 -Dashabdi Mahotsav -Sant Sammelan & Nanakdas Maharaj (Kaka) -Smruti Granth (310)

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પૂ. મહંતશ્રી જીણારામજી
ગુરુ શ્રી વિઠ્ઠલદાસજી મહારાજ

ઠે. કોયા ભગતની જગ્યા,
સિહોર. જી. ભાવનગર. (ગુજરાત)

શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણ મહાપ્રભુજીની અસીમ કૃપાથી સનાતન સત્‌પંથ સંસ્થાન - પ્રેરણાપીઠ - પીરાણાના ગાદીપતિ પ.પૂ. જગદ્‌ગુરુ સત્‌પંથાચાર્યશ્રી નાનકદાસજી મહારાજના માર્ગદર્શન નીચે **"રાષ્ટ્રીય વૈદિક ધર્મ મહા અધિવેશન એવં ચતુર્વિધ મહોત્સવ"** ઉજવાઈ રહ્યો છે તે બદલ અંતઃકરણ પૂર્વક હર્ષ અનુભવી રહ્યો છું.

ધર્મપાલક અને ધર્મરક્ષક જ સાધુ બની શકે. સત્‌પંથાચાર્ય શ્રી નાનકદાસજી મહારાજે દસ વર્ષથી વૈદિક ધર્મ પ્રણાલીને ઉજાગર કરી છે. સત્‌પંથ સંપ્રદાય આજે દરેક માનવ માટે લાભકારક બન્યો છે.

ભારતીય વૈદિક સંસ્કૃતિ અનુષ્ઠાન પર્વ - મહોત્સવ તપસ્યા સાધનાની સંસ્કૃતિ છે.

પ્રેરણાપીઠની પાવન પવિત્ર ધરાના શુભ સ્થળે વિ.સં. ૨૦૬૯ના કારતક સુદ ૪-૫-૬ (શનિવાર - રવિવાર - સોમવાર) તા. ૧૭-૧૮-૧૯ નવેમ્બર, ૨૦૧૨ના શુભ દિવસોમાં આ મંગલમય પર્વ થકી ભારત દેશના ખૂણે ખૂણે સંસ્કૃતિ રક્ષા અને અધ્યાત્મવાદનો જયઘોષ ગાજી ઉઠે તેવી મારી પ્રભુને પ્રાર્થના.

realpatidar.com

Link: http://www.realpatidar.com/library
email: mail@realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n116/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પૂ. મહંતશ્રી ધર્મેન્દ્રગીરીજી
ગુરુ ખીમગીરીજી
શ્રી રૂદ્રમાતા જાગીર,
રૂદ્રમાતાધામ.
તા. ભુજ-કચ્છ.

શ્રી અખિલ ભારતીય સંત સમિતિનું રાષ્ટ્રીય વૈદિક ધર્મ મહા અધિવેશન એવમ્ ચતુર્વિધ મહોત્સવ.

શ્રી અખિલ ભારતીય સનાતન સત્પંથ સમાજ સેવા મંડળ પ્રેરિત વિરાટ - રાષ્ટ્રીય વૈદિક ધર્મ સંમેલન જે પ્રેરણાપીઠ - પીરાણા, ગુજરાતની પાવન ધરા ઉપર આગામી તા. ૧૭-૧૮-૧૯ નવેમ્બર, ૨૦૧૨ના શુભ દિને યોજાઈ રહ્યું છે. જેને અમો સહર્ષ આવકારીએ છીએ. તેમજ આ શુભ કાર્યમાં સર્વ સંતો સહભાગી બની કાર્યને દીપાવે તેવા અંતઃકરણથી આશીર્વાદ પાઠવું છું.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n117/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પૂ. મહંત શ્રી ૧૦૮ શ્રી બંસીદાસજી
ગુરુશ્રી જીણારામજી મહારાજ

શ્રી આપા જાલાની જગ્યા તથા રામજી મંદિર
ગામ મેસરીયા, વાંકાનેર,
રાજકોટ.

અખિલ ભારતીય સનાતન સત્પંથ સેવા મંડળ દ્વારા યોજાઈ રહેલ પ્રેરણાપીઠ - પીરાણામાં અખિલ ભારતીય સંત સમિતિનું રાષ્ટ્રીય મહા અધિવેશન અને સત્પંથાચાર્ય જગદ્‌ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજનો દશાબ્દિ મહોત્સવ યોજાઈ રહ્યો છે. તો આપના તરફથી આમંત્રણ મળ્યું ખૂબ આનંદ થાય છે. આપના તરફથી જુદી જુદી સંપ્રદાયના સાધુ-સંતોને એકમંચ પર એક સાથે બેસાડી એક વિચારધારાને મજબૂત કરવાનું કાર્ય કરી રહ્યા છો અને જગદ્‌ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજની દશાબ્દિ મહોત્સવ ઉજવાઈ રહ્યો છે તેમાં અમોને સહભાગી થવાનો યશ મળે છે તો જગદ્‌ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજનું જીવન તંદુરસ્ત રહે અને દિર્ઘાયુ પ્રાપ્ત થાય તેવી પરમાત્માને પ્રાર્થના.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n118/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥

શુભ સંદેશ

શ્રી શ્રી ૧૦૮
શ્રી મહંત દેવેન્દ્રગીરીજી મહારાજ
દાણેશ્વર જાગીર મંદિર,
ગામ– શિરાચા,
તા. મુન્દ્રા. જી. કચ્છ. (ગુજરાત)

આદરણીય પૂ. સત્પંથાચાર્ય શ્રી નાનકદાસજી મહારાજ - પ્રેરણાપીઠ - પીરાણા.
મારા વંદન.

પ્રેરણાપીઠ - પીરાણામાં અખિલ ભારતીય સનાતન સત્પંથ સેવા મંડળ દ્વારા અખિલ ભારતીય સંત સમિતિનું રાષ્ટ્રીય મહા અધિવેશન અને પૂ. જગદ્ગુરુશ્રી નાનકદાસજીનો દશાબ્દિ મહોત્સવ ઉજવાઈ રહ્યો છે. જેમનું આમંત્રણ મળ્યું. ખૂબ આનંદ થયો.

ભારતના વિવિધ સંપ્રદાયના જુદી જુદી વિચાર સરણી ધરાવતા સંતો એક મંચ પર બિરાજમાન થશે અને એકતાના દર્શન કરાવશે.

પૂ. નાનકદાસજી મહારાજના દશાબ્દિ મહોત્સવનો લહાવો ભક્તજનોને માણવા મળશે. જેમાં હું શ્રી નાનકદાસજીમહારાજને તંદુરસ્ત દિર્ઘાયુ પ્રાપ્ત થાય તેવી મહાપ્રભુને પ્રાર્થના કરું છું.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n119/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પ.પૂ. મહંતશ્રી ગંગાગીરીજી મહારાજ

રવેચી માતા મંદિર,
શ્રી રવેચી દેવસ્થાન ગૌશાળા,
મુ. રવેચી. તા. રાપર – કચ્છ.

શ્રી અખિલ ભારતીય સનાતન સત્પંથ સેવા મંડળ દ્વારા શ્રી અખિલ ભારતીય સંત સમિતિનું રાષ્ટ્રીય મહા અધિવેશન અને સત્પંથાચાર્ય જગદ્‌ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજનો દશાબ્દિ મહોત્સવ પ્રેરણાપીઠ - પીરાણામાં યોજાઈ રહ્યો છે, જે આપણા ગુજરાત માટે ગૌરવરૂપ બની રહેશે. કારણ કેગુજરાતની પાવન ધરા પાવન થશે અને ભક્તજનોને સંત, દર્શન, સંતવાણીનો અનેરો લહાવો પ્રાપ્ત થશે. આયોજક મંડળને મારા ખૂબ ખૂબ અભિનંદન શુભાશીષ. આવા ભવ્ય પ્રસંગે પૂ. જગદ્‌ગુરુશ્રી નાનકદાસજી મહારાજનો દશાબ્દિ મહોત્સવ ઉજવાઈ રહ્યો છે તેમાં વિશેષ આનંદ પ્રાપ્ત થશે. હું પૂ. નાનકદાસજી મહારાજને તંદુરસ્ત દિર્ઘાયુ પ્રાપ્ત થાય તેવી શ્રી પરમાત્માને પ્રાર્થના કરું છું.

realpatidar.com

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥

શુભ સંદેશ



પ.પૂ. મહાદેવબાપુ
પ.પૂ. ભરતબાપુ
અમરધામ લાલગેબી આશ્રમ
મુ. હાથીજણ. અમદાવાદ.

માનનીય દશાબ્દી મહોત્સવ સમિતિ,

આપનો પત્ર મળ્યો, વાંચી આનંદ અનુભવીએ છીએ.

શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણ મહાપ્રભુજીની અસીમ કૃપાથી સનાતન સત્‌પંથ (સદ્‌ગુરુ શ્રી ઈમામશાહ મહારાજ) સંસ્થાન, પ્રેરણાપીઠ પીરાણાના ૨૩મા ગાદીપતિ પ.પૂ. જગદ્‌ગુરુ સત્‌પંથાચાર્ય શ્રી નાનકદાસજી મહારાજ ચાલુ વર્ષે દસ વર્ષ પૂરા કરે છે, તે નિમિત્તે પ્રેરણાપીઠની પાવન - પવિત્ર ધરાના શુભ સ્થળે સં. ૨૦૬૯ના કારતક સુદ ૪-૫-૬, તા. ૧૭-૧૮-૧૯ નવેમ્બર, ૨૦૧૨ના શુભ દિવસોએ પ.પૂ. જગદ્‌ગુરુ સત્‌પંથાચાર્ય શ્રી નાનકદાસજી મહારાજ દશાબ્દિ મહોત્સવ એવં વિશ્વશાંતિ માટે ૧૦૮ કુંડી શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણ (વિષ્ણુયાગ) મહાયજ્ઞના શુભ અવસર ઉજવવાનું આયોજન કરેલ છે તે જાણી ખૂબ જ આનંદ થયો !!

પૂજ્ય આચાર્યશ્રી સત્‌પંથ ધર્મના ત્રેવીસમા ગાદીપતિ તરીકે દસ વર્ષમાં ભક્તજનોને જે સત્‌પંથ ધર્મનો રાહ બતાવી અહિંસા, વ્યસનમુક્તિ, ધર્મપરાયણમાં જીવન જીવવાનો આદર્શ માર્ગ બતાવી દરેક ભક્તજનોને કેળવણી જેવા સત્કાર્યો કરીને આદર્શ જીવન જીવવાનો રાહ બતાવ્યો છે. આવા સત્‌કાર્યો અને સત્‌બોધ પ.પૂ. શ્રી નાનકદાસજી મહારાજ આપણને આપતા રહે છે અને રહેશે !!

શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણના ચરણોમાં અમારા લાલ પરિવાર તરફથી કોટિ કોટિ વંદન હો !

આપનો દશાબ્દિ મહોત્સવ સંપૂર્ણ સફળ રહે તેવી લાલ પરિવાર શુભેચ્છા પાઠવે છે.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n121/mode/1up

realpatidar.com

॥ ॐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પૂ. મહંતશ્રી ગોવિંદબાપુ
ગુરુશ્રી શામજીબાપુ
શ્રી આપાગીગાનો આશ્રમ રામેશ્વર, સતાધાર
પો. પ્રેમપરાં, વાયા : વિસાવદર,
જી. જુનાગઢ. - સૌરાષ્ટ્ર (ગુજરાત)

અધ્યક્ષ મહોદય,

અખિલ ભારતીય સંત સમિતિ અને સત્‌પંથાચાર્યશ્રી જગદ્‌ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજ આપના સહયોગથી, જે સંત સમિતિનું ધર્મ સંમેલન અને શ્રી નાનકદાસજી મહારાજનો દશાબ્દિ મહોત્સવ યોજાઈ રહ્યો છે જે આમંત્રણ મળ્યું. સમગ્ર ભારતના સંતો પધારી દર્શન અને જ્ઞાનવાણીનો લહાવો સમગ્ર ભક્તજનોને માણવાનો આ મહામુલો પ્રસંગ સંપન્ન થઈ રહ્યો છે. જે આપણા સહુનાં સદ્‌ભાગ્ય છે. આ પ્રસંગે પૂજ્ય જગદ્‌ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજને મારી શુભેચ્છા પાઠવું છું અને શ્રી નાનકદાસજી મહારાજને તંદુરસ્ત દિર્ઘાયુ પ્રાપ્ત થાય તેવી પરમાત્માને પ્રાર્થના.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n122/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥

શુભ સંદેશ

પરમ પૂજ્ય રાજાબાવા શ્રી યોગેન્દ્રસિંહજી
માતાના મઢ જાગીર ટ્રસ્ટ,
માતાના મઢ,
તા.લખપત - કચ્છ.

શ્રી અખિલ ભારતીય સંત સમિતિનું રાષ્ટ્રીય વૈદિક ધર્મ મહા અધિવેશન એવમ્ ચતુર્વિધ મહોત્સવ.

શ્રી અખિલ ભારતીય સનાતન સત્પંથ સમાજ સેવા મંડળ પ્રેરિત વિરાટ રાષ્ટ્રીય વૈદિક ધર્મ સંમેલન જે પ્રેરણાપીઠ - પીરાણા, ગુજરાતની પાવન ધરા ઉપર આગામી તા. ૧૭-૧૮-૧૯ નવેમ્બર - ૨૦૧૨ના શુભ દિને યોજાઈ રહ્યું છે, જેને અમો સહર્ષ આવકારીએ છીએ, તેમજ મારા અંતઃ પૂર્વકના આશીર્વાદ પાઠવું છું.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n123/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પૂ. મહંતશ્રી મુળજીરાજા ગુરુશ્રી કાનજીરાજા
સંતશ્રી મેકણદાદાનો અખાડો,
ધ્રંગ જાગીર,
મુ. ધ્રંગ. તા. ભુજ – કચ્છ.

પ્રતિ,
શ્રી અખિલ ભારતીય સંત સમિતિ
પ્રેરણાપીઠ - પીરાણા.

જય 'જીનામ' સહ, આપ સર્વે સંતવર્યો અને સંત સમાજને પ્રણામ સહ, આપની સમિતિ દ્વારા આયોજિત વૈદિક ધર્મ મહા અધિવેશન એવં ચતુર્વિધ મહોત્સવને અંતઃકરણ પૂર્વકની સાદર શુભેચ્છા પ્રસ્તુત કરું છું.

શ્રી અખિલ ભારતીય સંત સમિતિ આયોજિત આ અધિવેશન અને ઉત્સવ આગામી તા. ૧૭-૧૮-૧૯ નવેમ્બર-૨૦૧૨ના રોજ પ્રભુકૃપાએ પાર પડે ! તેવી સંતશ્રી મેકરણદાદા કાપડીના સમાધિસ્થાનને આ તકે, મારી પ્રાર્થના....જીનામ.

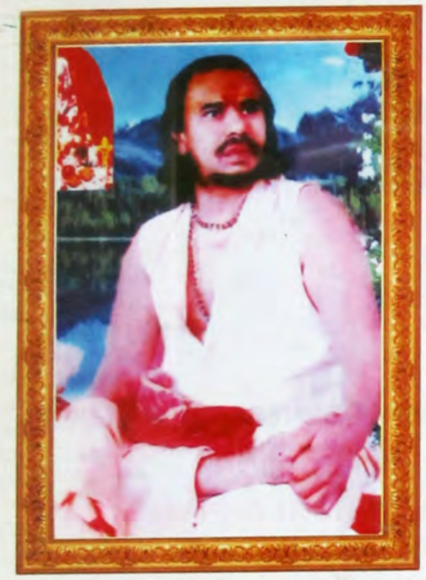
realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n124/mode/1up

2012-11 -Dashabdi Mahotsav -Sant Sammelan & Nanakdas Maharaj (Kaka) -Smruti Granth (310)

realpatidar.com

॥ ॐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

મહંતશ્રી ક્ષીપ્રાનંદગીરીજી મહારાજ
કંથેરિયા હનુમાન મંદિર,
બલીવાડા પરા,
પાલનપુર (બનાસકાંઠા)

અખિલ ભારતીય સનાતન સત્પંથ સેવા મંડળ દ્વારા શ્રી અખિલ ભારતીય સંત સમિતિ અને સત્પંથાચાર્ય જગદ્‌ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજનો દશાબ્દિ મહોત્સવ યોજાવાનો છે. જેની આમંત્રણ પત્રિકા મળી ખૂબ આનંદ થયો. આવા ભવ્ય કાર્યક્રમો દ્વારા ભારતના વિવિધ સંપ્રદાયો જુદી જુદી વિચાર સરણીવાળા સંતો એકત્ર થશે અને હિન્દુત્વની એકતાને વધુ મહત્ત્વ મળશે. જગદ્‌ગુરુશ્રી નાનકદાસજી મહારાજના દશાબ્દિ મહોત્સવ પ્રસંગે મારી શુભકામના અને તેમને તંદુરસ્ત દિર્ઘાયુ પ્રાપ્ત થાય તેવી પરમાત્માને પ્રાર્થના. એ જ.

realpatidar.com

Link: http://www.realpatidar.com/library
email: mail@realpatidar.com
Page 123 of 192

https://archive.org/details/bk310/page/n125/mode/1up

realpatidar.com

॥ ॐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

શ્રી અવધકિશોરદાસજી રામાયણી
મોઢેરા તપોવન આશ્રમ,
મનોકામના સિધ્ધ હનુમાન,
મોઢેરા, બહુચરાજી.

અખિલ ભારતીય સનાતન સત્પંથ સેવા મંડળ દ્વારા યોજાઈ રહેલ પ્રેરણાપીઠ - પીરાણામાં અખિલ ભારતીય સંત સમિતિનું રાષ્ટ્રીય મહાઅધિવેશન અને સત્પંથાચાર્ય જગદ્ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજનો દશાબ્દિ મહોત્સવ યોજાઈ રહ્યો છે જેનું આમંત્રણ મળ્યું ખૂબ ખુશી થઈ. મંડળ દ્વારા આવો ભવ્ય કાર્યક્રમ યોજાઈ રહ્યો છે જથી હું મંડળને મારા અભિનંદન પાઠવું છું અને જગદ્ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજના દશાબ્દિ મહોત્સવ પ્રસંગે શ્રી નાનકદાસજીને તંદુરસ્ત દિર્ઘાયુ પ્રાપ્ત થાય અને સત્કાર્યો કરવાની પ્રેરણા પ્રાપ્ત થાય તેવી મારી શુભ કામના.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n126/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥

શુભ સંદેશ

પૂ. વિજયગીરીજી મહારાજ
દત્ત મંદિર,
મુ. રાણાવાવ. જી. પોરબંદર.

આદરણીય શ્રી નાનકદાસજી મહારાજ.

આપના સેવકો દ્વારા આપના દશાબ્દિ મહોત્સવ અને સંત સમિતિનું રાષ્ટ્રીય મહા સંમેલનનો ભવ્ય કાર્યક્રમો થશે અને સમગ્ર ભારતના વિવિધ સંપ્રદાયના સંતો સાથે એક મંચ પર માનવધર્મને માર્ગદર્શન પુરુ પાડશે અને એકતા વધુ મજબૂત બનશે. જગદ્‌ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજનું આરોગ્ય તંદુરસ્ત રહે તેવી પ્રાર્થના સહ સનાતન સત્‌પંથ સેવા મંડળને શુભકામના.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n127/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પૂ. પ્રેમગિરિજી દેવગિરિજી ગોસ્વામી

અધ્યક્ષશ્રી,
બ્રહ્મ. દશરથગિરિ માનવસેવા ટ્રસ્ટ
દશરથ સીલ્વર આર્ટ પ્રા. લી.
રત્નદીપ સોસાયટી, પેડક રોડ,
રાજકોટ - ૩.

પૂજ્ય સત્પંથાચાર્ય શ્રી નાનકદાસજી મહારાજ તથા ટ્રસ્ટીગણ અને વ્યવસ્થાપન સમિતિ, પ્રેરણાપીઠ - પીરાણા.

સંત ચરણોમાં વંદના સહ જણાવવાનું કે પ્રેરણાપીઠની પુનિત ધરાને પોતાના પવિત્ર ચરણસ્પર્શથી કૃતાર્થ અને પાવન કરવા દિવ્ય જંગમતીર્થ સ્વરૂપ વંદનીય સંત-મહાત્માઓ સત્પંથાચાર્ય પૂ. શ્રી નાનકદાસજી મહારાજના નિમંત્રણથી પધારી રહ્યા છે ત્યારે સઘળો ધર્મોત્સવ અને રાષ્ટ્રીય સ્તરનું સંત સમિતિનું મહા અધિવેશન ગગન શિખર સુધી યશસ્વીતા પ્રાપ્ત કરે તેવી ૐ શ્રી નિષ્કલંકી મહાપ્રભુજીના ચરણોમાં પ્રાર્થના સહ સ્મૃતિગ્રંથ - ૨૦૧૨ને શુભ અભ્યર્થના.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n128/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પૂ. મહંત શ્રી મણીરામ
ગુરુ રામદાસજી મહારાજ

બાલાહનુમાન મંદિર,
માધાપર, ભૂજ.

અખિલ ભારતીય સનાતન સત્પંથ સેવા મંડળ આયોજીત અખિલ ભારતીય સંત સમિતિનું રાષ્ટ્રીય મહાઅધિવેશન અને સત્પંથાચાર્ય જગદ્ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજનો દશાબ્દિ મહોત્સવ યોજાઈ રહ્યો છે. તો પ્રેરણાપીઠનું આમંત્રણ મળ્યું. ખૂબ આનંદ થયો. આપના આ આદર્શ કાર્યથી સારાય ભારતના સાધુ-સંતો એક મંચ પર ભેગા થશે અને ધાર્મિક એકતા વધુ મજુબત બનશે. વિશેષમાં સાધુ-સંતોનાં દરેક ભક્તજનોને દર્શન અને જ્ઞાનામૃતનું રસપાન કરવાનો લહાવો પ્રાપ્ત થશે. વિશેષમાં આ મંગળમય પ્રસંગે જગદ્ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજની દશાબ્દિ મહોત્સવ ઉજવાઈ રહ્યો છે. જગદ્ગુરુ શ્રી નાનકદાસજીને તંદુરસ્ત દિર્ઘાયુ પ્રાપ્ત થાય અને આવાં સત્કાર્યો કરવાની સદાય પ્રેરણા મળતી રહે એવી પરમાત્માને પ્રાર્થના.

realpatidar.com

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પૂ. મહંતશ્રી શીતલપુરીજી મહારાજ
નિલકંઠ મહાદેવ મંદિર,
શ્યામનગર,
ગોતા. ખેડબ્રહ્મા.

અખિલ ભારતીય સનાતન સત્‌પંથ સેવા મંડળ દ્વારા યોજાઈ રહેલ અખિલ ભારતીય સંત સમિતિનું રાષ્ટ્રીય મહા અધિવેશન તા. ૧૭-૧૮-૧૯ નવેમ્બર યોજાઈ રહેલ છે અને જગદ્‌ગુરુ નાનકદાસજીનો દશાબ્દિ મહોત્સવ ઉજવાઈ રહ્યો છે. જેનું આમંત્રણ મળ્યું. આવા રાષ્ટ્રીય સંત સંમેલન કરવાં બહુ જ અઘરું કામ છે છતાં આપના દ્વારા યોજાવાનું છે જેમાં હું મારી શુભકામના પાઠવું છું અને જગદ્‌ગુરુશ્રી નાનકદાસજી મહારાજના દશાબ્દિ મહોત્સવ પ્રસંગે હું પરમાત્માને પ્રાર્થના કરું છું કે તેમને તંદુરસ્ત દિર્ઘાયું પ્રાપ્ત થાય તેવી નિલકંઠ મહાદેવને મારી પ્રાર્થના.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n130/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પૂ. મહંતશ્રી ૐ સાગરગીરીજી મહારાજ
ઉબેણીયા મહાદેવ મંદિર
મુ. પો. ભેસાણ
જી. જુનાગઢ.

આદરણીય જગદ્‌ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજ - પ્રેરણાપીઠ - પીરાણા.

આપના સાનિધ્યમાં તા. ૧૭-૧૮-૧૯ નવેમ્બર સંત સમિતિનું મહા સંમેલન અને આપનો દશાબ્દિ મહોત્સવ ઉજવવાનું ભવ્ય કાર્ય થઈ રહ્યું છે. જે હિન્દુ સમાજ માટે એકતાનું માર્ગદર્શન બની રહેશે. આવા ભવ્ય પ્રસંગ માટે સનાતન સત્‌પંથ સેવા મંડળને શુભકામના.

પૂ. નાનકદાસજી મહારાજ આપને પરમાત્મા તંદુરસ્ત આરોગ્ય પ્રાપ્ત થાય તેવી દેવાધીદેવ મહાદેવને પ્રાર્થના.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n131/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

મહંત શ્રી શાન્તીગીરીજી મહારાજ
શ્રાવણેશ્વર મહાદેવ,
શેરપુર, ઈડર.

આદરણીય જગદ્‌ગુરુશ્રી નાનકદાસજી મહારાજ તથા ટ્રસ્ટી મંડળ મારા વંદન. આપના સાનિધ્યમાં અખિલ ભારતીય સનાતન સત્‌પંથ સેવા મંડળ દ્વારા અખિલ ભારતીય સમિતિનું રાષ્ટ્રીય મહા અધિવેશન અને આપનો દશાબ્દિ મહોત્સવ ઉજવાઈ રહ્યો છે. જેનું આમંત્રણ મળ્યું. આપના દ્વારા સમગ્ર ભારતના સાધુ સંતો ગુજરાતની પાવનભૂમિમાં પધારશે અને ભક્તજનોને દર્શન, સંત વાણીનો લહાવો માણવા મળશે. આપના દશાબ્દિ પ્રસંગે મારી શુભ કામના અને આપનું તંદુરસ્ત દિર્ઘાયુ પ્રાપ્ત થાય તેવી દેવોના દેવ મહાદેવને મારી પ્રાર્થના.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n132/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પૂ. મહંતશ્રી ભોલાગીરીજી મહારાજ

બ્રહ્મપુરી આશ્રમ,
રામપુરા,
પાલનપુર.

પ્રેરણાપીઠ - પીરાણામાં અખિલ ભારતીય સનાતન સત્પંથ સેવા મંડળ દ્વારા શ્રી અખિલ ભારતીય સંત સમિતિનું રાષ્ટ્રીય મહા અધિવેશન યોજાવાનું છે અને સત્પંથાચાર્ય જગદ્‌ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજનો દશાબ્દિ મહોત્સવ યોજાવાનો છે. જેની પત્રિકા મળી ખૂબ આનંદ થયો. આવા ભવ્ય કાર્યક્રમો કરવા એ નાનીસુની વાત નથી. આપના મંડળ દ્વારા જે કાર્ય થઈ રહ્યું છે તેને શુભકામના પાઠવું છું અને જગદ્‌ગુરુ સત્પંથાચાર્યશ્રી નાનકદાસજી મહારાજના દશાબ્દિ પ્રસંગે શુભકામના અને તેમને તંદુરસ્ત દિર્ઘાયુ પ્રાપ્ત થાય તેવી પરમાત્માને પ્રાર્થના.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n133/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પૂ. મહંતશ્રી ચેતનગીરીજી મહારાજ
ગુરુશ્રી ઓમકારગીરીજી મહારાજ

શ્રી મહાકાળી મંદિર, મહેશનગર,
મુન્દ્રા - ગાંધીધામ રોડ,
મુન્દ્રા, કચ્છ

અખિલ ભારતીય સનાતન સત્પંથ સેવા મંડળ દ્વારા પ્રેરણાપીઠ-પીરાણા સંત સમિતિનું રાષ્ટ્રીય મહા સંમેલન અને પૂ. જગદ્‌ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજનો દશાબ્દિ મહોત્સવ ઉજવાઈ રહ્યો છે જે ભક્તજનોને માનવધર્મનું માર્ગદર્શન મળશે અને સંત દર્શન, સંતવાણીનો અનેરો આનંદ પ્રાપ્ત થશે.

પૂ. નાનકદાસજી મહારાજને તંદુરસ્ત દિર્ઘાયુ પ્રાપ્ત થાય એવી શુભકામના.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n134/mode/1up

realpatidar.com

॥ ॐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પૂ. મહંતશ્રી માધવાનંદગીરીજી મહારાજ
ઓડાણ યક્ષ મંદિર,
મુ. બિદડા. તા. માંડવી. જી. કચ્છ.

અખિલ ભારતીય સનાતન સત્પંથ સેવા મંડળ દ્વારા સત્પંથાચાર્ય જગદ્ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજનો દશાબ્દિ મહોત્સવ અને સંત સમિતિના રાષ્ટ્રીય મહા સંમેલન દ્વારા અલગ અલગ સંપ્રદાયમાં વિચાર ધરાવનાર સંતો એક મંચ પર પધારશે સંત દર્શન સંતવાણીનો ભક્તજનોને અનેરો લહાવો મળશે. પૂ. નાનકદાસજી મહારાજને તંદુરસ્ત આયુષ્ય સાંપડે તેવી પ્રાર્થના.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n135/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પૂ. મહંતશ્રી વિજયગીરીજી મહારાજ

પ્રાચીન આશાપુરા મંદિર,
મુ. ડોણ. તા. માંડવી. જી. કચ્છ.

આદરણીય પ.પૂ. જગદ્‌ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજ - પ્રેરણાપીઠ - પીરાણા.

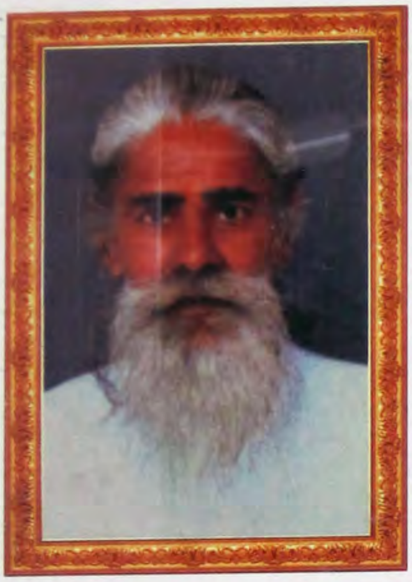
આપના સેવકોના ભાવ દર્શાવતો મહામૂલો પ્રસંગ સંત સમિતિનું રાષ્ટ્રીય મહા સંમેલન અને આપના દશાબ્દિ મહોત્સવને શુભેચ્છા પાઠવું છું. આપને પરમાત્મા તંદુરસ્ત દિર્ઘાયુ પ્રાપ્ત થાય તેવી પ્રાર્થના.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n136/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પ.પૂ. મહંતશ્રી જમનાદાસજી
મધ્યગુજરાત શ્રી રામાનંદ વિરક્ત મંડલ
વડુ, પાદરા.

સરવર તરૂવર સંત જન, ચોથા વરસે મેહ ।
પરમારથને કારણે, ચારે ધરિયા દેહ ॥

સત્‌પંથધામ પ્રેરણાપીઠ - પીરાણાના પ.પૂ. જગદ્‌ગુરુ સત્‌પંથાચાર્ય શ્રી નાનકદાસજી મહારાજનો દશાબ્દિ મહોત્સવ તા. ૧૭-૧૮-૧૯ નવેમ્બર - ૨૦૧૨ના રોજ પ્રેરણાપીઠ - પીરાણાધામ ખાતે ચતુર્વિધ મહોત્સવ સહિત ઉજવાઈ રહ્યો છે તે સમસ્ત ગુજરાતના સંતો-મહંતો માટે આનંદનો પ્રસંગ છે. સાથે અખિલ ભારતીય સંત સમિતિનું રાષ્ટ્રીય વૈદિક ધર્મ મહા સંમેલન પીરાણા ધામે આયોજીત થઈ રહ્યું છે તે વિશે અમે આનંદની લાગણી અનુભવીએ છીએ. પ્રવર્તમાન સમયમાં પૂ. આચાર્યશ્રી દ્વારા સમાજને જે એકતાનો સંદેશો પાઠવી રહ્યા છો તે અવર્ણનીય છે. ભગવાન શ્રી રામચંદ્રજી દિર્ઘાયુ બક્ષે તેવી પ્રાર્થના કરું છું, તેમજ કાર્યક્રમની પૂર્ણ સફળતા ઈચ્છુ છું.

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n137/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પૂ. સ્વામી ઉમાનંદજી મહારાજ
ગંભીરપુરા, દેવ દરબાર
તા. ઈડર. જિ. સાબરકાંઠા

પરમપૂજ્ય જગદ્‌ગુરુ સત્‌પંથાચાર્ય શ્રી નાનકદાસજી મહારાજ. આપને શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણ સદા નિરોગી અને ધર્મ સાધનામાં પરિપક્વ રાખે એવી શુભ પ્રાર્થના. વૈદિક ધર્મના અનુસરણ કરીને જે હિન્દુ સંસ્કૃતિને આગળ વધારેલ છે. જે આખા દેશ માટે અને આપણા ગુજરાત માટે ગૌરવશાળી બને એવી પ્રભુ પાસે પ્રાર્થના અને દિર્ઘાયુષ્ય અર્પે એ જ અભ્યર્થના.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n138/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પૂ. શ્રી મહંત રામદાસજી
ગુરુ શ્રી અનિરુધ્ધદાસજી નિર્મોહી
અ. ભા. શ્રી પંચ નિર્મોહી અનિ અખાડા
(વૃંદાવન – હરિદ્વાર)
શ્રી વિરેશ્વર મહાદેવ અને
નરસિંહ ભગવાન મંદિર,
મુ. વિરેશ્વર. તા. વિજયનગર. જિ. સા.કાંઠા

પરમપૂજ્ય શ્રી શ્રી શ્રી જગદ્ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજ પ્રેરણાપીઠ - પીરાણા.

દંડવત્ પ્રણામ.

આપના આશીર્વાદથી અખિલ ભારતીય સંત સમિતિનું મહા અધિવેશન અને જગદ્ગુરુશ્રી નાનકદાસજી મહારાજનો દશાબ્દિ મહોત્સવ તા. ૧૭-૧૮-૧૯ નવેમ્બરમાં ઉજવાઈ રહ્યો છે તેમાં ગુજરાતની પાવન ધરા પર સમગ્ર ભારતના સાધુ સંતોના દર્શન અને આશીર્વાદરૂપી અમૃતવાણીનું રસપાન કરવાનું અહોભાગ્ય પ્રાપ્ત થશે તો આવા અમૂલ્ય દર્શનનો લહાવો માણવો એ ભાગ્યની વાત છે. આવા ભવ્ય પ્રસંગને હું મહંત શ્રીરામદાસજી ગુરુ અનિરુધ્ધદાસજી નિર્મોહી મારા અંતરની શુભેચ્છા પાઠવું છું.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n139/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પ.પૂ. શ્રી પ્રભુચરણદાસજી મહારાજ
શ્રી પ્રભુચરણ આશ્રમ
કલ્યાણપર, ટંકારા.
મોરબી.

પ્રેરણાપીઠ - પીરાણા ખાતે ચતુર્વિધ મહોત્સવ પ્રસંગે ઉપસ્થિત સમગ્ર ભારતભરમાંથી તીર્થરૂપ સંતો, મહંતો, શંકરાચાર્યો, જગદ્‌ગુરુઓ, મંડલેશ્વરો, મહામંડલેશ્વરોનાં દર્શન કરવાનો તેમજ અમૃતમય વાણી સાંભળવાનો અમૂલ્ય લ્હાવો લેવાનો આ શુભ અવસરનું આયોજન કરવા બદલ અને આવા ભગીરથ કાર્યો કરવા બદલ પ.પૂ. સત્પંથાચાર્ય શ્રી નાનકદાસજી મહારાજને પરમકૃપાળુ પરમાત્મા બળ, બુધ્ધિ, હિંમત આપે અને તેમનું આરોગ્ય સારુ રહે અને પરમાત્મા તેમને દિર્ઘાયુ બક્ષે એવી પ્રભુને પ્રાર્થના.

પ.પૂ. જગદ્‌ગુરુશ્રી નાનકદાસજી મહારાજના શ્રી ચરણોમાં કોટી કોટી વંદન સહ મહોત્સવની શુભકામના.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n140/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પૂ. પ્રભાતભાઈ સરતનભાઈ દેસાઈ
(કારોબારી મહંત)
શ્રી સત્પંથ પંથની રબારી
સમાજની ધાર્મિક જગ્યા
મુ. બાલીસણા. તા. જી. પાટણ.

અખિલ ભારતીય સનાતન સત્પંથ સેવા મંડળ આયોજીત સત્પંથાચાર્ય જગદ્ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજનો દશાબ્દિ મહોત્સવ અને અખિલ ભારતીય સંત સમિતિનું રાષ્ટ્રીય મહા અધિવેશન યોજવાનું જે કાર્ય કરી રહ્યા છો તે ખૂબ આનંદની વાત છે. સારાએ ભારતના સંતોના દર્શન, સંતવાણીનો લહાવો ભક્તજનોને મળશે તો આવા શુભ પ્રસંગને મારી શુભેચ્છા પાઠવું છુ.

તા. ક. સત્પંથાચાર્ય શ્રી જગદ્ગુરુ નાનકદાસજી મહારાજને તંદુરસ્ત દિર્ઘાયુ પ્રાપ્ત થાય એ જ.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n141/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પ.પૂ. મહંતશ્રી સીવગણદાસજી મહારાજ
અથર્વવેદી સત્‌પંથ સેવા આશ્રમ
કાદીયા મોટા, તા. નખત્રાણા – કચ્છ.

શ્રી પ્રેરણા પીઠ - પીરાણામાં સત્‌પંથાચાર્ય જગદ્‌ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજનો દશાબ્દિ મહોત્સવ અને અખિલ ભારતીય સંત સમિતિનું મહા અધિવેશન પ્રેરણાપીઠ - પીરાણામાં તા. ૧૭-૧૮-૧૯ નવેમ્બર, નવા વરસમાં યોજાવાનું છે જે આપના સૌના માટે ગૌરવ લેવા જેવું છે. સારા ભારતમાંથી સાધુ-સંતો પધારશે અને સંત દર્શન, સંતવાણીનો લ્હાવો સૌને મળશે. શ્રી સત્‌પંથ સેવા મંડળ દ્વારા આ કાર્ય થઈ રહ્યું છે તે સુંદર કાર્ય છે. હું મંડળને શુભેચ્છા પાઠવું છું.

સત્‌પંથાચાર્ય જગદ્‌ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજને સતાયુ - દિર્ઘાયુ પ્રાપ્ત થાય એવી ગુરુ મહારાજને પ્રાર્થના. એ જ આપનો સ્નેહી.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n142/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પ. પૂ. મહંત શ્રી જયરામદાસજી મહારાજ

શ્રી અથર્વવેદી સત્પંથ સેવા આશ્રમ
કાદીયા મોટા, તા. નખત્રાણા – કચ્છ.

અખિલ ભારતીય સત્પંથ સેવા મંડળ આયોજિત સત્પંથાચાર્ય જગદ્‌ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજના દશાબ્દિ મહોત્સવ અને અખિલ ભારતીય સંત સમિતિનું મહા અધિવેશન પ્રેરણાપીઠ - પીરાણામાં તા. ૧૭-૧૮-૧૯ નવેમ્બર - ૨૦૧૨માં યોજાઈ રહેલ છે. જે ગુજરાતના ભક્તજનો માટે આનંદનો ઉત્સવ ગણાશે. સારાએ ભારતના સાધુ-સંતો મહાત્માઓનાં દર્શન અને સંતવાણીનો લ્હાવો મળશે. આપણા ગુજરાતની પાવન ભૂમિને સંતચરણનો લ્હાવો પ્રાપ્ત થશે. સદર પ્રસંગના આયોજકોને અમારા શુભ આશિષ. જગદ્‌ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજને તંદુરસ્ત દિર્ઘાયુ પ્રાપ્ત થાય એવી સદ્‌ગુરુ પરમાત્માને પ્રાર્થના.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n143/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પ.પૂ. મહંતશ્રી રવિદાસજી મહારાજ

ગુરુ સવજીદાસજી મહારાજ
પ્રેરણાપીઠ પીરાણા.

અખિલ ભારતીય સનાતન સત્‌પંથ સેવા મંડળ આયોજીત સત્‌પંથાચાર્ય શ્રી જગદ્‌ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજનો દશાબ્દિ મહોત્સવ અને અખિલ ભારતીય સંત સમિતિનું રાષ્ટ્રીય મહા અધિવેશન તા. ૧૭-૧૮-૧૯ નવેમ્બરમાં યોજાઈ રહ્યું છે જે આપણી સંસ્થા અને સત્‌પંથ પરિવાર માટે ગૌરવની વાત છે. મારા વિભાગ ગૌશાળામાં પૂ. નાનકદાસજી મહારાજની કૃપા અને માર્ગદર્શનથી ગૌશાળા ખૂબ સુંદર ચાલે છે. આપણા માટે ગૌરવ છે કે રાષ્ટ્રીય ગૌ સુધારણા હરિફાઈ જયપુરમાં આપણા ગૌશાળાની ગૌમાતા બીજા નંબરે શ્રેષ્ઠ ગૌ નો એવોર્ડ પ્રાપ્ત થયેલ છે અને સદર ગૌ માતાની આપણી ગૌશાળામાં હાલ પણ દૂધ આપવાની ક્ષમતા જળવાઈ રહેલ છે. પૂ. નાનકદાસજી મહારાજને તંદુરસ્ત આરોગ્ય જળવાઈ રહે એવી સદ્‌ગુરુ શ્રી ઈમામશાહ મહારાજને પ્રાર્થના.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n144/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પ.પૂ. મહંતશ્રી શામળદાસજી મહારાજ
પ્રેરણાપીઠ – પીરાણા.

પ.પૂ. સત્પંથાચાર્ય જગદ્‌ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજનો દશાબ્દિ મહોત્સવ પ્રસંગ અને અ. ભા. સંત સમિતિનું રાષ્ટ્રીય મહા અધિવેશન આપણી સંસ્થામાં અખિલ ભારતીય સનાતન સત્પંથ સેવા મંડળ દ્વારા યોજાઈ રહ્યું જે આપણા સૌના માટે આનંદની વાત છે. ગુજરાતની પાવન ધરામાં સમગ્ર ભારતના સાધુ-સંતોનાં દર્શન, સંતવાણીનો લહાવો મળશે. આપણી સંસ્થામાં મને સોંપેલ ભંડારાની જવાબદારી સારી રીતે નિભાવું છુ અને દરેક યાત્રાળુઓ ભોજન પ્રસાદ લઈ આનંદ અનુભવે છે. પૂ. ગુરુવર્ય જગદ્‌ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજનું તંદુરસ્ત આરોગ્ય રહે એવી પરમાત્માને પ્રાર્થના.

•

realpatidar.com

Link: http://www.realpatidar.com/library
email: mail@realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n145/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પ.પૂ. મહંતશ્રી પુરુષોત્તમદાસજી મહારાજ

શ્રી ક. ક. પાટીદાર સત્‌પંથ સમાજ સંચાલિત
ગુરુકુળ, નિષ્કલંકી ધામ
નવસારી લાટ.

પરમ વંદનીય જગદ્‌ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજને પ્રણામ.

આપના શુભ આશીર્વાદથી શ્રી નિષ્કલંકી ધામ ગુરુકુળનાં બાળકો સંસ્કાર સાથે અભ્યાસ કરી રહ્યા છે અને બાળકો જીલ્લામાં અને રાજ્યમાં હરિફાઈમાં પ્રથમ કક્ષાએ ઉત્તીર્ણ થયેલ છે જે ગૌરવની વાત છે. શ્રી સત્‌પંથ સેવા મંડળ દ્વારા તા. ૧૭-૧૮-૧૯ નવેમ્બરમાં આપના દશાબ્દિ મહોત્સવ અને અ.ભા. સંત સમિતિનું રાષ્ટ્રીય અધિવેશન દ્વારા સંતોના દર્શન, સંતવાણી પ્રાપ્ત થશે. દરેક ભક્તજનોમાં માનવ જીવનના સંસ્કારોનું સિંચન થશે. પૂ. ગુરુમહારાજને તંદુરસ્ત દિર્ઘાયુ પ્રાપ્ત થાય તેવી પ્રાર્થના.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n146/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પ.પૂ. મહંતશ્રી સોમદાસજી મહારાજ

સત્પંથ આશ્રમ
દિવાળીપુરા – જી. વડોદરા.

પ.પૂ. સત્પંથાચાર્ય જગદ્‌ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજ..

આપશ્રીના સાનિધ્યમાં સત્પંથ પ્રેરણાપીઠ ખાતે તા. ૧૭-૧૮-૧૯ નવેમ્બર - ૨૦૧૨ સુધીના શુભ દિવસોમાં આપશ્રીના દશાબ્દિ મહોત્સવ નિમિત્તે વિરાટ અખિલ ભારતીય સંત સંમેલનનું સુંદર આયોજન અને ભવ્ય કાર્યક્રમ થઈ રહ્યો છે તે જાણી હર્ષની લાગણી અનુભવું છું.

સદ્‌ગુરુ શ્રી ઈમામશાહ મહારાજની અસીમ કૃપાથી 'સત્પંથ એ મહાપંથ' છે તે સત્પંથ વિશ્વ ધર્મ બનીને રહે, તેના યશભાગી આપશ્રી બનીને સાચા અર્થમાં જગદ્‌ગુરુ જગતના ગુરુ બનીને રહો એ જ શુભકામના પાઠવું છું.

શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણ મહાપ્રભુજી સૌનું કલ્યાણ કરે.

realpatidar.com

Link: http://www.realpatidar.com/library
email: mail@realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n147/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પૂ. ૧૦૮ મહંત શ્રી શિવપુરીબાપુ
ગુરુ નરભેપુરી બાપુ
વાળીનાથ મહાદેવ, ઝાઝાવડાદેવ,
મુ. થરા. તા. કાંકરેજ. જિ. બનાસકાંઠા.

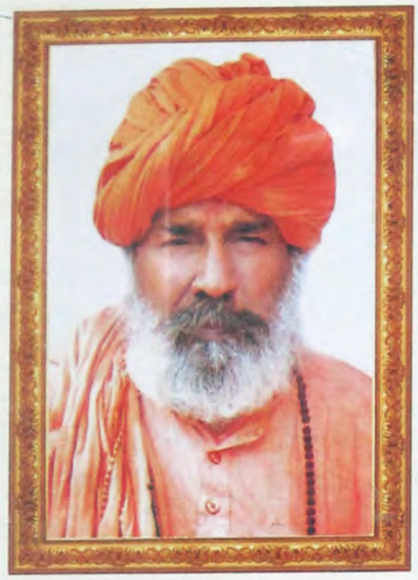
પ્રેરણાપીઠ - પીરાણામાં ભવ્ય પ્રસંગ યોજાવાનો છે, જેનો યશ અખિલ ભારતીય સનાતન સત્પંથ સેવા મંડળને જાય છે. અખિલ ભારતીય સંત સમિતિનું રાષ્ટ્રીય મહા અધિવેશન અને સત્પંથાચાર્ય જગદ્‌ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજના દશાબ્દિ મહોત્સવના મંગલમય પ્રસંગે મારી શુભકામના. જગદ્‌ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજને તંદુરસ્ત દિર્ઘાયુ પ્રાપ્ત થાય તેવી વાળીનાથ મહાદેવને મારી પ્રાર્થના.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n148/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પૂ. ૧૦૦૮ મહંત શ્રી બળદેવગીરી ગુરુ સુરજગીરી

વાળીનાથ (તરભ) અખાડા,
વિસનગર, મહેસાણા.

પ્રેરણાપીઠ - પીરાણાની પાવન ભૂમિ પર અખિલ ભારતીય સનાતન સત્પંથ સેવા મંડળ દ્વારા અખિલ ભારતીય સંત સમિતિનું રાષ્ટ્રીય મહા અધિવેશન અને પૂ. જગદ્ગુરુ શ્રી નાનકદાસજીનો દશાબ્દિ મહોત્સવ યોજાવાનો છે જેનું આમંત્રણ મળ્યું, આનંદ થયો. આવો ભવ્ય કાર્યક્રમ નવલાં વર્ષમાં તા. ૧૭-૧૮-૧૯ નવેમ્બર - ૨૦૧૨માં યોજાશે જેનો યશ પ્રેરણાપીઠને પ્રાપ્ત થાય છે. ભક્તજનોને સંત દર્શન અને સંતવાણીનો લાભ થશે. પૂ. જગદ્ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજના દશાબ્દિ મહોત્સવ પ્રસંગે મારી શુભકામના અને તેમને તંદુરસ્ત દિર્ઘાયુ પ્રાપ્ત થાય તેવી પ્રાર્થના.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n149/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પૂ. મહંત ૧૦૦૮ શ્રી શંકરનાથ બાપુ
નકલંકધામ,
મુ. વાઘડોદ, તા. પાટણ.

અખિલ ભારતીય સનાતન સત્પંથ સેવા મંડળ આયોજીત અખિલ ભારતીય સંત સમિતિનું રાષ્ટ્રીય મહાઅધિવેશન તેમજ પૂ. સત્પંથાચાર્ય જગદ્ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજનો દશાબ્દિ મહોત્સવ યોજાવાનો છે જેનું આમંત્રણ મળ્યું. આપના દ્વારા ભારતના દરેક સંપ્રદાયના સંત-મહાત્માઓ એક મંચ પર બિરાજમાન થશે અને એકતાને વધુ મજબુતાઈ પ્રાપ્ત થશે. સંતોમાં એકતા હશે તો જ જનતામાં એકતા જળવાઈ રહેશે. પૂ. નાનકદાસજીના દશાબ્દિ પ્રસંગે મારી શુભકામના પાઠવું છું અને તેમને તંદુરસ્ત દિર્ઘાયુ પ્રાપ્ત થાય તેવી પરમાત્માને પ્રાર્થના.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n150/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પૂ. ૧૦૮ મહંતશ્રી બાબુપુરી ગુરુ જાલમપુરી

નકલંકધામ,
મુ. પેપળુ, તા. ડીસા. જી. બનાસકાંઠા.

પ્રેરણાપીઠ - પીરાણામાં જગદ્‌ગુરુ સત્‌પંથાચાર્ય શ્રી નાનકદાસજી મહારાજના સાનિધ્યમાં અખિલ ભારતીય સનાતન સત્‌પંથ સેવા મંડળ દ્વારા અખિલ ભારતીય સંત સમિતિનું રાષ્ટ્રીય મહા અધિવેશન યોજાઈ રહ્યું છે તે ગુજરાત માટે ગૌરવની વાત છે. સાથે સાથે જગદ્‌ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજનો દશાબ્દિ મહોત્સવ પ્રસંગ ઉજવવાનો છે, તેમાં અમારી શુભેચ્છા પાઠવું છું અને પૂ. જગદ્‌ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજને તંદુરસ્ત દિર્ઘાયુ પ્રાપ્ત થાય તેવી નકલંક ભગવાનને મારી પ્રાર્થના.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n151/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પ.પૂ. યોગાચાર્ય
શ્રી પ્રેમદાસબાપુ રામદાસબાપુ
પંચવટી - દહેગામ(અમેરિકા)

શ્રી અખિલ ભારતીય સંત સમિતિનું રાષ્ટ્રીય મહા અધિવેશન એવં ચતુર્વિધ મહોત્સવનું તા. ૧૭-૧૮-૧૯ નવેમ્બર - ૨૦૧૨ દરમ્યાન સંતો, હરિભક્તો અને ધર્મપ્રેમીઓના સાનિધ્યમાં પ્રેરણાપીઠ મુકામે મહોત્સવ સ્વરૂપે આયોજન કરવામાં આવ્યું છે તે ઘણી આનંદ અને ગૌરવની વાત છે.

સતૃપંથ પ્રેરણાપીઠના ૨૨મા ગાદીપતિ બ્રહ્મલીન આદ્ય જગદ્‌ગુરુ શ્રી કરસનદાસજી મહારાજ પ્રેરણામૂર્તિ હતા. યુગગુરુ શ્રી ઈમામશાહ મહારાજના ઉપદેશને જીવનમાં આચરણમાં ઊતારી સાધનામય જીવન જીવનાર સરળ સ્વભાવના, સંયમી, નિડર, દૃઢમનોબળવાળા હતા. ભારતભરના સંતો, મહંતો, મંડલેશ્વરો, મહામંડલેશ્વરો, આચાર્યો, શંકરાચાર્યો, જગદ્‌ગુરુઓને પોતાના આગવા પ્રભાવશાળી વ્યક્તિત્વથી આકર્ષિત કર્યા હતા.

વર્ષો સુધી સૂક્ષ્મશક્તિથી સતૃપંથી ભક્તો, હિન્દુધર્મ અને રાષ્ટ્રને વિકાસના પંથે લઈ જવામાં ઉપયોગી માર્ગદર્શન કરતા રહેશે તેવી મારી શ્રધ્ધા છે.

સતૃપંથ પ્રેરણાપીઠના ૨૩મા વર્તમાન ગાદીપતિ શ્રી જગદ્‌ગુરુ સતૃપંથાચાર્ય શ્રી નાનકદાસજી મહારાજને ૧૦ વર્ષ પૂરાં થઈ રહ્યાં છે ત્યારે તેઓ જીવનકાળ દરમ્યાન સતૃપંથ ધર્મનો પ્રચાર-પ્રસાર અનેક સંતો, મહંતો અને ભક્તોના સહયોગથી અવિરત આગળ વધારી રહ્યા છે.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n152/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥

જગદ્‌ગુરુએ ભક્તિમય જીવનથી યુગગુરુ શ્રી ઈમામશાહ મહારાજના કૃપાપાત્ર બની પીઠની જવાબદારી સંભાળી ગુજરાતની ધરતીને ધન્ય બનાવી છે.

સદાચાર દ્વારા સમાજ કલ્યાણના કાર્યોથી સંસ્થાની પ્રગતિ દિન-પ્રતિદિન વધારી રહ્યા છે.

આપના કોમળ હૃદયકમળના ભાવથી હરહંમેશ ધર્મ-જ્ઞાન-ભક્તિ અને વૈરાગ્યની નિરંતર ધારા પ્રવાહીત થતી રહે છે.

ભગવાન શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણ મહાપ્રભુજી તથા યુગગુરુ શ્રી ઈમામશાહ મહારાજને હૃદયના ભાવથી પ્રાર્થના કરું છું કે :

આ સંત ધર્મ મહાસંમેલનનો દિવ્ય સંદેશો વ્યશનમુક્તિ, ધર્મરક્ષા, રાષ્ટ્રરક્ષા, ગૌરક્ષા, ભૃણ હત્યા કચ્છ-ગુજરાત ભારત દેશ પૂરતો જ સીમિત ન રહેતા વિશ્વમાં **High Tech. Web Net, T.V. Channels** ના માધ્યમથી વર્તમાન વિજ્ઞાનમય યુગમાં વિશ્વ સ્તરે જન જન સુધી પહોંચશે. દરેક માનવ જીવન ધન્ય બને, નવી યુવા પેઢીને ધર્મમય, સદાચારી જીવન જીવવાની પ્રેરણા આપે, તેવી હાર્દિક શુભેચ્છા. આ ઉમદા કાર્યમાં ભવ્ય સફળતા પ્રાપ્ત થાવ એ જ શુભકામના.

•

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n153/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પ.પૂ. સંતશ્રી તુલસીબાપા
સંતશ્રી નથ્થુરામબાપા સેવા ટ્રસ્ટ,
પાવનધામ, વડાલીકંપા,
મુ. વડાલીકંપા, પો. હાથરવા,
તા. વડાલી. જિ. સાબરકાંઠા.

વિ.સં. ૨૦૬૯ના નૂતન પ્રભાતે કારતક સુદ ચોથ, પાંચમ અને છઠ્ઠના પવિત્ર દિવસોમાં અખિલ ભારતીય સંત સમિતિનું રાષ્ટ્રીય મહા અધિવેશન તથા ચતુર્વિધ મહોત્સવનું ભવ્યાતિભવ્ય આયોજન પ્રેરણાપીઠ - પીરાણા મુકામે યોજાઈ રહ્યું છે. અગાઉ પણ આપણી સંસ્થા દ્વારા અધિવેશનો તથા ધર્મ સંમેલનનું સફળતાપૂર્વક આયોજન સંપન્ન થયેલ છે.

આગામી ધર્મ સંમેલનમાં દેશભરમાંથી વિવિધ પીઠ તથા મઠોના પરમપૂજ્ય શંકરાચાર્યો, સંતો, સાધુ-મહાત્માઓ, મંડલેશ્વરો, મહામંડલેશ્વરોનાં પાવન પગલાં આપણી પ્રેરણાપીઠ - પીરાણામાં પડશે. તેમની પવિત્ર ચરણ રજ તથા દેવસ્વરૂપ ધર્મસભાનાં દર્શનનો લ્હાવો લેવા આપ સૌ ઉપસ્થિત રહી કૃતાર્થ થાઓ એ જ અભ્યર્થના.

આપણા જીવનને ઉર્ધ્વગામી બનાવવા તેમજ સદ્‌ગુરુ શ્રી ઈમામશાહ મહારાજે ચીંધેલ માર્ગ પર ચાલવા સાંપડેલ આ દિવ્ય અવસરથી અખિલ ભારતીય સાધુ સંતોનો સાધુવાદ સૌ સત્‌પંથીજનોને અવશ્ય સાંપડશે. તેમજ જગદ્‌ગુરુ પદ પ્રતિષ્ઠા, આદ્ય જગદ્‌ગુરુ શ્રી કરસનદાસજી મહારાજનો પરમજ્યોતિ વિલિન પર્વ અને પ.પૂ. જગદ્‌ગુરુ સત્‌પંથાચાર્ય શ્રી નાનકદાસજી મહારાજના પદગ્રહણનો દશાબ્દિ મહોત્સવનો અનેરો લ્હાવો ઉપસ્થિત સૌ ધર્મ જિજ્ઞાસુઓને મળશે.

જંગમતીર્થ સમાન પ્રાતઃ સ્મરણીય શંકરાચાર્યો, સંતો, ધર્માચાર્યોની ઉપસ્થિતિમાં યોજાઈ રહેલ રાષ્ટ્રીય અધિવેશન તથા ચતુર્વિધ મહોત્સવની સફળતા સાંપડે તેવી પરમકૃપાળુ પરમાત્મા શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણ મહાપ્રભુ તથા સદ્‌ગુરુ શ્રી ઈમામશાહ મહારાજ તેમજ સંતશ્રી નથ્થુરામબાપાના શ્રી ચરણોમાં પ્રાર્થના કરું છું.

અધિવેશનમાં આવનાર હરિભક્તોની ગુરુદેવ રક્ષા કરે, મહોત્સવ દ્વારા સત્‌પંથ મહાધર્મ નવી ઉંચાઈઓ સર કરે તેમજ સંમેલનના પવિત્ર સત્સંગ દ્વારા હરિભક્તોનું જીવન ધન્ય બને તેવા અમારા અંતઃકરણના આશીર્વાદ સહ, પુનઃ ચતુર્વિધ મહોત્સવને સફળતા સાંપડે તથા દયાળુ પરમાત્મા સૌનું કલ્યાણ કરે એવી શુભભાવના સહ, જય ગુરુદેવ.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n154/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥





પ.પૂ. સંતશ્રી શામજીદાદા
સંત માતૃશ્રી કુંવરમા આશ્રમ,
દૈવીધામ - વજેપુરાકંપા.

પ.પૂ. જગદ્‌ગુરુ સત્‌પંથાચાર્ય શ્રી નાનકદાસજી મહારાજના દશાબ્દિ મહોત્સવ પ્રસંગે યોજાયેલ અખિલ ભારતીય સંત સમિતિનું રાષ્ટ્રીય મહા અધિવેશન તેમજ ચતુર્વિધ મહોત્સવના શુભ પ્રસંગે સમગ્ર ભારતભરમાંથી ભગવદ્ સ્વરૂપ દિવ્ય વિભૂતિઓ પ.પૂ. જગદ્‌ગુરુશ્રી શંકરાચાર્યો, પ.પૂ. જગદ્‌ગુરુશ્રી રામાનંદાચાર્યો, પ.પૂ. જગદ્‌ગુરુ શ્રી નિમ્બકાચાર્યો, પ.પૂ. મંડલેશ્વરો, મહામંડલેશ્વરો, પ.પૂ. સંતો-મહંતો, તેમજ મહાનુભાવોને આમંત્રિત કરીને પ્રેરણાપીઠની ધરાને પાવન કરી છે. આવા ભગીરથ કાર્ય કરવા બદલ હું પ.પૂ. જગદ્‌ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજશ્રીના ચરણોમાં વંદન કરું છું.

પ.પૂ. મહારાજશ્રીએ દશ વર્ષમાં પ્રેરણાપીઠમાં જે વિકાસશીલ કાર્યો કર્યા છે, જેવાં કે સમાજના ગરીબ માણસો માટે રાહત દરે હોસ્પીટલ (તબીબી સેવાઓ), ગૌશાળાનો વિકાસ અને શૈક્ષણિક ક્ષેત્રે બાળકોને રહેવા માટે ઉત્તમ સગવડ વાળી હોસ્ટેલો - આધુનિક સગવડવાળુ કોમ્પ્યૂટરરાઈઝડ શૈક્ષણિક સંકુલ, હરિભક્તોને રહેવા - જમવા માટે આદર્શ અતિથિગૃહોનું નિર્માણ કર્યું છે. આવા અસંખ્ય કાર્યો દ્વારા પ્રેરણાપીઠનો વિકાસ કરીને સંસ્થાને રાષ્ટ્રીય સ્તરે પહોંચાડી છે એ બદલ હું પ.પૂ. જગદ્‌ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજનો ખૂબ આભારી છું અને તેમના શ્રીચરણોમાં કોટી કોટી વંદન સહ...શુભેચ્છા...

realpatidar.com

Link: http://www.realpatidar.com/library
email: mail@realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n155/mode/1up

realpatidar.com

॥ ॐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

મા. શ્રી નરેન્દ્રભાઈ મોદી
મુખ્યમંત્રીશ્રી,
ગુજરાત રાજ્ય

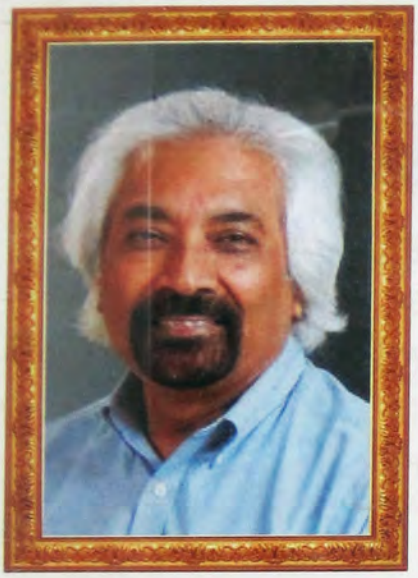
દેવી-દેવતાઓની પૂજા-અર્ચના કરવી, ભાગવત, રામાયણ, મહાભારત વાંચવું. પાઠોત્સવ ઉજવવા, ઉપવાસ કરવા તથા મહોત્સવો ઉજવવા એ ભારતીય સંસ્કૃતિની ઓળખ અને પૌરાણિક રીતિ રહી છે. યજ્ઞયાગાદિ દ્વારા આ દેવી-દેવતાઓને રીઝવવા - મનાવવાથી તેઓ મનુષ્ય જાતિ પર ખુશ રહે અને અમી વર્ષા કરે એવી આદિ-અનાદિ કાળથી ચાલતી આવતી પરંપરા છે.

નાત-જાતથી મુક્ત એવી પીરાણાની પાવન ધરા પર અખિલ ભારતીય સનાતન સત્પંથ સેવા મંડળ પ્રેરિત વિરાટ રાષ્ટ્રીય વેદિક ધર્મ મહા અધિવેશન તથા ચતુર્વિધ મહોત્સવ ઉજવાઈ રહ્યો છે, તે ગુજરાતની ગૌરવવંતી ધરતી માટે ગૌરવાન્વિત પ્રસંગ કહેવાય. આ પ્રસંગે વિવિધ સ્થળોએથી પધારનાર સંતો, મહંતો, જગદ્‌ગુરુઓ, સત્પંથાચાર્યો, ધર્માચાર્યાશ્રીઓ, મહામંડલેશ્વરશ્રીઓને મારા કોટિ કોટિ વંદન સાથે મહોત્સવ અને રાષ્ટ્રીય વૈદિક ધર્મ સંમેલનની સફળતા માટે હાર્દિક શુભેચ્છા પાઠવું છું.

realpatidar.com

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

SAM PITRODA

ADVISER TO PRIME MINISTER
Public Information Infrastructurer
And Innovations
Government of India

I would like to give my best wishes for Nanakdasji Maharaj Dasabdi Mahotsav and Saint Maha Sammelan for National Integration.

Warm regards.
Sam Pitroda.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n157/mode/1up

realpatidar.com

॥ ॐ श्री નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

मा. श्री मोहन म. भागवत
सर संघचालक
मा. श्री सुरेश (भैया) जोशी
सर कार्यवाहक
राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ
प्रधान कार्यालय : डा. हेडगेवार भवन, महाल, नागपुर.

पीराणा के श्री निष्कलंकी नारायणधाम सतुपंथ प्रेरणापीठ में अनेक मंगल निमित्यों के उपलक्ष्य में १०८ कुण्डी विष्णु यज्ञ, राष्ट्रीय वैदिक धर्म सम्मेलन महा अधिवेशन एवं चतुर्विध महोत्सव आयोजित किया गया है, यह मात्र आन्द का ही नहीं अपितु प्रेरणा व उत्साह देनेवाला विषय है। विश्व में भारतका प्रयोजन धर्म के लिए है व अपौरुषेय वेद उसी का आधार है। आज के विश्व की व देश की परिस्थिति यह स्पष्ट संकेत दे रही है कि अधूरी, मोह-भयजनित तंत्रो व आसुरी विचारधारा तथा संस्कारों के कारण विनाश के गर्त की कगार पर पहुँची दुनिया के लिए पुनश्च सनातन धर्ममूल्यों की ओर लौटने के अतिरिक्त कोई तारण नहीं बचा है। संतों की अनेक परंपरा के द्वारा भारत में यह धार्मिक ज्ञान आचरित व संरक्षित है, इस लिए इस कार्यक्रम जैसे आयोजनों से धर्म की तथा उसके आचरण की अनेक बातें जनमानस पर अंकित व उनके द्वारा आचरित होती रहेगी; उस वातावरण में से खडा हुआ भारत ही अपने भाग्य का यशस्वी निर्माता तथा दुनिया के लिए सुदृढ तारणहार बन सकता है।

इस सुअवसर को जिनकी कृपा - प्रयासों के द्वारा हम अपने सन्निकट पा रहे है उन श्रेष्ठ संत परमपूज्य जगद्गुरु सतुपंथाचार्य श्री नानकदासजी महाराज तथा श्री अखिल भारतीय संत समिति सभी पूज्य संत व कार्यकर्ताओं को मेरे हार्दिक प्रणाम, अभिनंदन व शुभकामनाऐं।

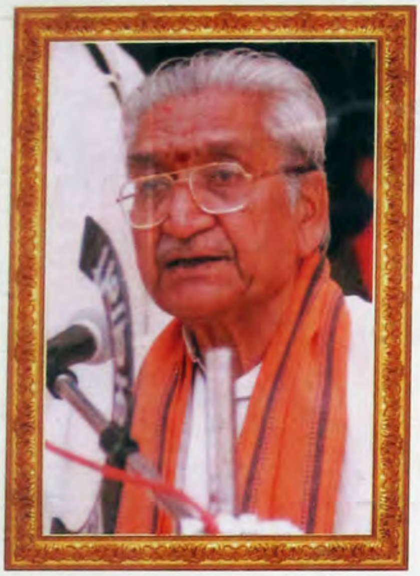
•

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n158/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

मा. श्री अशोकजी सिंहल
संरक्षक - विश्व हिन्दू परिषद्
संकट मोचन आश्रम, (हनुमान मंदिर)
सेक्टर-६, रामकृष्ण पुरम्,
नई दिल्ली - ११००२२ (भारत)

शुभकामनाएँ

प्रेरणापीठ पीराणा, अहमदाबाद में आचार्य पदवी से सुशोभित होने की दशवार्षिकी वर्ष के उपलक्ष में जो विशाल सन्त एवं भक्तों का सम्मेलन हो रहा है, उसके लिए मेरी शुभकामनाएँ स्वीकार करें।

सम्मेलन में पधारे सभी सन्तों - आचार्यो को मेरा सादर दण्डवत् प्रणाम है। आचार्य पीठ द्वारा समाज में हिन्दू सनातन धर्मका प्रचार अनवरत चलता रहे। पीठ द्वारा अथर्ववेद के साथ चारों वेदों की महिमा गान भी चलना वर्तमान की आवश्यकता है।

सम्मेलन के शुभ अवसर पर होनेवाले विष्णु महायज्ञ द्वारा शान्ति, भक्ति और शौर्यका शुभ सन्देश सर्वत्र प्रसारित होकर धर्म की जय के साथ अधर्म का नाश हो और अपने देश, धर्म के साथ सर्व का सर्वत्र कल्याण का वायुमण्डल बने, इसी शुभकामना के साथ स्मारिका की सफलता की कामना करता हूँ।

पुनः शुभकामनाओं सहित,

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n159/mode/1up

realpatidar.com

॥ ॐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

મા. શ્રી ડો. પ્રવીણભાઈ તોગડીયા
આં. રા. કાર્યાધ્યક્ષ
વિશ્વ હિંદુ પરિષદ – અમદાવાદ.
ડૉ. વણીકર સ્મારક ભવન,
૧૧, મહાલક્ષ્મી સોસાયટી,
પાલડી (અમદાવાદ) કર્ણાવતી – ૩૮૦ ૦૦૭

પ.પૂ. શ્રી નાનકદાસજી મહારાજ
સાદર સાષ્ટાંગ પ્રણામ.

શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણ ભગવાનની અવિરત કૃપાથી પ.પૂ. સત્પંથાચાર્ય શ્રી નાનકદાસજી મહારાજ પ્રેરણાપીઠનું સફળ સુકાન સંભાળી લાખો લોકોને ધર્મ પંથ ઉપર માર્ગદર્શન કરી રહ્યા છે. પ.પૂ. શ્રી નાનકદાસજીના આ પાવન યજ્ઞને દસ વર્ષ થયા તેની દશાબ્દિ ઉજવણી અવસરે પ્રસન્નતાસહ્ પૂ. નાનકદાસજીના શ્રી ચરણોમાં વંદન.

સનાતન સત્પંથ સંસ્થાન - પ્રેરણાપીઠના ધર્મકાર્યની સુવાસ ગુજરાત જ નહિ દેશ-વિદેશમાં ફેલાઈ ચૂકી છે. સનાતન ધર્મની સુરક્ષા એવમ્ પ્રચાર-પ્રસારમાં પ્રેરણાપીઠ તથા સર્વે ગાદીપતિઓએ કરેલા પાવન પરિશ્રમની નોંધ સૌએ લેવી પડી છે. વિશેષ કરી કચ્છ જેવા સરહદી વિસ્તારમાં સનાતન ધર્મની અખંડ જ્યોત પ્રજ્વલિત રાખવાનું કામ પ્રેરણાપીઠે કર્યું છે. પ્રેરણાપીઠના બ્રહ્મલીન પૂ. કરસનદાસજી અને પૂ. નાનકદાસજી આજે ભારતની ધાર્મિક સંસ્થાઓના પ્રેરણા સ્રોત પણ બન્યા છે.

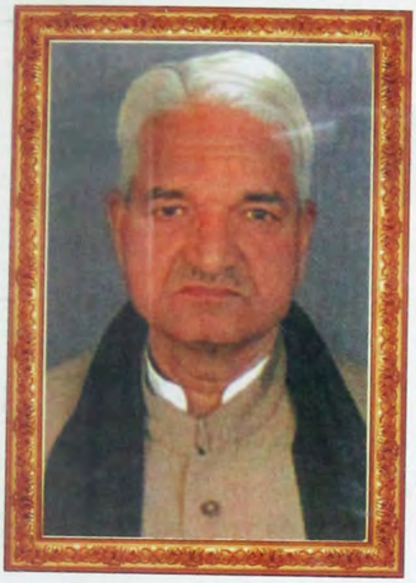
સત્પંથ સંપ્રદાયના તેવીસમા ગાદીપતિ તરીકે પ.પૂ. જગદ્ગુરુ સત્પંથાચાર્યશ્રી નાનકદાસજી મહારાજ ગાદીપતિ તરીકે દસ વર્ષ પૂર્ણ કરી રહ્યા છે તે પ્રસંગે યોજાયેલ વિવિધ ઉત્સવો - મહોત્સવને શુભેચ્છા પાઠવું છું.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n160/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

मा.श्री धर्मनारायण शर्मा

केन्द्रीय मंत्री
विश्व हिन्दु परिषद - नई दिल्ली

लाखों जनमन की श्रद्धा का केन्द्र प्रेरणापीट (पीराणा) सकल गुजरात में एक जागृतपीठ बना हुआ है। पीठ के आचार्य को सन्तों ने जगतगुरु के पद पर अधिष्ठित किया था। इसी जगतगुरु पद की दशवार्षिकी वर्ष में होने वाले विशाल सन्त व भक्त सम्मेलन हेतु मेरी बहुत-बहुत शुभकामनाएँ है।

मैं कल्की भगवान व परब्रह्म परमात्मा से विनम्र प्रार्थना करता हूँ कि सम्मेलन के अवसर पर होने वाले विष्णु यज्ञ द्वारा जगत का अज्ञानान्धकार मिटे और सच्चे सनातन हिन्दू धर्म द्वारा सत्य, अहिंसा की स्थापना के साथ मानव सहित प्राणीमात्र का कल्याणकारी कृतयुग का भारत में पुनः शुभारम्भ हो यही अपेक्षा आपके द्वारा प्रकाशित होने वाली स्मारिका से है।

पीठाधिपति के श्री चरणों में मेरा श्रद्धस्पद प्रणाम।

•

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n161/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

मा. श्री मोहन जोशी
कृपाकांक्षी
केन्द्रीय मंत्री - वि.हि.प. नई दिल्ली

परम् पूज्य जगद्गुरु सत्पंथाचार्य श्री नानकदासजी महाराज

सादर प्रणाम।

आपके द्वारा श्री अखिल भारतीय संत-समिति का राष्ट्रीय महा अधिवेशन एवं प्रेरणापीठ चतुर्विध महोत्सव का निमन्त्रण प्राप्त करके हार्दिक प्रसन्नता हुई। आशा है कार्यक्रम बहुत भव्य एवं प्रेरक रहेगा।

कृपया कार्यक्रम की पूर्ण सफलता के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनायें स्वीकार कीजिए।

लगभग ६ माह से मैं अस्वस्थ हूँ। डाक्टरों ने मुझे प्रवास करने की अनुमति नहीं दी है। ईस लिए मैं इस कार्यक्रम में उपस्थित नहीं रह सकूँगा। इसके लिए मैं क्षमा प्रार्थी हूँ।

सम्मेलन में आने वाले सभी संत महात्माओं एवं प्रेरणापीठ के सभी पदाधिकारियों को मेरा सादर प्रणाम।

इस शुभ अवसर पर आपने मुझे स्मरण किया उसके लिए मैं हृदय से आभारी हूँ।

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n162/mode/1up

realpatidar.com

॥ ॐ श्री निष्कलंकी नारायणाय नमः ॥

શુભ સંદેશ

मा. श्री दिनेशचन्द्रजी
संगठन महामंत्री
वि. हि. प. - नई दिल्ली

परम पूज्य जगद्गुरु सत्पंथाचार्य श्री नानकदासजी महाराज
सादर दंडवत् प्रणाम।
आपके द्वारा प्रेषित निमन्त्रण पत्र से प्रेरणापीठ - पीराणा में होने जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों का शुभ समाचार मिला।

भारत एक धर्मप्राण देश है। धर्म के बिना भारत का अस्तित्व शून्य है। समय-समय पर होने वाले ऐसे धार्मिक आयोजन हिन्दूओं में धर्म चेतना का संचार करते है, इस नाते इनका महत्त्व वर्णनातीत है।

पर इसके साथ ही कुछ अन्य विषयों पर भी विचार करना आवश्यक है। भारत का हिन्दू समाज इन दिनों विघटन का शिकार है। हमारी कुछ कमियों का लाभ उठाकर विदेशी एवं विधर्मी लोग हमारे निर्धन व निर्बल भाई-बहिनों को अपने पाले में ले जा रहे हैं। इसके कारण भारत का जनसंख्या संतुलन गडबडा रहा है। भारत और विश्वभर में अशांति का एक बहुत बडा कारण यह भी है।

इस लिए धार्मिक आयोजनों में यह ध्यान रखना भी आवश्यक है कि इनमें हिन्दू समाज के सब वर्गों को बराबर एवं सम्मान का स्थान मिले। यज्ञ में हर स्तर पर उनकी भरपूर सहभागिता हो। उन्हें यह लगे कि आर्थिक या शैक्षणिक रुप से कमजोर होने पर भी हम हिन्दू समाज के अभिन्न अंग है। संत संमेलन में सब पूज्य संत एक स्वरसे यह उद्घोष करें कि गरीब हो या अमीर, निर्वल हो या बलवान, शिक्षित हो या अशिक्षित, व्यापारी हो या किसान, नगरवासी हो या ग्राम और वनवासी..., हिन्दू होने के नाते हम सब सगे सहोदर भाई-बहिन हैं।

सामाजिक समरसता, एकात्मता एवं प्रेम का भाव इस सम्मेलन से पुष्ट होगा, इस विश्वास के साथ मैं इसके सभी आयोजनकर्ताओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूँ।

पूर्व निर्धारित कार्यक्रमो के कारण समारोह में उपस्थित होना संभव नहीं लगता। फिर किसी समय आकर आप सबके दर्शन करने का प्रयास करुंगा। सभी को मेरा सादर प्रणाम।

realpatidar.com

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

मा.श्री जुगलकिशोरजी
केन्द्रीय मंत्री
विश्व हिन्दु परिषद - नई दिल्ली

परम् पूज्य जगद्गुरुश्री नानकदासजी महाराज के चरणों में सादर प्रणाम।

श्री अखिल भारतीय संत-समिति का राष्ट्रीय महा अधिवेशन एवं प्रेरणापीठ चतुर्विध महोत्सव के शुभ अवसर पर अनेक विविध प्रकार के कार्यक्रमों के आयोजन की सम्पूर्ण सफलता के लिए कोटि- कोटि शुभकामनायें निवेदित करता हूँ।

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n164/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

ડો. જયંતીભાઈ ભાડેસીયા
પ્રાંત સંઘચાલક, રાષ્ટ્રીય સ્વયંસેવક સંઘ
ગુજરાત

પ્રતિ,
પ.પૂ. જગદ્‌ગુરુ સત્‌પંથાચાર્ય શ્રી નાનકદાસજી મહારાજ
પ્રેરણાપીઠ - પીરાણા.

અખિલ ભારતીય સત્‌પંથ સનાતન સમાજ સેવા મંડળ પ્રેરિત વિરાટ રાષ્ટ્રીય વૈદિક ધર્મ સંમેલનનું પ્રેરણાપીઠની પવિત્ર ભૂમિ પર આયોજન થયું છે તે ખૂબ આનંદની વાત છે.

શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણ મહાપ્રભુજીની અસીમ કૃપાથી સત્‌પંથ સનાતન સદ્‌ગુરુ શ્રી ઈમામશાહ મહારાજ સંસ્થાન, પ્રેરણાપીઠ - પીરાણાના ૨૩મા ગાદીપતિ પ.પૂ. જગદ્‌ગુરુ સત્‌પંથાચાર્ય શ્રી નાનકદાસજી મહારાજ, ગાદીપતિ તરીકે ૧૦ વર્ષ પૂર્ણ કરવા જઈ રહ્યા છે. આ એક શુભ અવસર છે. દશાબ્દિ મહોત્સવ નિમિત્તે, આ પ્રસંગે યોજાનાર વિરાટ રાષ્ટ્રીય વૈદિક ધર્મ સંમેલન, જગદ્‌ગુરુ પદ પ્રતિષ્ઠા મહોત્સવ, પ.પૂ. બ્રહ્મલીન આદ્ય જગદ્‌ગુરુ શ્રી કરશનદાસજીમહારાજ પરમજ્યોતિ વિલિન પર્વ, વિશ્વશાંતિ માટે ૧૦૮ કુંડી યજ્ઞ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણ મહાયજ્ઞ અને સંત સંમેલન જેવા સોનેરી, અણમોલ અવસર આપ યોજી રહ્યા છો.

વિવિધ દિવ્ય વિભૂતિઓ, પ.પૂ. જગદ્‌ગુરુશ્રી શંકરાચાર્યો, પ.પૂ. જગદ્‌ગુરુશ્રી રામાનંદાચાર્યો, પ.પૂ. જગદ્‌ગુરુ શ્રી રામાનુજાચાર્યો, પ.પૂ. જગદ્‌ગુરુ શ્રી નિંબાકાચાર્યો, પ.પૂ. જગદ્‌ગુરુ શ્રી ધર્માચાર્યો, પ.પૂ. શ્રી મહામંડલેશ્વરો, પ.પૂ. સંતો - મહંતો, પ.પૂ. ભગવત્ સ્વરૂપદેવીઓના દર્શન અને ધર્મવાણીનો લાભ હિન્દુત્વપ્રેમી ધાર્મિકજનોને થશે. કલિયુગમાં સર્વત્ર જ્યારે અનાસ્થા તથા અશાંતિનું વાતાવરણ સમાજને દૂષિત કરી રહ્યું છે ત્યારે આવા શુભ પ્રસંગો તથા ભગવત્ સ્વરૂપ પૂજનીય મહાપુરુષોનું સાનિધ્ય સૌને સુખકારી, શાંતિકારી તથા ધર્માચરણ માટે લાભદાયી રહેશે.

આવા સુંદર આયોજન બદલ, આપ સૌને અભિનંદન તથા ખૂબ ખૂબ શુભેચ્છાઓ.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n165/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

મા. શ્રી ડો. કૌશિક મહેતા
કાર્યાધ્યક્ષશ્રી : વિશ્વ હિન્દુ પરિષદ - ગુજરાત
ડૉ. વણીકર સ્મારક ભવન,
૧૧, મહાલક્ષ્મી સોસાયટી,
પાલડી, (અમદાવાદ) કર્ણાવતી - ૩૮૦ ૦૦૭.

સત્‌પંથ હિન્દુ ધર્મનો અતૂટ હિસ્સો છે.
ગાદી - દશાબ્દિ મહોત્સવની શુભકામના:

સત્‌પંથ સનાતન સંસ્થાન - પ્રેરણાપીઠ સાથે છેલ્લા ૨૫ વર્ષથી સંપર્કમાં છું વારંવાર અનુભવ્યું છે કે સત્‌પંથ સનાતન માર્ગ છે, ભારતની વૈદિક ધર્મ પ્રણાલીનો જ હિસ્સો છે તેમ સ્પષ્ટ દેખાય છે. અથર્વવેદ આધારિત ભગવાન વિષ્ણુના જ નિષ્કલંકી નારાયણ અવતારની ઉપાસના થઈ રહી છે ત્યારે સત્‌પંથ સંપ્રદાય એ હિન્દુધર્મનો સનાતન ધર્મનો અતૂટ હિસ્સો છે તે સત્ય સ્વીકારવું જ રહ્યું.

વિશેષ કરીને પ.પૂ જગદ્‌ગુરુ સત્‌પંથાચાર્ય વર્તમાન ગાદીપતિ પૂ. નાનકદાસજી મહારાજ ગાદીપતિના પદને દશ વર્ષ પૂર્ણ કરે છે ત્યારે તેમના શ્રી ચરણોમાં દંડવત્‌ પ્રણામ. પ.પૂ. કરસનદાસજી મહારાજે વિશ્વ હિન્દુ પરિષદ સાથે જે અતૂટ સંબંધ બાંધેલો તેને પ.પૂ શ્રી નાનકદાસજીએ વધુ મજબૂત અને વિશ્વાસનીય બનાવ્યો છે. વિશ્વ હિન્દુ પરિષદના ધર્મકાર્યની સફળતા પાછળ પ.પૂ. શ્રી નાનકદાસજીનું માર્ગદર્શન ઋણીય રહ્યું છે.

પ.પૂ સતપંથાચાર્ય જગદ્‌ગુરુશ્રી નાનકદાસજી મહારાજના ગાદીપતિ તરીકેના દશાબ્દી મહોત્સવ પ્રસંગે યોજેલ તમામ ધર્મકાર્ય અર્થે શુભકામના પાઠવી નાના મોટા તમામ કામ માટે પ્રેરણાપીઠની આજ્ઞાની અપેક્ષા સાથે પુનઃ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજના શ્રી ચરણોમાં દંડવત્‌.

●

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n166/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

માન. શ્રી બાબુભાઈ જમનાદાસ પટેલ

બી.જે.પી. ધારાસભ્ય : ૬૫-દસક્રોઈ

પરમ પૂજ્ય જગદ્ગુરુ સત્પંથાચાર્યશ્રી નાનકદાસજી મહારાજના શ્રી ચરણોમાં સાદર નમસ્કાર.

આપણી સંસ્થા પ્રેરણાપીઠ પીરાણા મુકામે અખિલ ભારતીય સંત સમિતિનું રાષ્ટ્રીય અધિવેશન તથા ચતુર્વિધ મહોત્સવ (દશાબ્દિ મહોત્સવ) યોજાઈ રહેલ છે. જેમાં ભારતભરના હજારો સાધુ-સંતો, મહંતો, મહાનુભાવો પધારી આપણી આ ભૂમિને પાવન કરશે. જે મારા માટે વિશેષ ગૌરવની વાત છે કે મારા વિસ્તારમાં આવા પૂજનીય સંતો, મહંતો પધારીને સમગ્ર માનવ હૃદયમાં ચેતના જગાવી અને ભારતીય સંસ્કૃતિને ઉજાગર કરવાનું કાર્ય થઈ રહ્યું છે જે આનંદની વાત છે.

તો આ પ્રસંગની શુભકામના ઈચ્છું છું અને ભગવાન શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણને પ્રાર્થના કરું છું કે આ પ્રસંગ થકી સમગ્ર વિસ્તારમાં માનવતાનો સંદેશો પ્રાપ્ત થાય અને સૌ આત્માઓનું કલ્યાણ થાય.

અંતમાં આવા સત્કાર્યો કરવા બદલ પ.પૂ. જગદ્ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજના શ્રી ચરણોમાં વંદન સહ નમન.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n167/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

માન. શ્રી મણીભાઈ પટેલ
ધારાસભ્યશ્રી :
૧૨૫, કપડવંજ વિધાનસભા મત વિસ્તાર,
જિ. ખેડા. (ગુજરાત)

પરમવંદનીય જગદ્‌ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજ
પ્રેરણાપીઠ, પીરાણા
અમદાવાદ.

સાદર નમસ્કાર,

પાવનધામ પીરાણા મુકામે અખિલ ભારતીય સંત સંમેલન મળી રહ્યું છે ત્યારે સંતો, મહંતો, મહાત્માઓના ચરણ સ્પર્શથી ગુજરાતની અને પીરાણાધામની ભૂમિ પવિત્ર બનશે. સંતોની ભૂમિકા હંમેશાં રાજકીય પ્રવૃત્તિથી પર રહી સમાજને જીવનનો સાચો રાહ બતાવવાની રહી છે. ધર્મો અને સંપ્રદાયોમાં ધર્મની સાથે ભળેલી અંધશ્રધ્ધા, ક્રિયાકાંડો અને દેખા-દેખી વધતી જાય છે. દરેક વ્યક્તિ તેમના ધર્મ કે સંપ્રદાયને જ મોક્ષ કે ઈશ્વરભક્તિનો સાચો માર્ગ માની બીજાને ઉતરતી કક્ષાના માનવા પ્રેરાય છે ત્યારે સાંપ્રત સમયથી માંગ માનવ ધર્મ અને રાષ્ટ્રધર્મની પ્રેરણા સંતોના આશીર્વાદથી પ્રાપ્ત થાય તેવી શુભકામના.

આયોજન સમિતિએ ભારતભરના સંતો મહંતોને નિમંત્રણ પાઠવી સત્પંથ સમાજનું ગૌરવ વધાર્યું છે. આપના અને સંતોના આશીર્વાદ હંમેશાં મળતા રહે તેવી ભાવના સાથે..

realpatidar.com

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

બાબુભાઈ જે. દેસાઈ
ધારાસભ્યશ્રી : કાંકરેજ (બ.કાં.)
બ્લોક નં. ૩/૭, સદસ્ય નિવાસ,
સેક્ટર-૨૧, ગાંધીનગર.

પરમપૂજનીય વંદનીય જગદ્‌ગુરુ સત્‌પંથાચાર્યશ્રી નાનકદાસજી મહારાજ,
પ્રેરણાપીઠ - પીરાણાના ચરણોમાં મારા કોટી કોટી વંદન.

અતિશય આનંદ સાથે હૃદયના ઉમળકાથી તા. ૧૭-૧૮-૧૯ નવેમ્બર માસમાં યોજાતા ભવ્ય અખિલ ભારતીય સંત સમિતિના આ રાષ્ટ્રીય મહા અધિવેશનની સફળતા ઈચ્છુ છું.

આ મહા અધિવેશન દ્વારા સમગ્ર વિશ્વમાં એક કલ્યાણકારી કાર્યો કરવાની ભાવના પેદા થશે. સમગ્ર વિશ્વને જોડવાનું આ એક અદ્‌ભૂત આયોજન છે. પરમાત્માએ પણ આપણા ભારતભૂમિના સંતો, મહંતો, મહામંડલેશ્વરો, ગાદીપતિઓ તથા જગદ્‌ગુરુઓ દ્વારા જગતના પ્રાણીમાત્ર માટે પરમાત્માને પામવા માટે જે ઉપદેશો આપ્યા છે તેને ફરીથી સજીવન કરવાનો આ ભગીરથ પ્રસંગ છે. સમગ્ર સૃષ્ટિ પરમાત્માનું સર્જન છે. પ્રકૃતિ પરમાત્માની માયા છે અને જીવ પરમાત્માનો લાડકો છે, તો આ પ્રસંગ દ્વારા આત્મા અને પરમાત્માના મિલનનો અનોખો અવસર મળ્યો છે. આ ભગીરથ યજ્ઞ કાર્યમાં મહાઅધિવેશનમાં તમામ માનવજાતમાં પ્રસરેલી અંધશ્રધ્ધાને દૂર કરી પોતાના અસલ સ્વરૂપને જાણવા માટેનો આ અવસર ચૂકવા જેવો નથી. આ ભારત ભૂમિ ઉપર આ અસંખ્ય મેળાવડા દ્વારા માનવ સંસ્કૃતિને સતત જીવંત રાખવાના પ્રયાસો થતા રહે તેવી હાર્દિક શુભેચ્છા પાઠવું છું.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n169/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

મા. શ્રી મહેન્દ્રભાઈ ઝા
ટ્રસ્ટીશ્રી : શ્રી જગન્નાથજી મંદિર
અમદાવાદ.

અખિલ ભારતીય સનાતન સત્પંથ સેવા મંડળ દ્વારા પ્રેરણાપીઠ પીરાણામાં તા. ૧૭-૧૮-૧૯ નવેમ્બર, ૨૦૧૨માં સત્પંથાચાર્ય જગદ્‌ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજનો દશાબ્દી મહોત્સવ અને અ.ભા.સ.સમિતિનું રાષ્ટ્રીય મહા સંત સંમેલન મળી રહ્યું છે જે આપણા સૌના માટે સુંદર લ્હાવો છે. હું છેલ્લા ઘણા વર્ષોથી મંદિરના ટ્રસ્ટી તરીકે સેવા આપુ છું અને પ્રેરણાપીઠ અને અમારી સંસ્થા એકબીજાને એકમેક હૃદય ભાવથી સાથે રહીને પ્રસંગો ઉજવીએ છીએ અને આ પ્રસંગમાં પણ અમોને સંતોની સેવા કરવાની જે તક મળી છે તે ભગવાન સારી રીતે કરાવશે. અમારા માટે આ મહાન પ્રસંગ જીદંગીનો અમુલ્ય લ્હાવો છે. ભગવાન શ્રી જગન્નાથજીને પ્રાર્થના પૂ. નાનકદાસજી મહારાજને સ્વાસ્થ્ય અને દિર્ઘાયું પ્રાપ્ત થાય.

realpatidar.com

Link: http://www.realpatidar.com/library
email: mail@realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n170/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

શ્રી વિજય હરિશ્ચંદ્ર પટેલ

પ્રમુખ :
ગુજરાત હાઈકોર્ટ એડવોકેટ એસોસીએશન
પૂર્વ સંસદ સભ્ય, ધારાસભ્ય
ચેરમેન, બાર કાઉન્સિલ ઓફ ગુજરાત.

પ.પૂ. જગદ્‌ગુરુ સતૂપંથાચાર્યશ્રીના દશાબ્દિ મહોત્સવ નિમિત્તે શ્રી અખિલ ભારતીય સંત સમિતિનું રાષ્ટ્રીય મહા અધિવેશન તા. ૧૭-૧૮-૧૯ નવેમ્બર - ૨૦૧૨ના શુભ દિવસોએ પ્રેરણાપીઠ - પીરાણા ખાતે યોજાઈ રહ્યું છે. આ પ્રસંગે દેશભરમાંથી જુદા જુદા સંત વિભાગોમાંથી અગ્રગણ્ય અને દિવ્ય સંતો પધારશે અને એક સંગઠિત હિન્દુ સમાજનું પ્રદર્શન થશે, તેમજ સમગ્ર હિંદુઓને તેઓ સંગઠિત છે તેવી પ્રતીતિ થશે, તે બાબત આપણે માટે બહુ મહત્વની બાબત છે. કલિયુગમાં સંગઠન એ જ શક્તિ છે તેમ પૂર્ણ પુરુષોત્તમશ્રી કૃષ્ણ ભગવાને શ્રી ભગવદ્ ગીતામાં કહ્યું છે.

પરમકૃપાળુ પરમાત્માને હૃદયપૂર્વકની પ્રાર્થના કે હિન્દુ સમાજ વધુ સંગઠિત પ્રભાવી તેજસ્વી અને સમાજ ઉપયોગી થાય.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n171/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

શ્રી એ.જે. ગોસ્વામી

સેક્ટર – ૧૩/બી, પ્લોટ નં. ૯૭૧/૨.
ગાંધીનગર.

પ્રેરણાપીઠ ગાદીને સાદર પ્રણામ.
સત્ય એ જ ઈશ્વર છે અને ઈશ્વર એ જ સત્ય છે.

એમ મહિમાવંત શાસ્ત્રોએ અને મહાપુરુષોએ નિર્વિવાદ વાત કરી છે. પ્રેરણાપીઠ - પીરાણા ગાદી એ ધર્મદીપ છે અને ગાદી સ્થાને સદા જલતી જ્યોત એ અગ્નિદીપ છે. આમ ધર્મ દીપ અને અગ્નિદીપ ઈશ્વર અને સત્યની જેમ એક બીજાના પર્યાય સ્વરૂપે રહેલા છે. તેથી આવી પ્રાકૃતિક અને સત્યની છાયા રૂપ ઈશ્વર ભૂમિ ઉપર હજારો ભાવિક સેવકોની જહેમતથી યોજાઈ રહેલા અખિલ ભારતીય સંત સમિતિના રાષ્ટ્રીય અધિવેશનને ઉમળકાથી શુભેચ્છાઓ સાથોસાથ સત્‌પંથ સંપ્રદાયને શત્ - શત્ પ્રણામ.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n172/mode/1up

realpatidar.com

॥ ॐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

શ્રી રજનીકાન્ત ટી. પટેલ
ચેરમેન : ઉમા કો-ઓપ. બેંક લી.
સુભાનપુરા,
વડોદરા.

પ્રતિશ્રી,

પરમવંદનીય જગદ્‌ગુરુ સત્‌પંથાચાર્ય શ્રી નાનકદાસજી મહારાજ તથા અખિલ ભારતીય સંત સમિતિના રાષ્ટ્રીય મહા અધિવેશનમાં પધારનારા ભારતભરના સંતો-મહંતો, શંકરાચાર્યોના ચરણોમાં વંદન.

આપની સંસ્થા તરફથી તા. ૧૭-૧૮-૧૯ નવેમ્બર ૨૦૧૨ના યોજાનારા ચતુર્વિધ મહોત્સવનું ભાવભર્યું આમંત્રણ અમોને મળેલ છે.

ઉપરોક્ત મહોત્સવની ઉજવણી તમામ ભારતીયજનોને સંપ એકતા અને રાષ્ટ્રભાવના પ્રત્યે દોરશે. પ્રેરણાપીઠ - પીરાણામાં યોજેલ મહોત્સવ ઈતિહાસના પાના ઉપર સુવર્ણ અક્ષરે લખાશે. આ ત્રણ દિવસનું મહા અધિવેશન સમાજને વ્યસન મુક્તિ તથા ઊંચા સંસ્કાર તેમજ આરોગ્ય બક્ષે તેવી અમારી અંતરની પ્રાર્થના કરીએ છીએ. જગદ્‌ગુરુ સત્‌પંથાચાર્યશ્રીની પ્રેરણાદાયી કારકિર્દી અવિરત ચાલુ રહે તેવી મારી શુભકામના પાઠવું છું.

પરમકૃપાળુ પરમેશ્વર અને મા ઉમીયા આચાર્યશ્રીને દિર્ઘાયુષ્ય આપે તેવી અમારી ઉમા કો-ઓપ. બેંક લી. ના તમામ બોર્ડ ઓફ ડાયરેક્ટર્સ તથા સમગ્ર સભાસદો વતી અંતઃપૂર્વકથી પ્રાર્થના કરીએ છીએ.

આભાર.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n173/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

મા. શ્રી ભીખુભાઈ પટેલ
લેખક - પત્રકાર
જેતલપુર અમદાવાદ.

ચતુષ્કોણીય વંદના

સત્‌પંથ સંપ્રદાય અને સમાજને વિશ્વ સ્તરે આગવી ઓળખ કરાવીને સોળ કળાએ ખીલવી જનાર બ્રહ્મલીન જગદ્‌ગુરુ પરમવંદનીય આચાર્યશ્રી કરસનદાસજી મહારાજના ચરણોમાં નત્‌ મસ્તક કોટી કોટી વંદના

વર્તમાન પીઠાધિશ્વર જગદ્‌ગુરુ પરમ વંદનીય આચાર્યશ્રી નાનકદાસજી મહારાજ સદ્‌ગુરુ શ્રી ઈમામશાહ મહારાજની અસીમ કૃપાથી ઉત્તરાધિકારી બન્યા. આ ઐતિહાસિક પર્વને દસ વર્ષ પૂર્ણ થયાં છે તેના સંદર્ભે દ્વાપરયુગના મહાનાયક શ્રીકૃષ્ણ પરમાત્માના સમયથી પાવન થયેલી ભૂમિ પીરાણા ખાતે શ્રી અખિલ ભારતીય સંત સમિતિનું રાષ્ટ્રીય વૈદિક ધર્મ મહા અધિવેશન તા. ૧૭-૧૮-૧૯ નવેમ્બર - ૨૦૧૨ના રોજ યોજાનાર છે. પાંચમી પ્રેરણાપીઠ થયેલી આ પ્રેરણાપીઠ સમગ્ર ભારત અને વિશ્વમાં સત્‌પંથી સનાતન ઉપદેશ આપી માનવતા અને કોમી એખલાસનો ભક્તિમય સંદેશ આપી રહી છે.

આ પવિત્ર ભૂમિમાં ચતુષ્કોણીય મંગલમય પ્રસંગો ઉજવાઈ રહ્યા છે. (૧) જગદ્‌ગુરુ પદ પ્રતિષ્ઠા મહોત્સવ (૨) પ.પૂજય બ્રહ્મલીન આદ્ય જગદ્‌ગુરુ શ્રી કરસનદાસજી મહારાજ પરમજયોતિ વિલિન પર્વ. (૩) પ.પૂજય જગદ્‌ગુરુ સત્‌પંથાચાર્ય શ્રી નાનકદાસજી મહારાજ દશાબ્દિ મહોત્સવ. (૪) વિશ્વશાંતિ માટે ૧૦૮ કુંડી શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણ (વિષ્ણુયાગ) મહાયજ્ઞ.

વર્તમાન ગાદીપતિ જગદ્‌ગુરુ પરમવંદનીય શ્રી નાનકદાસજી મહારાજ સાચા અર્થમાં એક દિવ્ય પ્રતિનિધિ તરીકે કાર્યભાર સંભાળી રહ્યા છે. તેમના અથાગ પ્રયાસોએ સત્‌પંથ સંપ્રદાય અને

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n174/mode/1up

realpatidar.com

સમાજમાં નવા જુસ્સા અને ઉત્સાહનો અનુભવ કરાવ્યો છે. સંપ્રદાય - સમાજમાંથી યુવાધનને આગળ લાવીને ધર્મ પ્રેમી સહભાગીદાર બન્યા છે. આપણે સૌએ સાથે મળી દિવગંત જગત્ગુરુ પરમવંદનીય આચાર્યશ્રી કરસનદાસજી મહારાજના અધુરા સંગીન સ્વપ્નો પુરા કરવાનાં છે. આજના વિજ્ઞાન કોમ્પ્યુટર યુગમાં આપણે વિકાસ કરવો છે. જન - જન સુધી ધર્મરક્ષા - ગૌરક્ષા - રાષ્ટ્રરક્ષાના સંદેશ પહોંચાડવા છે. સત્‌પંથ સમાજ એક ગૌરવશાળી સમાજ છે. અથાગ પરિશ્રમ કરીને આ સ્થિતિએ પહોંચ્યો છે.

દશાબ્દી પર્વ પ્રસંગે એક સંભારણ કાયમ માટે સચવાઈ રહે તે હેતુથી એક સ્મૃતિગ્રંથ બહાર પાડવાનું ગંગાવતરણ સમું ભગીરથ કાર્ય થઈ રહ્યું છે. તે જાણીને હું સહૃદય ખૂબ જ આનંદની લાગણી અનુભવું છું. સંસ્થા તો વર્ષોથી અસ્તિત્વમાં છે. પરંતુ ૨૨મા અને ૨૩મા ગાદીપતિઓ બિરાજમાન થવાથી તેનો વિકાસ અને તેની સુરમ્ય સુવાસ હિમાલયની ઉંચાઈ સર કરી રહી છે. પરંપરા ગત બેડી પહેરીને વ્યક્તિની મનોકામના પૂર્ણ થાય છે. અખંડ જ્યોતિના દિવ્ય દર્શન કરી હરકોઈ મનુજ અંતરથી અભિલાષી બને છે. આવા પાવનકારી સ્થાનમાં દશાબ્દી મહોત્સવ પ્રસંગે ઉપસ્થિત રહેનાર મહાન ભગવદીપ સંતો એક હિમાલય સ્વરૂપ સૌને દર્શન આપશે. તેમની પ્રેરણાદાયી અમૃતવાણીનું સર્વજનહિતાય સર્વજન સુખાય પાન કરાવશે. સમગ્ર હિમાલય સામે ચાલીને આવશે ત્યારે આ પ્રેરણાપીઠની ધરતી મલકાટ અનુભવશે. સંતોની પવિત્ર ચરણ રજ આપણા સૌના માટે કલ્યાણકારી બની રહેશે તેમાં શંકાને લેશ માત્ર જગ્યા નથી.

હું પણ છેલ્લા ૨૦ વર્ષથી આ સંપ્રદાય અને સમાજના વિકાસનો સેવક તરીકે સાક્ષી છું. મને આ પ્રસંગે આમંત્રણ મળ્યું તેનાથી ધન્યતા અનુભવુ છું. સત્‌પંથ સમાજ અને સંપ્રદાય સાચે જ એક ગૌરવશાળી સમાજ છે. તેના ભાગ્યમાં આવી સુંદર તકો પ્રાપ્ત થતી જ રહે છે. આ સંપ્રદાય અને સમાજ ભારતવર્ષમાં જ નહિ વિશ્વમાં ખ્યાતિ પામેલ છે.

વર્તમાન પીઠાધિશ્વર જગદ્‌ગુરુ પરમવંદનીય સતપંથાચાર્યશ્રી નાનકદાસજી મહારાજ કચ્છનું નૂર.....સત્‌પંથનું ખમીર....ગુજરાતનું ગૌરવ અને ભારતવર્ષનું ભૂષણ છે. તેમનો દશાબ્દી મહોત્સવ અને સંલગ્ન અન્ય પ્રસંગો પ્રેરણાદાયી બને તેમજ આ મંગલકારી પ્રસંગે બહાર પડનારો સ્મૃતિગ્રંથ સર્વેના માટે દીવાદાંડી બને તેવી પરમકૃપાળુ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણ ભગવાને સહૃદય પ્રાર્થના કરું છું. સમગ્ર કાર્યક્રમ સુંદર રીતે સફળતાના શિખરે પહોંચે, આપની શક્તિ - સમાજ સંપ્રદાયના અને રાષ્ટ્રના હિતમાં દિશારૂપ બની રહે તેવી અંતઃકરણની અભિવંદના કરું છું.

આ મંગલકારી પ્રસંગે પ્રેરણાપીઠ પીરાણાના આંગણે અવસરને માન આપી પધારનાર દિવ્ય સંતો - મહાનુભાવોના ચરણોમાં નત્ મસ્તક કોટી કોટી વંદન કરું છું.

જય શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n175/mode/1up

2012-11 -Dashabdi Mahotsav -Sant Sammelan & Nanakdas Maharaj (Kaka) -Smruti Granth (310)

realpatidar.com

॥ ॐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

પ્રિ. શ્રી શાંતિલાલ એમ. પટેલ

ગુરુકુળ – પીરાણા.

યુગોયુગથી ચાલી આવતી વૈદિક સત્ય સનાતન પરંપરાને સદ્ગુરુશ્રી ઈમામશાહ મહારાજે અથર્વવેદ આધારિત, માનવ માત્રના કલ્યાણ માટે સત્પંથની ઉપાસના પધ્ધતિ પ્રસ્થાપતિ કરી અને ૬૦૦ વર્ષ પૂર્વે સત્પંથ પ્રેરણાપીઠની સ્થાપના કરી.

આ સત્પંથ પ્રેરણાપીઠના ૨૩મા ગાદીપતિ પૂ. જગદ્ગુરુ સત્પંથાચાર્યશ્રી નાનકદાસજી મહારાજ આજે વિદ્યમાન છે. પૂ. મહારાજશ્રી તેમના આ દસ વર્ષના કાર્યકાળમાં અનેક ધાર્મિક, સામાજિક અને રાષ્ટ્રીય તથા લોકોપયોગી કાર્યો કરી રહ્યા છે.

સેવા, સંસ્કૃતિ, સાદગી અને શિક્ષણ માટે હંમેશાં કટિબધ્ધ રહ્યા છે. તેઓશ્રીના આશીર્વાદ અને માર્ગદર્શનથી ગુરુકુળ પ્રેરણાપીઠ ખૂબ જ પ્રગતિ કરી રહ્યું છે. અહીં વિદ્યાર્થીઓનું સર્વાંગી ઘડતર થઈ રહ્યું છે. શિક્ષણ, રમત-ગમત સાથે સંસ્કારનું સિંચન કરતાં કરતાં શાળાનું સૂત્ર 'જ્ઞાનાર્થે પ્રવેશ સેવાર્થે' પ્રયાણ સાચા અર્થમાં ચરિતાર્થ થઈ રહ્યું છે.

તા. ૧૭-૧૮-૧૯ નવેમ્બર -૨૦૧૨ના પૂ. મહારાજશ્રીનો દશાબ્દિ મહોત્સવ ઉજવાઈ રહ્યો છે ત્યારે ગુરુકુળ પરિવાર શુભેચ્છા સહ આનંદની લાગણી અનુભવે છે.

પૂ. મહારાજશ્રી દિર્ઘાયુ તથા નિરોગી રહે તેવી મહાપ્રભુજી શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણને પ્રાર્થના.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n176/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શુભ સંદેશ

શ્રી મહંત જશોદાપુરી માતાજી
શ્રી વાડીનાથ મહાદેવ મંદિર, છાપી,
મુ. પો. છાપી, તા. ઈડર
જિ. સાબરકાંઠા. ગુજરાત

સત્‌પંથ ધર્મ એક ભારતીય વૈદિક ધર્મ પ્રણાલિકાનો ભાગ બની રહ્યો છે. સંસ્કૃતિ અને ઉપાસના નદીના બે કિનારા છે જેમ નદી આગળ વહેતી વહેતી સમુદ્રને મળે છે, તેમ વૈદિક સંસ્કૃતિ અને ઉપાસના માર્ગથી મનુષ્ય જીવનમાં પરમાત્માની પ્રાપ્તિ થાય છે.

સત્‌પંથ વૈદિક માર્ગ છે. જે પરમાત્માની તરફ લઈ જાય છે. એ તત્ત્વ નિર્ગુણ અને નિરાકાર છે, જે ઉપાસના દ્વારા પરમાત્માની પ્રાપ્તિ કરાવે છે. તે પરમ આનંદનું ધામ અને જ્યોતિનું સ્વરૂપ છે. પ્રાણીમાત્રની અંદર પરમાત્મા સત્‌ ચિત આનંદ સ્વરૂપમાં બિરાજમાન છે. જેને યોગમાર્ગ દ્વારા જોઈ શકાય છે. જ્યાં જ્યોતિ સ્વરૂપમાં પ્રકાશ છે ત્યાં અંધકારની સંભાવના હોતી નથી. એવા સત્‌પંથ વૈદિક ધર્મ દ્વારા પરમ પૂજ્ય સત્‌પંથાચાર્ય જગદ્‌ગુરુ શ્રી નાનકદાસજી મહારાજના અથાગ પ્રયત્નો કરીને સત્‌પંથ પુરતા સિમિત નહીં પરંતુ સમગ્ર ભારત અને વિશ્વમાં એની જ્યોતિ પ્રકાશ સ્વરૂપે જળહળી રહી છે. એ એક આનંદની વાત છે એવા ધર્માચાર્યોને અમારી શુભકામના કે પરમકૃપાળુ પરમાત્મા એમને ખૂબ આગળ વધારે, દિર્ઘાયુષ્ય પ્રદાન કરે અને વૈદિક ધર્મનો પ્રચાર - પ્રસાર કરતા રહે.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n177/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥

અખિલ ભારતીય સંત સમતિનું રાષ્ટ્રીય મહા અધિવેશન એવમ્ પ્રેરણાપીઠ ચતુર્વિધ મહોત્સવના સફળતાના સારથીઓ.

સં. ૨૦૬૯, કારતક સુદ ૪-૫-૭, શનિવાર-રવિવાર-સોમવાર

તા. ૧૭-૧૮-૧૯ - નવેમ્બર-૨૦૧૨

શ્રી નિષ્કલંકી ધામ - પ્રેરણાપીઠ, પીરાણા

પ્રેરક :- પ. પૂ. જગદ્ગુરુ સત્પંથાચાર્ય શ્રી નાનકદાસજી મહારાજ પ્રેરણાપીઠ - પીરાણા



પ. પૂ. જગદ્ગુરુ સત્પંથાચાર્ય શ્રી નાનકદાસજી મહારાજ
પ્રેરણાપીઠ, પીરાણા



શ્રી રામજીભાઈ વીરજીભાઈ ભાદાણી
કોલ્હાપુર, મહારાષ્ટ્ર



શ્રી શામજીભાઈ કાનજીભાઈ ભાવાણી
વડાગામ, ધનસુરા



શ્રી જીવરાજભાઈ લઘાભાઈ ધોળુ
માધવકંપા, બાયડ

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n178/mode/1up

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શ્રી ભીમજીભાઈ
કરસનભાઈ પોકાર
કાપડીવાવ, કપડવંજ



શ્રી છગનભાઈ
કરમશીભાઈ પોકાર
આનંદપુરાકંપા, મોડાસા



શ્રી દેવજીભાઈ
કરસનભાઈ ભાવાણી
મુંબઈ



શ્રી મણીભાઈ
મેઘજીભાઈ પોકાર
હરીપુરાકંપા, ધનસુરા



શ્રી જેઠાભાઈ
ખેતાભાઈ માકાણી
માતાજીકંપા, ખેડબ્રહ્મા



શ્રી ભાઈલાલભાઈ
કાનજીભાઈ પટેલ
અમદાવાદ



શ્રી રતનશીભાઈ
લાલજીભાઈ વેલાણી
દુર્ગાપુર, માંડવી



શ્રી શાંતિલાલ
ધનજીભાઈ માકાણી
મુંબઈ



શ્રી શ્રીકેશભાઈ
દયાળજીભાઈ પટેલ
ભીમપોર, સુરત



શ્રી મધુસુદનભાઈ
અંબારામભાઈ અંધારિયા
ભાવનગર



શ્રી હરીભાઈ
માધાભાઈ રામજીયાણી
ગઢકંપા, બાયડ



શ્રી જશુભાઈ
કરસનભાઈ ભોજાણી
વિઠ્ઠલપુરાવાટ, કપડવંજ

https://archive.org/details/bk310/page/n179/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શ્રી અબજીભાઈ
કરમશીભાઈ ધોળુ
ગાંધીનગર



શ્રી દેવજીભાઈ
કાનજીભાઈ લીંબાણી
બીલીમોરા



શ્રી બાબુભાઈ
ખીમજીભાઈ છાભૈયા
તિરૂપુર, તામિલનાડુ



શ્રી મણીભાઈ
જેઠાભાઈ પોકાર
ખારઘર, મુંબઈ



શ્રી ગંગારામભાઈ
પ્રેમજીભાઈ પટેલ
સવાસલકંપા, વડાલી



શ્રી મણીભાઈ
શામજીભાઈ ભાવાણી
વડાગામ



શ્રી જેઠાભાઈ
મનજીભાઈ નાકરાણી
હળવદ



શ્રી મોહનભાઈ
કરસનભાઈ પટેલ
હેમપુરી લાટ, પીરાણા



શ્રી ભરતભાઈ
વાલજીભાઈ છાભૈયા
નવસારી



શ્રી લક્ષ્મણભાઈ
રવજીભાઈ પટેલ
હરીપુરાકંપા, ધનસુરા



શ્રી જયંતિભાઈ
મનજીભાઈ ચોપડા
મુંબઈ



શ્રી પરશોત્તમભાઈ
ખેતાભાઈ લીંબાણી
અંકલેશ્વર

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n180/mode/1up

realpatidar.com

॥ ॐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શ્રી મનસુખભાઈ
ભગવાનદાસ દાળવાલા
સુરત



શ્રી જયેશભાઈ
જયરામભાઈ પટેલ
સુરત



શ્રી સુરેશભાઈ
અંબાલાલભાઈ પટેલ
અવાખલ



શ્રી સામજીભાઈ
લઘાભાઈ ધોળુ
વડોદરા



શ્રી મણીભાઈ
કાનજીભાઈ પટેલ
પાલડીલાટ, પીરાણા



શ્રી રમેશભાઈ
મોહનભાઈ રાણા
અમદાવાદ



શ્રી ડાહ્યાભાઈ
ભાણજીભાઈ ઉકાણી
મુંદ્રા કચ્છ



શ્રી ડો. કાન્તીભાઈ
સોમજીભાઈ ભાદાણી
કોલ્હાપુર, મહારાષ્ટ્ર



શ્રી વિનોદભાઈ
દેવસીભાઈ ધોળુ
પુના



શ્રી છગનભાઈ
સોમદાસ પટેલ
વડોદરા



શ્રી રવજીભાઈ
માધવજીભાઈ ગોરાણી
મુંબઈ



શ્રી નરસિંહભાઈ
દેવસીભાઈ ધોળુ
નાસિક

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n181/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શ્રી અંબાલાલ
રવજીભાઈ પટેલ
કરસનપુરાકંપા, મોડાસા



શ્રી માવજીભાઈ
ડાહ્યાભાઈ ધોળુ
હરીપુરા લાટ, ડાકોર



શ્રી બાબુભાઈ
શીવજીભાઈ પટેલ
મેઘકંપા, વડાલી



શ્રી દેવરામભાઈ
દેવસીભાઈ પટેલ
પાલડીલાટ, પીરાણા



શ્રી અંબાલાલ
રવજીભાઈ પટેલ
લવાડફાર્મ, દહેગામ



શ્રી ઈશ્વરભાઈ
માધવજીભાઈ ગોરાણી
ભુજ–કચ્છ



શ્રી કમલેશભાઈ
વશરામભાઈ પટેલ
દેસાઈપુરાકંપા, બાયડ



શ્રી અરજણભાઈ
સામજીભાઈ ભગત
આણંદસર–કચ્છ



શ્રી જેઠાભાઈ
કાનજીભાઈ સેંઘાણી
મેરાઉ, કચ્છ



શ્રી ધનજીભાઈ
દેવજીભાઈ ભગત
કોટડા(ચ), કચ્છ



શ્રી જયંતિભાઈ
નાનજીભાઈ લીંબાણી
દેવપર (યક્ષ) કચ્છ



શ્રી અરજણભાઈ
પચાણભાઈ જબુવાણી
મમાયમોરા–કચ્છ

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n182/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શ્રી જયંતિભાઈ
દેવરામભાઈ પોકાર
પાલડીલાટ, પીરાણા



શ્રી મનોજભાઈ
નાનજીભાઈ પટેલ
વડોદરા



શ્રી કાંતિભાઈ
પચાણભાઈ પટેલ
અમદાવાદ



શ્રી ગોવિંદભાઈ
કાનજીભાઈ પટેલ
નાંદોલફાર્મ, દહેગામ



શ્રી હર્ષદભાઈ
જસુભાઈ પટેલ
પાલડીલાટ, પીરાણા



શ્રી નટુભાઈ
એચ. પટેલ બેંકર
રાજપીપળા



શ્રી છગનભાઈ
હીરજીભાઈ પટેલ
કાદીયા - કચ્છ



શ્રી રવજીભાઈ
શીવગણભાઈ પટેલ
શીવનગર, ડાકોર



શ્રી શાંતિલાલ
કરમશીભાઈ વેલાણી
નખત્રાણા, કચ્છ



શ્રી શામજીભાઈ
કેસરાભાઈ પટેલ
રાયણમોટી-કચ્છ



શ્રી ધનજીભાઈ
રામજીભાઈ ધોળુ
દુર્ગાપુર, કચ્છ



શ્રી બાજીરાવ
વામન પાટીલ
ધાનોરા, મહારાષ્ટ્ર

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n183/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શ્રી અરવિંદભાઈ
મણીભાઈ પટેલ
પાલડીલાટ, પીરાણા



શ્રી મુકેશભાઈ
શામજીભાઈ પટેલ
શીવપુરાલાટ, પીરાણા



શ્રી રવજીભાઈ
અરજણભાઈ પટેલ
ગોતાકંપા, ખેડબ્રહ્મા



શ્રી ધીરજભાઈ
સવજીભાઈ ભગત
હેમપુરીલાટ, પીરાણા



શ્રી હંસરાજભાઈ
નાનજીભાઈ પટેલ
સલાલ



શ્રી અંબાલાલ
શામજીભાઈ પટેલ
કલોલકંપા, ખેડબ્રહ્મા



શ્રી જસવંતભાઈ
કરસનદાસ પટેલ
પાલટીલાટ, પીરાણા



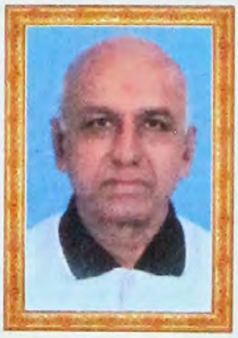
શ્રી નિતેશકુમાર
સામજીભાઈ છાભૈયા
વડોદરા



શ્રી અમૃતલાલ
જીવરાજભાઈ રૂડાણી
નાના અંગીયા, કચ્છ



શ્રી રમણભાઈ
માધાભાઈ પટેલ
વડોદરા



શ્રી રમણભાઈ
મનજીભાઈ પટેલ
વડોદરા



શ્રી છગનભાઈ
ખેતાભાઈ પટેલ
ગટકંપા, બાયડ

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n184/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શ્રી ડો. કૌશિકભાઈ દવે
અમદાવાદ



શ્રી ભરતભાઈ
સવજીભાઈ પટેલ
હેમપુરીલાટ,પીરાણા



શ્રી વિનોદભાઈ
મણીભાઈ પટેલ
પાલડીલાટ, પીરાણા



શ્રી ગોવિંદમામા
વડાગામ



શ્રી જયંતિભાઈ
કરસનદાસ પટેલ
પાલડીલાટ, પીરાણા



શ્રી જયંતિભાઈ
કરસનભાઈ પટેલ
હેમપુરીલાટ, પીરાણા



શ્રી રમેશભાઈ
અરજણભાઈ પટેલ
હેમપુરીલાટ, પીરાણા



શ્રી શાંતિલાલ
શામજીભાઈ પટેલ
હેમપુરીલાટ, પીરાણા



શ્રી શૈલેષભાઈ
અરજણભાઈ પટેલ
નવસારીલાટ, પીરાણા



શ્રી માવજીભાઈ
સવદાસ પટેલ
નાંદોલફાર્મ, દહેગામ



શ્રી અરવિંદભાઈ
મુલચંદ માછી
ભરૂચ



શ્રી શીવલાલ કે. પટેલ
વિલાસપુરાકંપા

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n185/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥



શ્રી શામજીભાઈ ગોપાળભાઈ
નાના અંગીયા



શ્રી રાવજીભાઈ મનજીભાઈ પટેલ
બાલાસિનોર



શ્રી તુલસીભાઈ ધનજીભાઈ પટેલ
નારણપુરાલાટ, નડિયાદ



શ્રી દિનેશભાઈ કાંતિભાઈ પટેલ
મુગટપુરા, ડાકોર



શ્રી નાનજીભાઈ સોમજીભાઈ રામજીયાણી
જનકપુર – માંડવી



શ્રી મનજીભાઈ વસ્તાભાઈ રૂડાણી
નાના અંગીયા

મહોત્સવના સફળતાના સારથીઓ - જેમના ફોટાઓ ઉપલબ્ધ થઈ શક્યા નથી તેમના નામો...

(૧)	શ્રી પરષોત્તમભાઈ ખેતસીભાઈ વાસાણી	- નવસારી
(૨)	શ્રી અશોકભાઈ શંકરભાઈ પટેલ	- કુકસ
(૩)	શ્રી દેવજીભાઈ શંકરભાઈ ભીલ	- વડીયા - નસવાડી
(૪)	શ્રી દેવશીભાઈ નારણભાઈ પટેલ	- સીંગોટા (ટી.એન.)
(૫)	શ્રી મગનભાઈ સોમજીભાઈ ભગત	- નાસિક
(૬)	શ્રી કાંતીભાઈ માવજીભાઈ ભાવાણી	- ખારઘર - મુંબઈ
(૭)	શ્રી ગોવિંદભાઈ હરીભાઈ પટેલ	- માળકંપા - મોડાસા
(૮)	શ્રી બચુભાઈ ગોવિંદભાઈ પટેલ	- હિંમતનગર
(૯)	શ્રી અરવિંદભાઈ વશરામભાઈ પટેલ	- લક્ષ્મણપુરાકંપા
(૧૦)	શ્રી રાજાભાઈ ખેતાભાઈ પટેલ	- મેત્રાલકંપા
(૧૧)	શ્રી રાજેન્દ્ર કિશનરાવ મોરે	- ફૈજપુર - મહારાષ્ટ્ર
(૧૨)	શ્રી ગોવિંદભાઈ કરશનભાઈ ધોળુ	- દુર્ગાપુર - કચ્છ
(૧૩)	શ્રી મનજીભાઈ દેવજીભાઈ વેલાણી	- માનકુવા - કચ્છ
(૧૪)	શ્રી હંસરાજભાઈ ગોવિંદભાઈ પટેલ	- મેઘપુરાકંપા - બાયડ
(૧૫)	શ્રી કેશુભાઈ ડાહ્યાભાઈ પટેલ	- કરસનપુરાકંપા - મોડાસા
(૧૬)	શ્રી પ્રિ. સુરેશભાઈ સવજીભાઈ પટેલ	- ખેડબ્રહ્મા (તાંદલીયાકંપા)
(૧૭)	શ્રી વિઠ્ઠલભાઈ હંસરાજભાઈ પટેલ	- મોહનપુરા - મોડાસા
(૧૮)	શ્રી સુરેશભાઈ મેઘજીભાઈ પટેલ	- અમદાવાદ (હાથીપુરાકંપા)
(૧૯)	શ્રી સુરેશભાઈ કાનજીભાઈ પટેલ (એડવોકેટ)	- અમદાવાદ.
(૨૦)	શ્રી ચંદુભાઈ ગોપાળભાઈ પટેલ	- મહાદેવપુરાકંપા - મોડાસા
(૨૧)	શ્રી માવજીભાઈ કરમશીભાઈ જબુવાણી	- મમાયમોરા - માંડવી
(૨૨)	શ્રી ડૉ. ચેતનભાઈ દવે	- અમદાવાદ
(૨૩)	શ્રી ડાહ્યાભાઈ કરસનભાઈ પટેલ	- પાલડીલાટ, પીરાણા
(૨૪)	શ્રી શાંતિલાલ દેવસીભાઈ પટેલ	- વિઠ્ઠલપુરાલાટ - કપડવંજ
(૨૫)	શ્રી બાબુભાઈ પ્રેમજીભાઈ પટેલ	- સીંગરવા - અમદાવાદ
(૨૬)	શ્રી શાંતિલાલ હિરજીભાઈ પટેલ	- કુંજાડ - અમદાવાદ
(૨૭)	શ્રી ગોવિંદભાઈ મનજીભાઈ પટેલ	- વીંછીકંપા - વડાલી
(૨૮)	શ્રી માવજીભાઈ નાનજીભાઈ રામજીયાણી	-
(૨૯)	શ્રી મણીલાલ ચીમનભાઈ	- હરીપુરા - નસવાડી
(૩૦)	શ્રી પ્રેમજીભાઈ ચુનીલાલ	- શીરા
(૩૧)	શ્રી નીતિનભાઈ પ્રવિણભાઈ પટેલ	- જીયાપર - કચ્છ
(૩૨)	શ્રી અતુલભાઈ શાંતિલાલ રાણા	- ખંભાત

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n186/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥

Published with the financial assistance from the Ministry of Education and Social welfare, Government of India.

हरिसोदरप्रणीत

भारती निरुक्ति

(वेद स्वरूप दर्शन)

ग्रन्थमाला-२

अनुवादक

जनस्वामी सुब्रह्मण्य शास्त्री

'साहित्यरत्न'

प्रकाशक

निरुक्त भारति

संस्कृत वाङ्मय परिशोधनालय

शोधन गृह, विजयवाडा-१०

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n187/mode/1up

realpatidar.com

॥ ॐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥

अथर्ववेद (ब्रह्मवेद) और उसकी आवश्यकता

ब्रह्म-कर्तव्य का उपदेश करने में तत्पर होने से, यज्ञ के विषय, में अथर्ववेद की आवश्यकता ही होती है। होत्र, आध्वर्यव एवं औद्रात्र नामक क्रियाओं का प्रतिपादन करने में ही, ऋग्यजुः साम-वेदों का तात्पर्य है। अतः, ब्रह्म-कर्तव्य का प्रतिपादन करने में इनका तात्पर्य नहीं है। क्यों कि, हौत्र का प्रतिपादन करनेवाले ऋग्वेद को, आर्ध्यव अथवा औद्रात्र का प्रतिपादन करने में तात्पर्य तो नहीं है। यजुः साम-वेदों के विषय में भी, ऐसा ही जानना होगा। अतः ब्रह्म कर्तव्य का प्रतिपादन करने के लिये चतुर्थ वेद, को आवश्यकता ही होती है, वह चतुर्थ वेद, अथर्ववेद है।

किन्तु ब्रह्मत्व ऋग्यजुः साम वेदो में यद्यपि स्थूलतः बतलाया गया है फिर भी, वह समग्र नहीं है। **अथर्ववेद ही, समग्र रूप से ब्रह्म-कर्तव्य का प्रतिपादन करनेवाला है।**

वाक् एवं मन-दोनों से यज्ञ शरीर निर्वर्तनीय है। श्रुतियाँ बतलाती है कि उसमें से वाग्-रूप शरीर का अर्धभाग, ऋक्-यजुः - सामो से और शेष अर्धभाग (मनोरूप) अथर्ववेद से निष्पन्न होता है। ('अतएव वाङ्मनस निर्वर्त्यस्य यज्ञशरीरस्य अर्धमेव त्रिभिवदेर्निष्पाद्यते । अर्थान्तरं तु अथर्ववेदनैवेति श्रूयते' - सायणः)।

"स वा एष त्रिभिर्वेदैर्यज्ञस्यान्तरः पक्ष संस्क्रियते। मनसैव ब्रह्मा यज्ञस्यान्तरं पक्षं संस्कारोति।"

- गो. बा. ३-२

"अयं वै यज्ञो योड्यं पवते। तस्य व्राक् च मनश्च वर्तन्यौ। वाचा च हि मनसा च यज्ञोऽवर्तत। इयं वै वाक्। अदो मनः। तद्वाचा त्रय्या विद्ययैवं पक्षं संस्कुर्वन्ति। मनसैव ब्रह्मा संस्करोति।"

- ऐ. बां ५-३३

स्पष्ट है कि इस प्रकार, अथर्व-वेदीय गोपथ ब्राह्मण तथा ऋग्वेदीय ऐतरेय ब्राह्मण-दोनों से भी बताया जाता है कि वाङ्-मनोरूप यज्ञ-शरीर का निष्पादन करने के लिए अथर्व-वेद आवश्यक एवं उपादेय है (द्रष्टव्यसायण रचित अथर्ववेद भाष्य-भूमिका)। अतः, वह ब्रह्मदेव के नाम से अभिहित होता है।

'तमृचश्च सामानि च यंजूषि च ब्रह्म चानुव्यचलन्।' - अ. वे. १५-६-८

"ऋचां च वे साम्ना च यजुषां च ब्रह्मणश्च प्रियं धाम भवति य एवं वेद।" - अ. वे. १५-६-९

"चत्वारो वा इमे वेदा ऋग्वेदो यजुर्वेदः सामवेदो ब्रह्मवेदः।" - गो.बो, २-१६

उपर निर्दिष्ट श्रुति-वचनो में 'ब्रह्म' शब्द से अथर्व-वेद विवक्षित होता है।

अथर्ववेद के नाम

अथर्ववेद के, इस तरह ब्रह्म-वेद के अतिरिक्त, अंगिरोवेद, अथर्वागिरोवेद, भृग्वंगिरो वेद, भैषज्य वेद, क्षत्र-वेद - आदि नाम भी श्रुति-प्रसिद्ध है।

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n188/mode/1up

realpatidar.com

"ता उपदिशति । आंगिरसो वेदः सोऽयमिति ।" - रा.ब्रा. १३-४-३-५

"तानुपदिशति । अथर्वाणो वेदः सोऽयमिति ।" - श.ब्रा. १३-४-३-७

"यस्मादृचो अपातक्षन् यजुर्वस्मादपाकषन् । सामान् यस्य लोमानि अथर्वांगिरसो मुखम् ।" - अ. वे. १०-७-२०

"एतद्वै भूयिष्ठं ब्रह्म यद्भृग्वंगिरसः - गो. ब्रा. ३-४

"उक्थं....यजुः...साम...क्षात्रं...वेद ।" - श. ब्रा. १४-८-१४-२

"ऋचः सामानि भेषजदा यजूंषि होत्रा ब्रूमा ।" - अ. वे. ११-६-१४

अथर्ववेद का प्राशस्त्य (ब्रह्मत्व-संप्रदाय)

श्रीमद् रामायण में वसिष्ठ को 'क्षत्रवेदविदां श्रेष्ठो ब्रह्मवेद-बिदामपि (१-६५-२३)' - कहकर उनका किर्तन कीया गया है । इस स्थल में व्याख्याताओं ने यह विवरण प्रस्तुत किया है कि ब्रह्म-वेद माने, ऋग्यजुः साम-वेद है और क्षत्र-वेद माने अथर्व-वेद है । महाकवि कालिदास ने भी वसिष्ठ को 'अथर्वनिधि' - कहकर उनका गुण-गान इस प्रकार किया है ।

"अथार्थानिधेस्तस्य विजितारिपुरः पुरः ।
अर्थ्यामर्थपतिर्वाच मादके वदतां वरः ॥" - रघुवंश १-१९

"स वभूव दुरासदः परगुरुणाऽथर्वविदा कृतक्रियः ।
पवनाग्रिसमागमोह्ययं सहित ब्रह्म यदस्त्रतेजस ॥" - रघुवंश ८-४

इस प्रकार, वसिष्ठ को 'अनर्व-निधि' - कहकर कीर्तन करने से यह संप्रदाय विदित होता है कि ऋग्यजुः साम-वेदाभिज्ञ के अतिरिक्त जो अथर्ववेद वेत्ता होता है, वही पुरोहित-कृत्य में कुशल, शान्तिक तथा पौष्टिक कर्मों का निर्वहण करने में समर्थ एवं राज-गुरु-पद के योग्य होता है । स्मृति-पुराणादिकों से उक्त विषय का विवेचन यो उपस्थित किया जाता है ।

त्रयी

"त्रय्यां च दण्डनीत्यां च कुशलः स्यात् पुरोहितः ।
अथर्वविहितं कर्म कुर्याच्छन्तिक पौष्टिकम् ॥"
- कामन्दक ।

"पुरोहितं प्रकुर्वीत दैवज्ञमुदितोदितम् ।
दण्डनीत्यां च कुशलं अथर्वागिरसे तथा ॥"
- याज्ञ. स्मृ. १-३१३

"पौरोहित्यं शान्तिक पौष्टिकादि राज्ञा अथर्ववेदेन कारयेत्, ब्रह्मत्वं च । - विष्णु पु. १-१०

"पुरोहित्यं तथाऽथर्वमन्त्रब्राह्मणपारगम् ।" - मत्स्य. पु.

"अभिषिक्तोऽथर्वमन्त्रैर्मही भुङ्क्ते ससागराम् ।" - मार्कण्डेय. पु.

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n189/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥

''यस्य राज्ञो जनपदे अथर्वा शान्तिपारगः ।
निवसत्यपि तद्राहं बधते निरुपद्रवम् ॥
तस्मात् राजा विशेषेण अथर्वाणं जितेन्द्रियम् ।
दानसन्मानसत्कारैनित्यं समाधिपूजयेत् ॥''

- अथर्व-परिशिष्ट-४-६

''शान्तिपुष्ट्यमिचारार्था एकब्रह्मर्त्विगाश्रयाः ।
क्रियन्तेऽथर्ववेदेन त्रय्येवात्मीयगोचरा ॥''

- तन्त्रवार्तिक १, ३, ४

इतना ही नहीं, अथर्व-मंत्र, 'सिद्ध-मन्त्रों' के नाम से भी प्रसिद्ध है।

''न तिथिर्न च नक्षत्रं न ग्रहा न च चन्द्रमाः ।
अथर्वमन्त्रसंप्राप्त्या सर्वसिद्धिर्भविष्यति ॥'' - पद्म. पु.

''यस्तत्राथर्वणान् मन्त्रान् जपेच्छ्रद्धासमन्वितः ।
तेषामर्थोद्‌भवं कृत्स्नं फलं प्राप्नोति स ध्रुवम् ॥''

- स्कन्ध पु. (कमलालय खण्ड)

भारती निरुक्ति

''अथातः संप्रवक्ष्यावि सामर्ग्यजुरथर्वणाम् ।
कर्मभिर्यैरवाप्रोति क्षिप्रं कामान् मनोगतान् ॥''

- वो. ध. सू. ४-१

''इमं मन्त्रं गृहाण त्वं आह्वानाय दिवौकसाम् ।''
यं यं देवं त्वमेतेन मन्त्रेणावाहयिष्यसि ॥
तेन तेन वशे भद्रे स्थातव्यं ते भविष्यति ।
अकामो वा सकामो वा स समेष्यति ते वशे ॥
विबुधो मन्त्रसंशान्तो भवेद्‌भृत्य इवानतः ।
ततास्तामनवद्यांगी ग्राह्यामास स द्विजः ॥''
''मन्त्रग्रामं तदा राजन्नथर्वशिरसि तम् ॥''

- भारत ३-३०५-१६ से २० तक।

इस तरह, उक्त वचन अथर्ववेद का प्राशस्त्य एवं आवश्यकता बतलाते हैं। इसके अलावा, वे यह संप्रदाय भी बतलाते हैं कि जो पुरोहित अथवा वसिष्ठ या ब्रह्मा किंवा बृहस्पति अथवा राज-गुरु होता है। उसे ऋग्यजुः साम-वेदों के साथ साथ अथर्ववेद में भी परिनिष्ठित होना चाहिये। श्रुति भी इस प्रकार आदेश देती है कि अथर्ववेद-वेत्ता को ही ब्रह्मा के रुप में वरण किया जाय।

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n190/mode/1up

realpatidar.com

"अथ प्रजापतिः सोमेन यक्ष्यमाणो वेदान उवाच । कं वो होतारं वृणीयाम् । कं अध्वर्युम् । कं उद्गातारम् । कं ब्रह्माणम् इति । ते ऊचुः । ऋग्विदमेव होतारं वृणीष्व । यजुर्विद अध्यर्युम् । सामविदं उद्गातारम् । अथर्वांगिराविदं ब्रह्माणम् । तथाड हास्य यज्ञः चतुष्पात् प्रतिष्ठिति ।" - गो. ब्रा. २-२४

ब्रह्मा के स्थान में यदि, अथर्ववेद-वेत्ता का वरण नहीं किया जाय, तो उसका प्रत्यवाय भी श्रुति से यों बतलाया गया है ।

"अथ चेत् नैवंविदं ब्रह्माणं वृणुते दक्षिणत् एवैषां यज्ञो रिच्यते ।" - गो. ब्रा. २-२४

"यथैकपात् पुरुषो यन् अनुभयचक्रो वा रथो वर्तमानो भ्रेंष न्येति एवमेवास्य यज्ञो भ्रेषं न्येति ॥"
- गो. ब्रा. ३-२

मनोमय आत्म स्वरूप को चतुर्वेदात्मक कहकर, त्रेत्तिरीय श्रुति ने उसका विवेचन यो उपस्थित किया है ।

"तस्य यजुरेव शिरः । ऋग् दक्षिणः पक्षः । सामोत्तरः पक्षः । आदेश आत्मा । अथर्वांगिरसः पुच्छं प्रतिष्ठा ।"
- ते. उप. २-३-१

श्रुति यहाँ, अथर्ववेद का मनोमय आत्म-स्वरूप के पुच्छ के रूप में यानी, आधार के रूप में निर्देश करके, अथर्ववेद की विशिष्टता को प्रतिपादित करती है । सूत संहिता परा-देवी गायत्री के स्वरूप का विवेचन प्रस्तुत करते हुए अथर्ववेद के प्राधान्य का वर्णन या किया गया है ।

"ऋग्यजुः सामरूपाश्च पादा अस्याः प्रकीर्तिताः ।" - सू. सं. ४६-२१

"शिक्षाद्यंगानि शीर्षाणि वक्त्र मग्नि र्महाद्युतिः ।
मीमांसा लक्षणं तस्याश्चेष्टा चाऽथर्वणी श्रुतिः ॥"

- सू. सं. ४-६-१५

"अथातो धर्मजिज्ञासा-इत्यादिकं म मांसाशासत्रमस्याः तटस्थलक्षणम् । अथर्वणा दृष्टा श्रुतिर्वेदो अस्याश्चेष्टात्मकः । उक्तहि-लक्षणं मीमांसा, अथर्ववेदो विचेष्टितम् इति ।"

- माधवीय तात्पर्यदीपिका ।

अर्थात् ऋक्-यजुः-साम, परादेवी गायत्री के पाद है मीमांसाशास्त्र, उसका तटस्थ लक्षण है और अथर्ववेद उसकी चेष्टा है । सूत-संहिता में ही, और एक स्थान पर भी, अथर्ववेद का प्राशस्त्य इस प्रकार बतलाया गया है ।

"शिखाऽप्याथर्वणी साध्वी सर्ववेदोत्तमो तमा ।
अस्मिन्नर्थे समाप्ता सा श्रुतयश्चापरा अपि ॥
यथा साक्षात्परं ब्रह्म प्रतिष्ठा सकलय च ।
तथैवाथर्वणो वेदः प्रतिष्ठेवाखिलश्रुतेः ॥

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n191/mode/1up

realpatidar.com

॥ ૐ શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણાય નમઃ ॥

क-दस्तारस्तथा बिन्दुः शक्तिस्तारो महाद्रुमः । स्कन्धशाखा अकाराद्या वर्णा युद्धत्तथै तु ॥
तारः कन्दः श्रुतेर्जातिः शक्तिराथर्वणो द्रुमः । स्कन्धाशाखास्त्रयो वेदाः पर्णा स्मृतिपुराणकाः ॥''
- सू. सं. यज्ञवैभव - खण्ड सू. न. गीता-४-६-१ से २४ तक।

अर्थात्, ब्रह्म अपने में अध्यस्त निरिक्लि विश्व का जैसे आश्रय-स्थनीय होता है वैसे ही, रहस्याथ-प्रतिपादिका होने से आथर्वण-श्रुति भ, सकल श्रुतियों की आश्रय-भूता होती है । अथर्ववेद, एक महा-वृक्ष है, ऋग्यजु साम, उसकी स्कन्ध- शारवाएँ है और स्मृति-पुराण, उसके पर्ण हैं - इस प्रकार यहाँ, बतलाया गया है।

प्रतिपक्ष-वादियों से अनावश्यक एवं अनुपादेय के रूप में जिसका अनुमान किया जाता है वह अथर्ववेद, बह्म कर्तव्य का प्रतिपादक सिध्ध मन्त्रात्मक एवं निखिल श्रुतियों का आश्रयभूत है। अत: सर्व श्रेष्ठ है - इसका हमने दर्शन किया है। एतादशं अथर्ववेद को अर्वाचीन कहना समजस नहीं है। इस अथर्ववेद की प्रस्तावना संहिताओं, ब्राह्मणो, आरण्यक एवं उपनिषद् - भागों, गृह्य तथा धर्म-सूत्रो और निरुक्त, व्याकरण आदि दर्शनो में बहुलतया दृष्टि-गत होती है।

ક્ષમા યાચના

પ. પૂ. પરમશ્રદ્ધેય પ્રેરણાપીઠાધિશ્વર જગદ્‌ગુરુ સતપંથાચાર્ય શ્રી નાનકદાસજી મહારાજ
દશાબ્દિ મહોત્સવ - સ્મૃતિગ્રંથ

સુપ્રસિદ્ધ પ્રેરણાપીઠધામના પ. પૂ. પ્રેરણાપીઠાધિશ્વર જગદ્‌ગુરુ સતપંથાચાર્ય શ્રી નાનકદાસજી મહારાજનો દશાબ્દિ મહોત્સવ અખિલ ભારતીય સનાતન સત્‌પંથ સેવા મંડળના ઉપક્રમે તા. ૧૭-૧૮-૧૯ નવેમ્બર-૨૦૧૨ના દિવસો દરમ્યાન શ્રી નિષ્કલંકીધામપ્રેરણાપીઠ-પીરાણા ખાતે ભવ્યતાથી ઉજવાઈ રહ્યો છે. આ શુભ અવસરે પ. પૂ. જગદ્‌ગુરુશ્રીના (ઈ.સ. ૨૦૦૨ થી ૨૦૧૨)સમયકાળ દરમ્યાન તેમના આશીર્વાદ સહ થયેલાં કાર્યોને ઉજાગર કરવાનો નમ્ર પ્રયાસ આ દશાબ્દિ મહોત્સવ સ્મૃતિગ્રંથના ઉપક્રમે કરવામાં આવ્યો છે.

સ્મૃતિગ્રંથ તૈયાર કરવા માટે અલ્પ સમયાવધિમાં ઘણો જ પુરુષાર્થ કરવો પડ્યો છે. પૂ. જગદ્‌ગુરુ શ્રી શંકરાચાર્યો, પૂ. જગદ્‌ગુરુ શ્રી રામાનંદાચાર્યો, પૂ. જગદ્‌ગુરુ શ્રી રામાનુજાચાર્યો, પૂ. જગદ્‌ગુરુ શ્રી નિમ્બાકાચાર્યો, પૂ. ધર્માચાર્યશ્રીઓ, પૂ. મહામંડલેશ્વરશ્રીઓ, પૂ. સંતો-મહંતો, સનાતન સત્‌પંથ સંપ્રદાયના શુભેચ્છકો તેમજ ધર્માનુરાગીઓએ પૂ. જગદ્‌ગુરુશ્રી નાનકદાસજી મહારાજના દશાબ્દિ મહોત્સવ ''સ્મૃતિગ્રંથ''ને અનુલક્ષીને શુભ સંદેશા પાઠવ્યા છે. તેમના અમો ઋણી છીએ. સમગ્ર ભારતવર્ષના પૂજનીય સંતોના આશીર્વાદ અને શુભકામનાઓ મેળવવા સનિષ્ઠ પ્રયાસ કરેલો પરંતુ સમય સંજોગોએ તે સઘળું શક્ય બન્યું નથી.

આ દશાબ્દિ મહોત્સવ નિમિત્તે ''સ્મૃતિગ્રંથ'' માટે માહિતી એકત્ર કરી સંકલિત કર્યા પછી ગ્રંથ પ્રકાશિત થયો ત્યાં સુધીમાં જેને જેને દિવસ રાત જોયા વગર પરિશ્રમઉઠાવ્યો છે. તેમના અમો ઋણી છીએ. આ સ્મૃતિગ્રંથના પ્રકાશનમાં કોઈ પણ ક્ષતિ રહી ગઈ હોય તો તે બદલ અમો સર્વ ધર્માનુરાગી સમક્ષ ક્ષમા યાચીએ છીએ.

એ જ

દશાબ્દિ મહોત્સવ સ્મૃતિગ્રંથ પ્રકાશક
શ્રી શામજીભાઈ કાનજીભાઈ પટેલ
તથા શ્રી જીવરાજભાઈ લધ્ધાભાઈ પટેલ તેમજ સર્વ સહયોગી મિત્રો,
પ્રેરણાપીઠ-પીરાણા, તા. દસક્રોઈ, જિ. અમદાવાદ

realpatidar.com

https://archive.org/details/bk310/page/n192/mode/1up



realpatidar.com

શ્રી ઉમિયા માતાજી



અર્થ : ત્રિશુલ, પટ્ટિશ, ઢાલ, બાણ અને મુંઠ ને
પોતાના હસ્તો માં ધારણ કરતાં,
સેવન કરવા યોગ્ય, શોભતી છ ભુજાઓ વાળાં,
સુંદર નયનવાળાં દિવ્ય વસ્ત્રાલંકાર
ધારણ કરતાં ઉજ્જવળ અંગોવાળાં,
વૃષભના વાહનવાળાં, દેવતાઓમાં શ્રેષ્ઠ,
ભક્તોનાં મનમાં ઉમંગ ઉપજાવતાં,
દિવ્ય તેજથી સોહતાં,
લક્ષ્મી આપનારાં ઐશ્વર્યવંતા
શ્રી કડવા પાટીદારના કુળદેવી ઉમિયા માતાજીને
મારા વંદન હો ।।૧ ।।

शुलं पट्टिश खडग विशिखान मुणुंदधानां करै: ।
सेव्या शोमन षड भूजां सुनयनां दिव्याम्बरां लंकृताम् ॥
शुभ्रागा वृषवाहना सुखरां भक्तोत्सवां शालिनी ।
वन्दे श्री कडवेश्वरी भगवती लक्ष्मी प्रदात्री मुमाम् ॥१॥

માતાના રૂપે આશીર્વાદ આપો, હે મા !
અમારી ભૂલ ચૂક થઈ હોય તો ક્ષમા કરો અમે તારાં બાળકો છીએ.

સમસ્ત માનવ જગતમાં કલ્યાણ
અને વિશ્વશાંતિ રહે,
સમસ્ત વાતાવરણ ભકિતના રંગે રંગી
ભાવિ પેઢીમાં ધાર્મિકતા વધે,
શ્રધ્ધા અને સુસંસ્કારોનું સિંચન થાય,
પ્રભુ પ્રીતી દૃઢ અને
પરસ્પર ભાઈચારાની ભાવના વધે
આવી શુભેચ્છાઓ સાથે...
દરેક સતપંથી ભાઈઓ તથા બહેનો પર
શ્રી નિષ્કલંકી નારાયણ ભગવાનની
અસીમ કૃપા રહે આવી પ્રાર્થના.

સ્મૃતિ ગ્રંથના સૌજન્ય
RAJ™ GROUP
REALIZE the real you
રાજ ગ્રુપ-મુંબઇ,
પ્રવિણભાઇ આર. પોકાર
સંકિતભાઇ એસ. માકાર્ણ
Shop No. 6, Guru Ashray,
Katrap Chowk, M.I.D.C. Road,
Badlapur (E) - 421 503.
Tel.: 95251 - 2698265
Email : sales@rajgroup.info
rajgroup11@yahoo.com
Website : www.rajgroup.info

realpatidar.com